सूर्योदय 6:02 सूर्यास्त 6:36

आज का तापमान

शिमला	17 न्यू	24 अधि
धर्मशाला	24 न्यू	27 अधि

बाजार

सेंसेक्स	80,710.76
निफ्टी	24,741.00
सोना 1,06,446	चांदी 1,23,581

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | सोमवार, 8 सितंबर 2025 | 24 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 251, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

रोनाल्डो ने दिलाई पुर्तगाल को बड़ी जीत

पृष्ठ 14 पर

न्यूज शॉर्ट्स

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कल होगी वोटिंग

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान 9 सितंबर को होगा। चुनाव में एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी आमने-सामने होंगे। दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से आते हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं और इस समय महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। वहीं, रेड्डी तेलंगाना से हैं और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज भी रह चुके हैं। 67 वर्षीय सीपी राधाकृष्णन अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में कोयंबटूर से दो बार सांसद रह चुके हैं। (अनंत ज्ञान)

जापान के प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दिया

एजेंसी, टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने रविवार को इस्तीफा दे दिया है। इशिबा ने यह कदम सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर विभाजन से बचने के लिए उठाया है। इशिबा की गठबंधन सरकार जुलाई में हुए ऊपरी सदन (हाउस ऑफ काउंसलर्स) के चुनाव में हार गई थी। इशिबा ने इसके लिए हाल ही में माफी मांगी थी और कहा था कि वह इस्तीफा देने के बारे में निर्णय लेंगे। चुनावी हार के बाद के लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी भीतर 'इशिबा को हटाओ' आंदोलन तेज हो गया था। पार्टी के कुछ नेताओं और सांसदों ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए, जिससे उनकी स्थिति कमजोर हो गई थी। (अनंत ज्ञान)

प्रज्वल रेवन्ना जेल में बना लाइब्रेरी क्लर्क

एजेंसी, बेंगलुरु। दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा जेल में एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। रेवन्ना को जेल में लाइब्रेरी क्लर्क की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जेल अधिकारियों के मुताबिक, उनका काम अन्य कैदियों को किताबें जारी करना और उधार ली गई किताबों का रिकॉर्ड रखना है। नियमों के अनुसार, उम्रकैद की सजा काट रहे कैदियों को कुछ न कुछ काम करना होता है, जो उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार दिया जाता है। प्रज्वल को हर दिन के काम के लिए 522 रुपए दिए जाएंगे, बशर्ते वह जिम्मेदारियां पूरी करे। (अनंत ज्ञान)

मुंबई में 24 मंजिला इमारत में लगी आग

एजेंसी, मुंबई। मुंबई के दहिसर इलाके में रविवार दोपहर एक 24 मंजिला आवासीय इमारत में आग लग गई। आग नई जनकल्याण सोसायटी, शांतिनगर, एस वी रोड स्थित इमारत की सातवीं मंजिल पर दोपहर 3:05 बजे लगी। सूचना मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और सात फायर इंजन समेत कई दमकल वाहनों को तैनात किया गया। देर शाम तक आग बुझाने के प्रयास जारी रहे। बचाव अभियान तेज कर दिया गया था। (अनंत ज्ञान)

चबूतरा के बेघर हुए हर परिवार को मिलेंगे 8.70 लाख : सीएम

सरकार घर-सामान के लिए देगी 7.70 लाख, स्थानीय विधायक देंगे एक-एक लाख

विक्रम ढटवालिया, अनंत ज्ञान ब्यूरो

मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावित गांवों का किया निरीक्षण

चबुतरा (हमीरपुर)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रविवार को सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र के आपदा प्रभावित गांवों का दौरा कर नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से बातचीत की और उन्हें प्रदेश सरकार की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। रविवार सुबह जंगलबैरी के हेलिपैड पर उतरने के बाद मुख्यमंत्री ने सबसे पहले गांव खैरी और इसके आसपास के गांवों में बाढ़ एवं भूस्खलन से हुए नुकसान का जायजा लिया तथा प्रभावित परिवारों को ढांढस बंधाया। इसके बाद मुख्यमंत्री चबूतरा गांव पहुंचे और वहां जमीन धंसने के कारण जमींदोज हुए मकानों तथा इसके आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने बेघर हुए परिवारों से भी बातचीत की और राहत एवं पुनर्वास कार्यों के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि बेघर हुए परिवारों के मकानों के निर्माण के लिए प्रदेश सरकार अपने संसाधनों से हर परिवार को 7-7 लाख रुपए देगी। घर के लिए आवश्यक सामान खरीदने के लिए 70-70 हजार रुपए भी दिए जाएंगे। वहीं, स्थानीय विधायक कैप्टन रणजीत सिंह भी अपनी तरफ से एक-एक लाख रुपए देंगे। उन्होंने कहा कि जिला हमीरपुर के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी नुकसान का आकलन किया जा रहा है। संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मानसून सीजन में प्रदेश भर में हुए भारी नुकसान का वह स्वयं जाकर जायजा ले रहे हैं और इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष भी उठाया गया है। उन्होंने कहा कि बेघर परिवारों को मकान निर्माण के लिए वन विभाग की सुरक्षित भूमि हस्तांतरित करने का मामला भी केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा। उन्होंने चबूतरा के बाद कुठेड़ा में भी जनसमस्याएं सुनीं। हमीरपुर के बाद मुख्यमंत्री को कुल्लू जिले में जाना था, लेकिन खराब मौसम के कारण वह वहां नहीं जा सके।

क्षतिग्रस्त बड़े मकानों के लिए बनेगी अलग कैटेगरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी लागत के जो मकान आधे गिर गए हैं उनके लिए अलग कैटेगरी बनाई जा रही है, ताकि 25-30 लाख का कोई मकान यदि आधा गिरा है और आधा शेष रह गया है, तो उसके लिए अलग कैटेगरी बने। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ध्वस्त हुए हर घर और पशुशाला को सरकार फिर बनवाएगी।

हमेशा गलत बयानबाजी करते हैं अनुराग ठाकुर

9 को पीएम के पहुंचने पर आ जाएं साथ, चल जाएगा पता

हमीरपुर। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सांसद अनुराग ठाकुर हमेशा गलत बयानबाजी करते हैं। हिमाचल में आपदा के समय भी केंद्र से मिलने वाली राहत को लेकर उनके पास कोई आंकड़ा नहीं है। वह जिस श्वेत पत्र की बात करते हैं, वह कोई मायने नहीं रखता। पीडीएनए के तहत 25 फीसदी का शेयर हिमाचल का बनता है। पहली किस्त यदि उसकी मिलती है, तो वह पिछली आपदा के समय की दी जाती है। अनुराग को होमवर्क करना चाहिए और यदि हिमाचल को लेकर भी इतने संजीदा नहीं हैं, तो फिर 9 सितंबर को पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में कांगड़ा में पहुंचने के समय वह भी साथ आ जाएं, सारी स्थिति का पता चल जाएगा। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को केंद्र से केवल 400 करोड़ की पिछली आपदा के समय की राहत मिली है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि बादल फटने या बाढ़ के समय साथ बहकर आने वाली लकड़ी पर सीआईडी जांच हुई है। इसमें ज्यादा कुछ नहीं है।

चुनाव आयोग पूरे देश में करेगा वोटर वेरिफिकेशन

साल के आखिरी में शुरू होगी यह प्रक्रिया

एजेंसी, नई दिल्ली

चुनाव आयोग पूरे देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन करने की तैयारी में है। इसको लेकर दिल्ली में 10 सितंबर को बैठक होगी। बैठक में सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी शामिल होंगे। इसमें देशभर में एसआईआर कराने को लेकर रणनीति पर चर्चा होगी। यह मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के फरवरी में पद संभालने के बाद तीसरी बैठक होगी।

चुनाव आयोग ने कहा है कि देशभर में साल के आखिरी में एसआईआर की शुरुआत हो जाएगी, ताकि 2026 में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट को अपडेट किया जा सके। कई राज्यों में बांग्लादेश और म्यांमार से आए प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई चल रही है।

बता दें कि बिहार में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन का विपक्ष ने विरोध किया है। 9 जुलाई को वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन को लेकर बिहार में महागठबंधन ने बंद बुलाया था। इस दौरान 7 शहरों में ट्रेनें रोकीं गईं और 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए। पटना में राहुल गांधी ने कहा था कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था और वैसे ही बिहार को चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई करेगा, जिनमें चुनाव आयोग द्वारा 24 जून को चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के फैसले को चुनौती दी गई है। (अनंत ज्ञान)

एसआईआर?

एसआईआर की पूरी फॉर्म स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन है। चुनाव आयोग के अनुसार, एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को अपडेट करना और अवैध मतदाताओं जैसे विदेशी नागरिकों, मृत व्यक्तियों या स्थानांतरित लोगों को हटाना है। एसआईआर करने के 2 तरीके हैं। पहला- बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर, एक प्री-फील्ड फॉर्म गणना प्रपत्र लेकर जाएंगे। दूसरा कोई भी व्यक्ति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर यह फॉर्म डाउनलोड करके उसे भर सकता है।

स्क्रीनिंग के 4 नियम

- वोटर का नाम अगर 2003 की लिस्ट में है, तो कोई दस्तावेज नहीं देना होगा। सिर्फ फॉर्म भरना होगा।
- 1 जुलाई 1987 से पहले जन्म हुआ है, तो जन्मतिथि या जन्मस्थान प्रमाण देना होगा।
- 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्म हुआ तो जन्मतिथि और जन्मस्थान दोनों का प्रमाण देना होगा।
- 2 दिसंबर, 2004 के बाद जन्मे हैं, तो जन्मतिथि, जन्मस्थान का प्रमाण और माता-पिता के दस्तावेज देने होंगे।

ईडी ने सुब्रत रॉय के बेटे को घोषित किया भगोड़ा

एजेंसी, कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सहारा इंडिया समूह के खिलाफ कोलकाता की कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। इसमें 1.74 लाख करोड़ रुपए के चिटफंड घोटाले का जिक्र है। ईडी ने सहारा के संस्थापक दिवंगत सुब्रत रॉय की पत्नी सपना रॉय, बेटे सुशांत रॉय को आरोपी बनाया है। अनिल वैलापरमपिल अब्राहम और जितेंद्र प्रसाद (जेपी) वर्मा समेत समूह के कई वरिष्ठ अधिकारी भी आरोपियों में शामिल हैं। ईडी ने सुशांत को भगोड़ा बताया है। वह पूछताछ में शामिल नहीं हुए थे। ईडी उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कराने की प्रक्रिया में है। सहारा के खिलाफ 500 से अधिक एफआईआर दर्ज हैं। इनमें से करीब 300 में दर्ज आरोप पीएमएलए के दायरे में आते हैं। ईडी ने जांच की शुरुआत ओडिशा, बिहार और राजस्थान में दर्ज तीन एफआईआर से की थी। हाल ही में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मुंबई में सहारा समूह से जुड़ी नौ परिसरों पर छापेमारी हुई, जिनमें भूमि और शेयर डील्स से जुड़े दस्तावेज जब्त हुए। नए सबूतों के आधार पर सप्लीमेंटरी चार्जशीट दाखिल की गई है। (अनंत ज्ञान)

पीएम कल करेंगे हिमाचल का दौरा

बरसात में आई आपदा से हुए नुकसान का लेंगे जायजा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

धर्मशाला में बैठक कर नुकसान की लेंगे रिपोर्ट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को प्रदेश के दौरे पर आएंगे। पीएम इस दौरान प्रदेश में बरसात में आई आपदा से हुए नुकसान का जायजा लेंगे। वहीं, प्रदेश की दूसरी राजधानी धर्मशाला में बैठक कर नुकसान की रिपोर्ट भी लेंगे।

पीएम के दौरे से आपदा प्रभावित हिमाचल को राहत पैकेज की उम्मीद बंधी है। पीएम आपदा ग्रस्त क्षेत्रों मंडी, कुल्लू व चंबा का भी दौरा कर सकते हैं। पीएम मोदी के हिमाचल के धर्मशाला पहुंचने की पुष्टि होने पर जिला प्रशासन व पुलिस विभाग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जुट गए हैं। वहीं, स्पेशल प्रोटेक्शन गार्ड (एसपीजी) ने जिला मुख्यालय धर्मशाला के पीएम के मूवमेंट वाले मुख्य स्थलों को अपने कब्जे में ले लिया है। इसमें सर्किट हाऊस धर्मशाला को भी पीएम मोदी के लिए पूरी तरह से तैयार किया जा रहा है।

धर्मशाला पहुंचने पर पीएम मोदी सर्किट हाउस चीलगाड़ी में दोपहर को कुछ समय के लिए रूक सकते हैं। जबकि कांगड़ा एयरपोर्ट में पीएम के हैलीकाफ्टर की लैंडिंग के लिए पूरी व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए जिला प्रमुख अधिकारियों, पुलिस व अन्य अधिकारियों की रविवार को ही कांगड़ा एयरपोर्ट में भी अहम बैठक आयोजित की गई है।

राहुल गांधी ने वोट चोरी पर ईसी-भाजपा को फिर घेरा

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों और बिहार में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए अपने हमले तेज कर दिए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के आरोपों को और पुख्ता करने के लिए एक न्यूजलेटर लॉन्च किया है। कांग्रेस का कहना है कि यह न्यूजलेटर राहुल गांधी की हालिया एटम बम प्रेस कॉन्फ्रेंस और उनकी वोट अधिकार यात्रा पर केंद्रित है। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया था कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से मतदाता सूचियों में गड़बड़ियां की जा रही हैं। उन्होंने कर्नाटक के बेंगलुरु सेंट्रल की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर एक लाख से अधिक फर्जी मतदाताओं के नाम दर्ज होने का आरोप लगाया है। कांग्रेस का दावा है कि चुनाव आयोग और भाजपा मिलकर मतदाताओं के अधिकार छीन रहे हैं। (अनंत ज्ञान)

प्रदेश में 826 सड़कें बंद, मानसून में अब तक 366 लोगों की गई जान

अनंत ज्ञान, शिमला

हिमाचल प्रदेश में मौसम खुलने के बाद भी दुश्वारियां लगातार जारी हैं। राज्य में जगह-जगह भूस्खलन से रविवार देर शाम तक दो नेशनल हाईवे सहित 826 सड़कें बंद हैं। इसके अतिरिक्त 1,480 बिजली ट्रांसफार्मर व 336 जल आपूर्ति स्कीमें बाधित हैं। इससे कई ग्रामीण इलाकों में मुश्किलें बढ़ गई हैं। चंबा जिले में 88, कुल्लू 225, मंडी 191, शिमला 146, कांगड़ा 44 व सिरमौर जिले में 36 सड़कें बाधित हैं। ठियोग-हाटकोटी मार्ग पर चेला के पास भूस्खलन हो गया जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित रही। इस मानसून सीजन में 20 जून से 7 सितंबर तक 366 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। 426 लोग घायल हुए हैं। 41 लोग अभी भी लापता हैं। इस दौरान 163 लोगों की सड़क हादसों में मौत हुई है।

6,731 मकानों व दुकानों को क्षति

प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। भारी बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन से हर साल तबाही हो रही है। मानसून सीजन के दौरान अभी तक कुल 4,08,097.49 लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। प्रदेश में इस अवधि में बादल फटने की 50, बाढ़ की 95 और भूस्खलन की 133 घटनाएं हुई हैं। राज्य में 6,731 कच्चे-पक्के मकानों व दुकानों को क्षति हुई है। 5,284 गोशालाओं को भी नुकसान हुआ है। 1,991 पशुओं की भी मौत हुई है।

हजरतबल दरगाह विवाद में 26 लोग पुलिस हिरासत में

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में 3 सितंबर को हजरतबल दरगाह में राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ के चिन्ह वाली शिलापट्ट तोड़ी गई थी। अशोक स्तंभ शिलापट्ट तोड़ने के मामले में पुलिस ने 26 लोगों को हिरासत में लिया है। वायरल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इनकी पहचान की गई। हजरतबल दरगाह में अशोक स्तंभ के चिन्ह वाली शिलापट्ट तोड़ने के बाद 4 सितंबर को अनंतनाग की खिरम दरगाह में फुटब्रिज के उद्घाटन किया गया था। यहां लगाई शिलापट्ट में केवल वक्फ बोर्ड का लोगो था, अशोक चिन्ह नहीं था। अब सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या जानबूझकर हजरतबल दरगाह में लगाई गई शिलापट्ट में अशोक स्तंभ चिन्ह उकेरा गया था, जिससे माहौल खराब किया जा सके या फिर इसके पीछे कट्टरपंथी सोच के लोगों की नफरत है। (अनंत ज्ञान)

दुष्कर्म के मामले में बच्ची की गवाही ही सजा के लिए काफी : दिल्ली हाईकार्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

दोषी की 12 साल की जेल की सजा को रखा बरकरार

दिल्ली हाईकोर्ट ने 2017 में 10 साल की एक बच्ची के साथ बलात्कार के मामले में एक व्यक्ति की 12 साल की जेल की सजा को बरकरार रखते हुए कहा कि पीड़िता की गवाही विश्वसनीय है तथा केवल इसी आधार पर दोषसिद्धि भी हो सकती है।

जस्टिस मनोज कुमार ओहरी ने मामले में दोषी करार दिए गए टोनी नाम के व्यक्ति की अपील को खारिज करते हुए यह आदेश पारित किया। जस्टिस मनोज ने कहा, 'कानून की स्थापित स्थिति यह है कि भले ही पीड़िता घटना की एकमात्र गवाह हो, अगर उसकी गवाही विश्वसनीय और भरोसेमंद पाई जाती है, तो दोषसिद्धि बरकरार रखी जा सकती है। अगर पीड़ित बच्ची की गवाही विश्वसनीय है, तो दोषसिद्धि उसी के आधार पर हो सकती है।' पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार, दोषी व्यक्ति बच्ची के स्कूल के पास फर्नीचर की एक दुकान में काम करता था तथा पीड़िता को चाउमीन और कचौड़ी जैसी खाने की चीजों का लालच देकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया था। इसके अलावा, व्यक्ति ने धमकी दी थी कि अगर उसने किसी को इस बारे में बताया तो वह उसे नाले में डुबो देगा या लकड़ी की तरह टुकड़े-टुकड़े कर देगा। जज ओहरी ने कहा कि बच्ची का बयान एक समान और विश्वसनीय रहा तथा व्यक्ति जिरह के दौरान उसकी गवाही को झुठला नहीं सका। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- डीसी ऑफिस के कायाकल्प से आम लोग काफी प्रसन्न -पेज 2
- हरियाणा सरकार ने चंबा के लिए भेजी 10 ट्रक राहत सामग्री -पेज 3
- जिले में 52 हजार 700 मीट्रिक टन फल उत्पादन की उम्मीद -पेज 5
- हिमाचल के सांसदों को ढूंढ रही आपदा पीड़ित जनता: ब्रह्मदास चौहान -पेज 5
- प्रभावितों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी सरकार: सुंदर -पेज 11

रूस ने बनाई कोलन कैंसर की वैक्सीन

प्रीक्लिनिकल ट्रायल में वैक्सीन 80 प्रतिशत तक असरदार

एजेंसी, मॉस्को

रूस के वैज्ञानिकों ने कोलन (बड़ी आंत) कैंसर के इलाज के लिए एक नई वैक्सीन तैयार कर ली है। यह वैक्सीन प्रीक्लिनिकल ट्रायल (प्रारंभिक चरण के परीक्षण) में पूरी तरह सफल रही है। रूस की फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी (एफएमबीए) की प्रमुख वेरोनिका स्क्वॉर्त्सोवा ने यह जानकारी ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम (ईईएफ) के दौरान दी। उन्होंने कहा कि वैक्सीन अब उपयोग के लिए तैयार है और आधिकारिक मंजूरी का इंतजार है।

यह वैक्सीन बेहद प्रभावी साबित हुई है। इससे ट्यूमर (गांठ) का आकार 60% से 80% तक कम हुआ और कैंसर की प्रगति धीमी हो गई। वहीं, मरीजों की जीवन प्रत्याशा में भी सुधार देखा गया। स्क्वॉर्त्सोवा ने बताया कि इस वैक्सीन पर कई वर्षों से काम चल रहा था। पिछले तीन साल केवल अनिवार्य प्रीक्लिनिकल स्टडी में लगाए गए। इन स्टडी में यह साबित हुआ कि वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है, चाहे इसे बार-बार ही क्यों न दिया जाए। (अनंत ज्ञान)

पहले कोलोरेक्टल कैंसर पर फोकस

वैक्सीन का पहला उपयोग कोलोरेक्टल कैंसर के इलाज में किया जाएगा। इसके अलावा, वैज्ञानिक ग्लियोब्लास्टोमा (एक खतरनाक ब्रेन कैंसर) और कुछ विशेष प्रकार के मेलानोमा, जैसे आंख का मेलानोमा, के लिए भी वैक्सीन पर काम कर रहे हैं। ये प्रोजेक्ट अभी उन्नत स्तर पर हैं और आने वाले समय में बड़ी सफलता दे सकते हैं।

कोलन कैंसर?

कोलन कैंसर, जिसे बड़ी आंत का कैंसर भी कहते हैं, पाचन तंत्र के निचले हिस्से यानी बड़ी आंत या मलाशय में बनने वाला कैंसर है। यह धीरे-धीरे विकसित होता है और शुरुआती चरण में अक्सर लक्षण स्पष्ट नहीं होते। अगर समय पर पता न चले, तो यह शरीर के अन्य हिस्सों तक फैल सकता है। कोलन कैंसर तब शुरू होता है जब बड़ी आंत की कोशिकाएं असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। शुरुआत में इसके लक्षण हल्के और नजरअंदाज करने लायक हो सकते हैं।

साइबर फ्रॉड हिमाचल में तेजी से फैल रहा साइबर अपराध, शिकायतों और साइबर ठगी का बढ़ रहा आंकड़ा

प्रदेश में हर 15 मिनट में छह लोग साइबर फ्रॉड के शिकार

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश में साइबर अपराध का दायरा अब इतना बढ़ चुका है कि यह प्रदेश की सबसे बड़ी कानून-व्यवस्था संबंधी चुनौतियों में से एक बन गया है। इंटरनेट और स्मार्टफोन की आसान पहुंच ने जहां आम लोगों के जीवन को सरल बनाया है, वहीं अपराधियों के लिए धोखाधड़ी का नया रास्ता खोल दिया है।

ताजा हालात ये हैं कि प्रदेश में हर पंद्रह मिनट में छह लोग ऑनलाइन ठगी का शिकार हो रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि यह स्थिति केवल वित्तीय हानि तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी गहरे असर छोड़ रही है। आंकड़े इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। वर्ष 2023 में हिमाचल में 44,541 साइबर अपराध शिकायतें दर्ज हुई थीं, जो 2024 में बढ़कर 1,10,431 तक पहुंच गईं। 2025 के शुरुआती सात महीनों में ही 1,16,311 शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। इसी तरह वित्तीय नुकसान के मामले में भी स्थिति चिंताजनक है। 2023 में 41.04 करोड़ रुपए की ठगी हुई, 2024 में यह आंकड़ा 114.92 करोड़ रुपए तक पहुंच गया और केवल जनवरी से जुलाई 2025 के बीच ही 63.78 करोड़ रुपए का नुकसान दर्ज किया गया। पहले साइबर अपराध को शहरी समस्या माना जाता था, लेकिन अब यह हिमाचल के छोटे कस्बों और ग्रामीण इलाकों तक फैल चुका है।

पुलिस और साइबर सेल के सामने नई चुनौतियां

बढ़ते अपराधों ने पुलिस और साइबर सेल के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। अपराधियों की तकनीक हर दिन बदल रही है, जिससे जांच एजेंसियों को बराबर सतर्क रहना पड़ रहा है। हिमाचल पुलिस ने प्रत्येक थाने में साइबर डेस्क स्थापित किए हैं, ताकि हर स्तर पर शिकायतें दर्ज हो सकें। इसके अलावा प्रत्येक जिले में इंटीग्रेटेड साइबर क्राइम एक्सटेंशन यूनिट्स बनाई गई हैं, जो राज्य स्तरीय समन्वय केंद्र के साथ मिलकर मामलों की तकनीकी जांच करती हैं।

सतर्क और सजग रहें लोग

साइबर अपराध से निपटने के लिए केवल पुलिस की मेहनत काफी नहीं है। डिजिटल युग में लोगों को सतर्क और सजग रहना ही सबसे बड़ा बचाव है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी कॉल या मैसेज पर अपनी व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी साझा करना आत्मघाती साबित हो सकता है। पासवर्ड नियमित रूप से बदलना, अज्ञात लिंक पर क्लिक न करना और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट करना, जागरूक नागरिक की जिम्मेदारी है। पुलिस का मानना है कि यदि लोग घबराने के बजाय संयम और समझदारी से काम लें तो साइबर अपराधियों की आधी चाल वहीं ध्वस्त हो जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

7 दिन बाद झाड़ियों में मिली लापता महिला की लाश

अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन थाना क्षेत्र की पंचायत भरमोटी खुर्द में सात दिन से लापता 63 वर्षीय महिला राज कुमारी पत्नी गुरदास राम की लाश रविवार को खेतों के साथ लगती झाड़ियों में बरामद हुई। राज कुमारी 1 सितंबर से लापता थी। ग्रामीणों को खेतों में मक्की की कटाई के दौरान दुर्गंध आने पर घटना का पता चला। शव बुरी तरह सड़ चुका था। इसकी सूचना तुरंत पूर्व प्रधान प्रियतोष सिंह जाट ने पुलिस को दी। एसएचओ निर्मल सिंह के नेतृत्व में पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर लिए हैं और मामले की जांच जारी है। अचानक हुई इस घटना से क्षेत्र में दहशत और शोक का माहौल है।

पीड़िता भोली देवी को दो माह का राशन भेंट

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान, बड़सर। एनएसयूआई के राष्ट्रीय संयोजक एवं नशा निवारण बोर्ड के डायरेक्टर रूबल ठाकुर ने ग्राम पंचायत टिप्पर के गांव टिल्लू निवासी भोली देवी के घर जाकर उन्हें दो महीनों का राशन एनजीओ के माध्यम से प्रदान किया। गौरतलब है कि बीती रात अचानक उनका मकान ध्वस्त हो गया था, जिसमें वह मलबे में दब गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। हालांकि, स्थानीय लोगों ने बड़ी मशक्कत से उन्हें और उनकी दो बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना की सूचना मिलने पर सुबह बड़सर तहसीलदार धर्मपाल नेगी और युवा नेता रूबल ठाकुर मौके पर पहुंचे और परिवार का हालचाल जाना। इस दौरान प्रशासन ने फौरी तौर पर दस हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। रूबल ठाकुर ने भरोसा दिलाया कि यदि भविष्य में परिवार को और जरूरत होगी, तो हरसंभव मदद की जाएगी।

इनरव्हील क्लब ने शिक्षकों को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। इनरव्हील क्लब हमीरपुर की ओर से शिक्षक दिवस के अवसर पर एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित शिक्षकों को उनकी निष्ठा, समर्पण और समाज निर्माण में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। जिसमें कौटिल्य संस्थान की अध्यक्षा शिवानी शर्मा, ब्लू स्टार स्कूल की प्रधानाचार्य सुमन लता, रिटायर प्रधानाचार्य निर्मल ठाकुर, पहचान स्पेशल स्कूल की अध्यक्ष चेतना शर्मा, लक्ष्मी मैमोरियल स्कूल की प्रधानाचार्य शिवानी चौहान, हिम अकादमी स्कूल से नैना लखनपाल, रिटायर अध्यापिकाएं लक्ष्मी अग्निहोत्री, वीना शर्मा और चित्रा मल्होत्रा को शिक्षक दिवस पर सम्मानित किया गया। क्लब की अध्यक्ष ईना चौहान ने शिक्षकों को समाज की रीढ़ बताते हुए कहा कि एक शिक्षक ही बच्चों के भविष्य को दिशा देता है और उन्हें संस्कारों से जोड़ता है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को सर्टीफिकेट व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब की पदाधिकारी व सदस्य भी उपस्थित रहीं और सभी ने शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं।

नशा छोड़ इलाके के होनहारों से लें सीख: कर्नल

अनंत ज्ञान, नादौन। नई पीढ़ी के बच्चों को नशे की आदतें त्याग कर इलाके के होनहार बच्चों से सीख लेनी चाहिए तथा अपनी-अपनी राह पर खूब मेहनत करके अच्छे पायदान पर पहुंचना चाहिए। यह बात लंबोट गांव के सेवानिवृत्त कर्नल मनोहर लाल शर्मा ने यहां जारी प्रेस बयान में कही। शर्मा का कहना है कि हाल ही में इलाके के बच्चों द्वारा कई क्षेत्रों व दिशाओं में उपलब्धियां हासिल की हैं, जो काबिले तारीफ हैं। कभी यह इलाका काफी पिछड़ा हुआ होता था, लेकिन आज यह अपनी एक नई जगह बनाने लगा है। हाल ही में जोलसप्पड़ की दीक्षा सेना में लेफ्टिनेंट बनी है, वहीं रंगस के पन्याला गांव की एक होनहार बच्ची ने भी सैन्य अधिकारी परीक्षा परिणाम में दूसरा स्थान हासिल किया है और जल्दी ही प्रशिक्षण के लिए रवाना होंगी। आने वाली पीढ़ी को नशे की आदतें छोड़ कर इन बच्चों से प्रेरणा लेनी चाहिए। शर्मा का कहना है कि इस मुकाम पर पहुंचने के लिए एक सही दिशा, कड़ी मेहनत, अच्छी सोच व संगत और तपस्या की जरुरत होती है। उन्होंने इसके लिए दोनों बेटियों और उनके परिवारों को बधाई दी है।

गलोड़ का विकास कांग्रेस की देनः अजय

अनंत ज्ञान गलोड़। नादौन विधानसभा क्षेत्र के विकास पर चर्चा प्रभारी एवं एपीएमसी के चेयरमैन अजय शर्मा ने कहा कि गलोड़ का विकास कांग्रेस की देन है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने क्षेत्र में अनेक कार्य करवाए हैं। उन्होंने पूर्व यूपीए सरकार के समय गलोड़ के लिए केंद्रीय विद्यालय भी स्वीकृत करवाया था, लेकिन भाजपा की केंद्र में सरकार बनने के बाद सांसद अनुराग ठाकुर उसे धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र के संधोल ले गए थे। उन्होंने बताया कि हडेटा में इको टूरिज्म के तहत नवजीवन पार्क, चार नए पटवार सर्किल, गलोड़ पुलिस चौकी, पीएचसी फाहल, गलोड़ में तहसील, कडदोह व कुठेड़ा में नए पुल, पीडब्ल्यूडी की विभिन्न सड़कों के लिए बजट, शमशान घाट के लिए राशि और महिला मंडलों को राशि देने इत्यादि अनेक कार्य मुख्यमंत्री जी ने गलोड़ में किये हैं। बैठक में पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कैप्टन पृथ्वी चंद, कैप्टन प्रेम चंद, रविंद लखनपाल, उपप्रधान संजय शर्मा, सुनील कुमार, पंजाब सिंह, कैप्टन कमलेश, कपिल, चरण दास, महेंद्र डोगरा, अविनाश चन्द्र, केवल सुशील शीलू, राजीव बिट्टू, विशाल, संतोष व वीके चौहान इत्यादि मौजूद रहे।

कंचन ने जेआरएफ परीक्षा में झटका 101वां रैंक

अनंत ज्ञान हमीरपुर। हमीरपुर जिले के गलोड़ के गोइस गांव की बेटी कंचन जरयाल ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर चमकाया है। उन्होंने प्रतिष्ठित सीएसआईआर यूजीसी नेट जेआरएफ परीक्षा में 101वां अखिल भारतीय रैंक प्राप्त किया है। कंचन की शिक्षा का सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने अपनी स्कूली पढ़ाई टीआर डीएवी स्कूल कांगू से पूरी की। इसके बाद उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में अपनी रुचि को आगे बढ़ाते हुए चंडीगढ़ के प्रतिष्ठित कालेजों से उच्च शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कालेज सेक्टर 42, चंडीगढ़ से बीएससी और जीजीडीएसडी कॉलेज सेक्टर 32, चंडीगढ़ से एमएससी की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी की। कंचन की इस सफलता में उनके परिवार का भी अहम योगदान रहा है। उनके पिता कृष्ण जरयाल दुबई में नौकरी करने के बाद अब हमीरपुर में अपना व्यवसाय करते हैं, जबकि उनकी माता रेणु एक गृहिणी हैं।

सुक्खू के भ्रामक दावों पर जताया कड़ा विरोध

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर, मीडिया प्रभारी विक्रमजीत सिंह बन्याल और जिला उपाध्यक्ष जगन कटोच ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के भ्रामक बयानों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि अनुराग ठाकुर पहले ही केंद्र सरकार के आपदा राहत बजट का विस्तृत श्वेत पत्र जारी कर चुके हैं, इसलिए मुख्यमंत्री के आरोप निराधार हैं। भाजपा नेताओं ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री का दावा कि राहत कोष में केवल 25% हिस्सा है और अधिक खर्च हो रहा है, बिना किसी प्रमाण के किया गया राजनीतिक बयान है। उन्होंने इसे राज्य नेतृत्व की विफलता बताया और कहा कि नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट प्रधानमंत्री के दौरे का इंतजार किए बिना पहले ही प्रस्तुत की जा सकती थी। भाजपा ने जीएसटी सुधारों पर मुख्यमंत्री के बयान को भी निराधार और राजनीतिक भटकाव बताया।

जाहू कृषि सेवा सहकारी सभा के चुनाव 29 को

अनंत ज्ञान, जाहू। दी जाहू कृषि सेवा सहकारी सभा सीमित, जाहू के चुनाव 29 सितंबर को होंगे। सचिव कुलदीप चंद ने बताया कि चुनाव कार्यक्रम की जानकारी और मतदाता सूची सभा कार्यालय में प्रदर्शित कर दी गई है। नामांकन पत्र भरने की अंतिम तिथि 11 सितंबर दोपहर 3 बजे तक निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की जांच तथा स्थायी उम्मीदवारों की सूची 15 सितंबर को जारी होगी। आपत्तियां दर्ज करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर रखी गई है और इनकी सुनवाई उसी दिन शाम 4 बजे तक होगी। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 17 सितंबर है और इसी दिन पात्र उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी होगी तथा चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। चुनाव प्रचार 26 सितंबर दोपहर 2 बजे तक चलेगा।

मंदिर में बारिश से आई दरारें, सुरक्षा को खतरा

स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से सुरक्षा की लगाई गुहार

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़सर। प्राचीन राधा कृष्ण मंदिर ठाकुर द्वारा के पास स्थित बाबा बालक नाथ मंदिर, जो लगभग 28 वर्ष पुराना है, इसमें भारी बारिश के चलते बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। मंदिर की सुरक्षा में लगे डंगे भी झज्जर हालत में हैं और गिरने के कगार पर हैं, जिससे श्रद्धालुओं के जान-माल को खतरा उत्पन्न हो गया है।

स्थानीय निवासी कमला देवी ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि मंदिर और रास्ते की सुरक्षा के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज करवाई है। फिलहाल मंदिर और रास्ते की सुरक्षा के लिए तरपाल बिछा कर अस्थायी इंतजाम किए गए हैं। मंदिर के पास से गुजरने वाला रास्ता यदि भारी बारिश होती है तो बाधित हो सकता है। प्रतिदिन राधा कृष्ण व बाबा बालक नाथ मंदिर में श्रद्धालु पूजा-पाठ के लिए आते हैं, इसलिए समय रहते सुरक्षा इंतजाम करना आवश्यक है।

राधा कृष्ण व बाबा बालकनाथ मंदिर के रास्ते को भी खतरा समय रहते सुरक्षा जरूरी

मकान गिरा, बाल बाल बचा परिवार

अनंत ज्ञान, गलोड़। गलोड़ तहसील के लहड़ा गांव में सोनिया देवी पत्नी प्यारचंद का कच्चा मकान अचानक एक तरफ से धराशाई हो गया, जबकि मकान का अन्य हिस्सा भी जर्जर स्थिति में है और कभी भी गिर सकता है। हादसे के समय सोनिया देवी मकान के एक अन्य कमरे में थी। अचानक जोर की आवाज सुनकर बाहर निकलने पर उन्होंने देखा कि मकान की दीवारें गिर चुकी हैं।

इस घटना में सोनिया देवी और उनके दो बच्चे बाल-बाल बच गए। सोनिया देवी के पति की कुछ साल पहले ही मृत्यु हो चुकी है और परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। स्थानीय जानकारी के अनुसार मकान का अनुमानित नुकसान 5 लाख रुपये से अधिक है। भारी वर्षा के कारण कच्चे मकानों में कमजोर हिस्सों से पानी का रिसाव हुआ और मकान धराशाई होने की स्थिति बनी।

गलोड़ तहसील के तहसीलदार केशव कुमार ने बताया कि स्थानीय पटवार सर्कल के पटवारी को मौके पर भेजकर नुकसान का आकलन करने के निर्देश दे दिए गए हैं। पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा राशि मुहैया कराई जाएगी।

भरमौर के आपदा प्रभावितों के लिए भेजी खाद्य सामग्री

भरमौर के आपदा प्रभावितों के लिए खाद्य सामग्री की गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री।

शशि सोनल, अनंत ज्ञान

नादौन। भारतीय जनता पार्टी मंडल नादौन और मंडल गलोड़ द्वारा भरमौर में आई आपदा के कारण बहुत सारे लोगों के घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं सड़क टूट गई है। उन असहाय लोगों को खाने पीने की सामग्री और जरूरत की चीज़ें जिसमें आटा, चावल, दाल, गद्दे, तेल व बर्तन आदि की गाड़ी को नादौन के पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री ने हरी झंडी देकर रवाना किया। यह जानकारी यह जानकारी मंडल मीडिया प्रभारी राजेश रिंकू ने दी। विजय अग्निहोत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रदेश में आई आपदा हो या किसी अन्य प्रकार का कोई भी संकट हो हमेशा तन मन धन से सहयोग करता हैं। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र पठानिया, मंडल अध्यक्ष राकेश शर्मा ,प्रदेश भाजपा सचिव वंदना योगी, मंडल महामंत्री सुरेंद्र शर्मा, सुरेश चौधरी, डॉ अशोक शर्मा, हुकम सिंह बैस, पूर्व मंडल महामंत्री पवन शर्मा, जिला सचिव मंजीत ठाकुर, राजेंद्र ठाकुर, मंडल उपाध्यक्ष प्यार चंद, डॉ नरेश, केशव गोस्वामी, रिंपल और भाजपा मंडल नादौन और गलोड़ के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजकीय सीएंडवी अध्यापक संघ ने की अधिसूचना वापस लेने की मांग

- **सीएम से अपील, कर्मियों और शिक्षकों के हित में पुनर्विचार की अपेक्षा**
- **संघ नेताओं ने जताया विश्वास, सरकार मांगों पर सकारात्मक कदम उठाएगी**

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। राजकीय सीएंडवी अध्यापक संघ की हमीरपुर जिला इकाई ने प्रदेश सरकार द्वारा 6 सितंबर को जारी की गई अधिसूचना के विरोध में जोरदार प्रतिक्रिया दी है। अधिसूचना के अनुसार जनवरी 2022 से पूर्व नियुक्त कर्मचारियों और अध्यापकों को नियमित होने के पश्चात मिलने वाले वेतनमान और अन्य लाभ नहीं दिए जाएंगे। संघ ने इसे कर्मचारियों और अध्यापकों के हित के खिलाफ बताते हुए तुरंत वापस लेने की मांग की है।

संघ के जिला प्रधान सुरेंद्र कुमार, राज्य महासचिव होशियार सिंह, महिला मोर्चा राज्य महासचिव सुमन लता, आचार्य अजय कौशल महासचिव, अश्विनी भारद्वाज वित्त सचिव सहित अन्य पदाधिकारीयों ने संयुक्त बयान जारी कर मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे अधिसूचना पर पुनर्विचार कर प्रदेश के हजारों कर्मचारियों और अध्यापकों को राहत प्रदान करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकाल में पुरानी पेंशन बहाल कर कर्मचारी हितैषी इतिहास रचा था और इस निर्णय से वह अपनी गौरवमयी पहचान को बरकरार रखेंगे।

संघ नेताओं ने विश्वास जताया कि सरकार इस बार भी कर्मचारियों और अध्यापकों की मांगों को स्वीकार करते हुए अधिसूचना को निरस्त करेगी और उनके प्रति अपनी निष्ठा एवं समर्थन प्रदर्शित करेगी। संघ ने कहा कि वर्तमान सरकार सदैव कर्मचारी हितैषी रही है और कर्मचारियों के हक के लिए सकारात्मक कदम उठाएगी।

भरेटा में आशा वर्करों को मिला सम्मान व मेडिकल उपकरण

सर्व कल्याणकारी ट्रस्ट का भव्य समारोह, संस्थापक राजेंद्र राणा ने की बतौर मुख्यातिथि शिरकत

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

सर्व कल्याणकारी ट्रस्ट की ओर से रविवार को सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र की सराहकड़ पंचायत के भरेटा गांव में आशा वर्करों को सम्मानित करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा और सुजानपुर के पूर्व विधायक व सर्व कल्याणकारी ट्रस्ट के संस्थापक राजेंद्र राणा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उनके पहुंचते ही युवाओं ने भारत माता की जय के नारों से स्वागत किया। महिलाओं, पूर्व सैनिकों और आशा वर्करों की इतनी बड़ी संख्या जुटी कि आयोजन स्थल छोटा पड़ गया।

समारोह में सुजानपुर खंड, टौणी देवी खंड और हमीरपुर खंड की डेढ़ सौ से ज्यादा आशा वर्करों को सम्मानित किया गया। उन्हें रक्तचाप नापने की मशीन, शुगर जांच किट, थर्मामीटर सहित आवश्यक मेडिकल उपकरण भी प्रदान किए गए। मंच पर जब एक-एक करके आशा वर्कर सम्मान लेने पहुंचीं तो तालियों की गड़गड़ाहट से पंडाल गूंज उठा।

सर्व कल्याणकारी ट्रस्ट के भव्य समारोह में आशा वर्कर, संस्थापक राजेद्र राणा।

कार्यक्रम की शुरुआत में हाल ही में इलाके के दो सेवारत सैनिकों के आकस्मिक निधन और प्रदेश में प्राकृतिक आपदा से जान गंवाने वालों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। इस दौरान उपस्थित सभी लोग भावुक हो उठे।

कार्यक्रम में भावुक अंदाज में बोलते हुए सुजानपुर के पूर्व विधायक और ट्रस्ट के संस्थापक राजेंद्र राणा ने कहा कि ट्रस्ट ने कभी जाति, धर्म या विचारधारा पूछकर मदद नहीं की। मानवता की सेवा ही ट्रस्ट का धर्म और कर्म है। उन्होंने कहा कि जब ट्रस्ट का गठन हुआ, तभी यह प्रण लिया गया था कि सामाजिक सरोकारों से कभी पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा हिमाचल प्रदेश में इन बरसातों में आई आपदा में भी ट्रस्ट प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचा है और मदद का हाथ आगे बढ़ाया है। राशन और आर्थिक रूप से भी प्रभावित लोगों की मदद की गई है। उन्होंने कहा कि आज के इस कार्यक्रम में पहली बार आशा वर्करों को सम्मानित करने के साथ-साथ उन्हें लाखों रुपए के मेडिकल उपकरण प्रदान किए गए हैं।

ट्रस्ट ने बनाई अलग पहचान: आशीष शर्मा

हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा ने कहा कि सर्व कल्याणकारी ट्रस्ट ने पूरे उत्तरी भारत में पीड़ित मानवता की सेवा में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। ट्रस्ट निचले हिमाचल और लाहौल-स्पीति जैसे दूरदराज़ क्षेत्रों में भी निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप आयोजित कर लोगों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध कराता है। आशीष ने कहा कि ट्रस्ट कभी भी जरूरतमंदों की मदद से पीछे नहीं हटता और लगातार समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय है।

ट्रस्ट का कारवां बढ़ता रहेगा: अभिषेक राणा

सर्व कल्याणकारी ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक राणा ने कहा कि संस्था महिला मंडलों, पूर्व सैनिकों और सेवारत सैनिकों के परिजनों को सम्मानित करने की परंपरा को आगे भी जारी रखेगी। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट अब तक सैकड़ों मेडिकल कैंप आयोजित कर चुका है व भविष्य में और भी बड़े स्तर पर सामाजिक कार्यक्रम होंगे।

एशिया कोर्फबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम चयन प्रक्रिया शुरू

हिमाचल के 8 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

हिमाचल के 8 खिलाड़ी टीम चयन समिति के चेयरमैन विनोद ठाकुर के साथ नई दिल्ली में।

अनंत ज्ञान, भोरंज।

दिसंबर 2025 में मलेशिया में आयोजित होने वाली एशिया कोर्फबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह पाने हेतु ट्रायल संपन्न हुए।

भारत नेशनल पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली के खेल परिसर में आयोजित ट्रायल में 12 राज्यों के 45 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। हिमाचल प्रदेश की ओर से आठ राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों—सौरभ शर्मा, बलविंदर कौर, यामिनी ढिल्लों, बिन्नी, मिली, सूरज, सारंग और दिनेश कुमार—ने अपने खेल का शानदार प्रदर्शन किया।

भारतीय कोर्फबॉल टीम चयन समिति के चेयरमैन विनोद ठाकुर ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को दो कोचिंग कैंपों में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होगा। पहला कोचिंग कैंप अक्तूबर के अंत में और दूसरा नवंबर में आयोजित किया जाएगा। इन दोनों कैंपों में प्रदर्शन के आधार पर 14 खिलाड़ियों—7 महिला और 7 पुरुष—को भारतीय टीम में शामिल किया जाएगा।

ट्रायल पास करने वाले खिलाड़ियों को मोबाइल फोन के माध्यम से सूचित किया जाएगा। इस दौरान टीम चयन समिति के सदस्य मनजीत सिंह, रविराज, निधि शेखावत और निताशा भी उपस्थित रहे।

पेंशनर्स संघ के नए प्रदेश अध्यक्ष ने जताया आभार

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हिम आंचल पेंशनर्स संघ के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष केसी गौतम ने कहा कि प्रदेश स्तरीय चुनाव में निर्विरोध निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होने और नई गवर्निंग बॉडी के चयन में सहयोग देने वाले सभी पदाधिकारियों, पेंशनरों और चुनाव पर्यवेक्षकों का वे आभार व्यक्त करते हैं।

उन्होंने कहा कि सदस्यों ने जिस विश्वास के साथ यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, संगठन की गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने और पेंशनरों की समस्याओं के निवारण के लिए वे पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। गौतम ने पेंशनरों से अपील की कि यदि किसी विभाग में पेंशन संबंधी मामलों की अनदेखी होती है या उचित व्यवहार नहीं मिलता, तो वे संबंधित दस्तावेजों सहित लिखित रूप में संघ पदाधिकारियों को अवगत करवाएं। उन्होंने आश्वस्त किया कि संघ पदाधिकारी तुरंत मामला संबंधित कार्यालय के समक्ष उठाएंगे और समाधान का प्रयास करेंगे।

एनआईटी हमीरपुर में मनाया पर्यावरण-अनुकूल गणेश उत्सव

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर में श्री गणेश उत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक गतिविधियों के तहत गणेश मूर्ति निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों व पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत उत्साहपूर्ण पंजीकरण के साथ हुई, जहां छात्रों ने समूह बनाकर प्रतियोगिता में भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने गेहूं का आटा, तेल और पानी जैसी प्राकृतिक एवं टिकाऊ सामग्रियों का उपयोग करके पर्यावरण-अनुकूल गणेश मूर्तियां तैयार कीं। उत्सव को रोचक बनाने के लिए भगवान गणेश व उनसे जुड़ी परंपराओं पर प्रश्नोत्तरी भी आयोजित हुई। सही उत्तर देने वालों को चॉकलेट देकर पुरस्कृत किया गया। इस चरण में न केवल कलात्मक कल्पना और टीमवर्क का प्रदर्शन हुआ, बल्कि ज्ञान-साझा और भक्ति भाव भी झलकता रहा।कार्यक्रम का दूसरा चरण मूर्तियों के मूल्यांकन और विजेताओं की घोषणा पर केंद्रित रहा। प्रथम पुरस्कार टीम 1 (रुतुजा, आयुषी), द्वितीय पुरस्कार टीम 12 (दीप्तनु, एंजेल, स्नेहांजलि) व तृतीय पुरस्कार टीम 5 (सिमरन, नवरीत) ने हासिल किया। विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

भाजपा ने की प्रदेश सरकार के कर्मचारी विरोधी फैसलों की निंदा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर और कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने जारी एक संयुक्त बयान में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली हिमाचल प्रदेश सरकार के कर्मचारी विरोधी फैसलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा हाल ही में सातवें वेतन आयोग की शर्तों को वापस लेने से 89 श्रेणियों के हजारों कर्मचारियों को 10,000 से 20,000 का मासिक वित्तीय नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि निवर्तमान भाजपा सरकार के कार्यकाल में इन शर्तों को लागू किया गया था, जिससे 2022 में कर्मचारियों वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी।

राकेश ठाकुर और धर्मेंद्र शर्मा ने लंबित 11% महंगाई भत्ते (डीए) के भुगतान में हो रही देरी की भी निंदा की और सरकार पर कर्मचारियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। इसके अलावा, उन्होंने प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा निदेशालयों के विलय के विवादास्पद फैसले की निंदा करते हुए कहा कि इस फैसले का व्यापक विरोध होने, और कर्मचारियों के आंदोलन के बावजूद भी सुक्खू सरकार द्वारा इसे जबरदस्ती कर्मचारियों पर थोपा गया।

उन्होंने कहा कि इस सबसे बड़ी विडम्बना तो यह है कि जहां आम कर्मचारी सरकार के बेतुके फैसलों से परेशान हैं, वहीं मुख्यमंत्री ने अपने मित्रों को सरकारी बोर्डों-निगमों का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष बनाया, और प्रदेश में प्राकृतिक आपदा होने के बावजूद अपने सभी मित्रों का मासिक मानदेय 30,000 से बढ़ाकर 80,000 कर दिया है, जो राज्य के कर्मचारियों के प्रति उनकी पूर्ण उपेक्षा और असंवेदनशीलता को दर्शाता है।

राकेश व धर्मेंद्र ने मांग की कि सरकार इन कर्मचारी विरोधी फैसलों को तुरंत वापस ले, बकाया महंगाई भत्ता जारी करे और वेतन आयोग की सिफारिशों को बहाल करें, अन्यथा सरकार को अपने कर्मचारी विरोधी फैसलों के लिए कठोर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

सुविधा वेटिंग हाल में बैठने की व्यवस्था, एलईडी और जलपान की मिल रही सुविधा

डीसी ऑफिस के कायाकल्प से आम लोग काफी प्रसन्न

- **रैन शेल्टर, ओपन एयर जिम, बैडमिंटन कोर्ट व अन्य सुविधाओं का भी प्रावधान**

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

सीएम सुक्खू के गृह जिला हमीरपुर के सबसे बड़े कार्यालय यानि डीसी ऑफिस की कायाकल्प से आम लोग काफी प्रसन्न हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार उपायुक्त अमरजीत सिंह ने एक विशेष पहल करते हुए अपने पूरे कार्यालय परिसर को सिटीजन फ्रेंडली यानि आम नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाने का सराहनीय प्रयास किया है, ताकि यहां आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सुखद अनुभूति हो सके और वह अपना कार्य आराम से करवा सके।

पूरे मिनी सचिवालय के परिसर की मरम्मत और सौंदर्यीकरण के साथ-साथ यहां आम लोगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। उपायुक्त कार्यालय के बाहर आम लोगों की सुविधा के लिए एक शानदार वेटिंग हॉल बनाया गया है। इसमें 50-60 लोगों के बैठने की बेहतरीन व्यवस्था के साथ ही एक बड़ी एलईडी स्क्रीन भी लगाई गई है तथा जलपान की व्यवस्था के लिए जिला रेडक्रॉस सोसाइटी की कैंटीन स्थापित की गई है। हॉल की दीवारों पर प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति एवं पर्यटक स्थलों को दर्शाती बड़ी-बड़ी पेंटिंग्स लगाई गई हैं, जिन्हें केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के फाइन आर्ट्स विभाग के छात्रों ने बनाया है।

हमीरपुर डीसी ऑफिस के वेटिंग हाल में बैठकर सुविधाओं का लाभ उठाते वरिष्ठ नागरिक।

इसी परिसर में स्थापित सीएम सैल को भी मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार बहुत ही शानदार एवं सुविधाजनक बनाया गया है। यहां कॉरपोरेट टाइप के काउंटर और आम लोगों के बैठने के लिए सोफे लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय से संबंधित अपने कार्यों के लिए यहां आने वाला हर व्यक्ति यहां की व्यवस्था की तारीफ किए बगैर नहीं रहता। इसी प्रकार लाइसेंस ब्रांच, एनआईसी कार्यालय, आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम और अन्य शाखाओं की भी कायाकल्प की गई है।

अगर मिनी सचिवालय के बाहरी परिसर की चर्चा करें तो इसके मुख्य द्वार के ठीक सामने संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की गई है। इसकी एक तरफ पार्किंग और दूसरी तरफ एक खूबसूरत रेन शैल्टर बनाया गया है, जहां आम लोग आराम कर सकते हैं। इसी के साथ बचत भवन परिसर में चिल्ड्रन पार्क, बैडमिंटन कोर्ट और कामकाजी महिलाओं के बच्चों के लिए क्रैच स्थापित किया गया है।

उपायुक्त कार्यालय के पीछे कई वर्षों से उपेक्षित एवं गंदगी से युक्त खाली जगह पर अब एक शानदार ओपन एयर जिम बनाया गया है। इसी के साथ लगते हमीर भवन के कांफ्रेंस हॉल का भी सौंदर्यीकरण किया गया है। उपायुक्त कार्यालय में आए गलोड़ के युवक सौरभ शर्मा, कश्मीर गांव के साहिल वर्मा और अन्य आगंतुकों का कहना है कि इस पूरे परिसर की जिस प्रकार कायाकल्प की गई है और इसे आम लोगों के लिए सुविधाजनक बनाया गया है, उसके लिए प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन बधाई के पात्र हैं।

न्यूज ब्रीफ

हिमाचल में स्कूल-कॉलेज बंद होने की फर्जी अधिसूचना वायरल

अनंत ज्ञान, शिमला। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण शिक्षण संस्थानों को बंद करने के संबंध में एक फर्जी अधिसूचना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस दस्तावेज़ में दावा किया गया है कि राज्य के सभी स्कूल और कॉलेज 15 सितंबर तक बंद रहेंगे। हालांकि, शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसी कोई भी अधिसूचना सरकार द्वारा जारी नहीं की गई है, इसलिए यह खबर पूरी तरह से फर्जी है और लोगों को भ्रमित कर रही है। ऐसे में किसी भी जानकारी के लिए केवल जारी आधिकारिक सरकारी अधिसूचनाओं पर ही भरोसा करें।

हायर ग्रेड-पे संशोधन पर प्रवक्ता संघ ने जताया कड़ा विरोध

दशमी रावत, अनंत ज्ञान, रोहड़ू। हिमाचल प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ ने प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में हायर ग्रेड पे संबंधी नियमों में किए गए संशोधन पर गहरा रोष व्यक्त किया है। संघ के मुख्य प्रेस सचिव जयराम शर्मा ने जारी प्रेस बयान में बताया कि संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजय नेगी ने इसे कर्मचारियों के हितों पर सीधा आघात करार दिया है। नेगी ने कहा कि 3 जनवरी 2022 के संशोधित वेतनमान नियमों के अंतर्गत कर्मचारियों को दो वर्ष की सेवा उपरांत उच्च वेतनमान का लाभ दिया जाना सुनिश्चित किया गया था, लेकिन सरकार ने हालिया संशोधन कर इस प्रावधान को समाप्त कर दिया है। वित्तीय बोझ का हवाला देकर लिया गया यह निर्णय न केवल कर्मचारियों के अधिकारों का हनन है, बल्कि उनके मनोबल को भी आघात पहुंचाने वाला है। संघ ने स्पष्ट किया कि सरकार यदि अन्य मदों पर व्यय कर सकती है तो कर्मचारियों को ही कटौती का शिकार बनाना न्यायोचित नहीं है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी किसी भी सरकार की रीढ़ होते हैं और यदि इसी रीढ़ को कमजोर किया गया तो इसके परिणाम दूरगामी व गंभीर होंगे। संघ ने मांग की है कि सरकार तुरंत इस अधिसूचना को वापस लेकर 3 जनवरी 2022 के पूर्ववत नियमों को बहाल करें, ताकि कर्मचारियों को दो वर्ष उपरांत उच्च वेतनमान का लाभ पूर्व की भांति मिल सके।

भारी बारिश से शिमला जिला में 140 सड़कें बंद, जनजीवन प्रभावित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश में भारी बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, शाम 5 बजे तक शिमला जिले में कुल 140 मुख्य और 144 लिंक रोड बंद हो चुके हैं। इसके अलावा, 144 वितरण ट्रांसफार्मर और 124 पेयजल आपूर्ति योजनाओं को भी नुकसान पहुंचा है। शिमला शहर के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सड़कें पूरी तरह से बंद हैं। जिला मुख्यालय शिमला में सड़कें खुली हैं, लेकिन ठियोग में 66, कोटखाई में 24, चौपाल में 40, रोहड़ू में 94 और रामपुर में 99 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा कुमारसैन, डोडराक्वार, कुपवी और जुब्बल में भी सड़कें बंद होने की खबरें हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पांच राष्ट्रीय राजमार्ग भी आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं। इनमें शिमला-घणाहट्टी, शिमला-शोघी, शिमला-ठियोग, ठियोग-रामपुर, ठियोग-रोहड़ू और ठियोग, रामपुर राजमार्ग शामिल हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग 705 ठियोग-हाटकोटी भी छैला में अवरुद्ध है। भारी बारिश के बावजूद, प्रशासन युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है। सड़कों को खोलने और बिजली-पानी की आपूर्ति बहाल करने के लिए मशीनरी तैनात की गई है। सभी उपमंडलों में मशीनरी की तैनाती की पुष्टि रिपोर्ट में की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पीडब्ल्यूडी के 15 प्रमुख और 669 लिंक रोड बंद हैं।

सी-ग्रेड सेब ने गिराए बढ़िया सेब के दाम

बागवानों की टूटी उम्मीदें, एचपीएमसी पर भी सवाल

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश की आर्थिकी की रीढ़ माने जाने वाले सेब को लेकर इस समय बाजार में गहरी उथल-पुथल है। सी-ग्रेड के सेब को लेकर जो विवाद खड़ा हुआ है, उसने बागवानों की चिंता और भी बढ़ा दी है। एचपीएमसी ने बागवानों से सी-ग्रेड का सेब मात्र 12 रुपए प्रति किलो के हिसाब से खरीद रही है, जबकि वही सेब रिटेल बाजार में 25 रुपए प्रति किलो तक बेचा जा रहा है। सवाल यह उठ रहा है कि जब इतना बड़ा अंतर है तो आखिर इसका भार कौन उठाएगा। जाहिर है, सबसे ज्यादा चोट तो बागवानों पर ही पड़ रही है।

यह तथ्य भी सामने आया है कि यह सी-ग्रेड सेब थोक में मंडियों तक पहुंच रहा है। यूपी, बिहार, दिल्ली और अन्य राज्यों की मंडियों तक सी-ग्रेड का सेब बड़ी मात्रा में सप्लाई किया जा रहा है। नतीजा यह हो रहा है कि बाजार में जो क्वालिटी सेब है, वह सस्ती बिक्री की मार झेल रहा है। सेब मंडियों में सही दाम नहीं मिल रहे, बोली का स्तर

बोली का स्तर गिर रहा नीचे खुली सप्लाई बनी मुसीबत

नीचे खिसक रहा है और पूरा बाजार लगातार फ्लकचुएट कर रहा है।

भाजपा ने इस पर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी के राज्य प्रवक्ता चेतन बरागटा ने बाकायदा आंकड़े पेश करते हुए कहा है कि सरकार बागवानों की परेशानी समझने में असफल रही है। पहले से ही बागवान सड़कें टूटी होने, परिवहन महंगा होने और बाजार की गिरती मांग से परेशान था, अब सी-ग्रेड के सेब की खुली सप्लाई ने उसकी मुसीबतें और गहरा दी हैं।

बागवानों का कहना है कि उनके पास मेहनत से तैयार किया गया अच्छा सेब भी सही मूल्य तक नहीं पहुंच रहा। सेब की पेटियां बागों से मंडियों तक पहुंचने से पहले ही रास्तों में टूट-फूट और देरी का शिकार हो रही हैं। जब किसी तरह मंडी तक पहुंच भी जाता है तो वहां बोली की चमक फीकी पड़ चुकी होती है। मंडियों में सी-ग्रेड सेब का पहाड़-सा स्टॉक पहुंचने से मंडी का भरोसा और दम दोनों टूट चुके हैं।

आर्थिक स्थिति निम्न स्तर तक पहुंचने का अंदेशा

सेब सीजन को बागवान हर साल नई उम्मीदों के साथ देखता है, पर इस बार वह पूरी तरह हताश है। लगातार घटते दाम, टूटी सड़कें और भारी बारिश के बाद आई आपदा ने उसकी पीड़ा को और गहरा कर दिया है। ऊपर से सी-ग्रेड के सेब की थोक सप्लाई ने उसकी आर्थिक स्थिति को झकझोर दिया है।

सी-ग्रेड की अनियंत्रित सप्लाई से टूटा बाजार

आज का सेब बाजार इसी हकीकत का आइना बन गया है कि जहां बागवान का पसीना मिट्टी में बह रहा है, वहीं उसकी फसल का असली दाम कहीं और कमाई का जरिया बन गया है। सी-ग्रेड की यह अनियंत्रित सप्लाई न केवल बाजार को तोड़ रही है, बल्कि हिमाचल के बागवान के जीवन में एक और कड़वी चोट छोड़ रही है।

राजधानी शिमला में 190 अवैध सिलेंडर जब्त, फर्जी एजेंसियों पर गिरी गाज

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

शिमला में जिला प्रशासन की टीम दस्तावेजों की जांच करती हुई।

शिमला शहर में अवैध गैस सिलेंडर की सप्लाई पर जिला प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। जिला दंडाधिकारी अनुपम कश्यप को मिली एक गुप्त सूचना के बाद, एडीएम पंकज शर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने 190 गैस सिलेंडर और एक ट्रक को जब्त किया है। ये सिलेंडर शहर की चार ऐसी गैस एजेंसियों को पहुंचाए जाने थे, जो बिना किसी वैध अनुमति के चल रही थीं।

जिला दंडाधिकारी को जैसे ही अवैध सिलेंडर की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत एडीएम पंकज शर्मा, डीएसपी संदीप शर्मा और खाद्य आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर सुनील वर्मा की एक टीम बनाई। टीम ने भट्ठाकुफर में एक नाका लगाया और एक ट्रक यूपी 80 एफटी 3282 को रोका। तलाशी में ट्रक के अंदर 60 भरे हुए 19.2 किलो और 130 खाली सिलेंडर मिले। ट्रक चालक ने बताया कि यह खेप मोहाली की कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम लिमिटेड इंडिया कंपनी से लाई गई थी और इसे शिमला की हिमालयन गैस एजेंसी शोघी और कुफरी, इशिता गैस एजेंसी टूटू और कपरेट एजेंसी संजौली में पहुंचाया जाना था।

मोहाली की कंपनी भी जांच के घेरे में

जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि ड्राइवर ने जिन चार गैस एजेंसियों का नाम लिया, उनमें से किसी के पास भी जिला प्रशासन द्वारा जारी एक्सक्लूसिव सर्टिफिकेट नहीं था। मौके पर मिले बिलों पर भी यह नंबर नहीं था, जिससे साफ हो गया कि ये एजेंसियां अवैध रूप से काम कर रही थीं। अब मोहाली की कॉन्फिडेंस पेट्रोलियम लिमिटेड इंडिया कंपनी भी जांच के दायरे में है कि उसने बिना वैध दस्तावेजों के इन एजेंसियों को गैस की आपूर्ति कैसे की। खाद्य आपूर्ति विभाग ने इस मामले की गहन जांच शुरू कर दी है, ताकि इस पूरे अवैध नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।

हरियाणा सरकार ने चंबा के लिए भेजी 10 ट्रक राहत सामग्री

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

सीएम सैनी ने दिखाई हरी झंडी, बिंदल ने जताया आभार

राहत सामग्री को हरी झंडी देकर रवाना करते सीएम नायब सिंह सैनी।

हिमाचल प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा के बाद हरियाणा सरकार ने हिमाचल के लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हिमाचल के चंबा जिले के लिए 10 ट्रक राहत सामग्री को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल भी मौजूद थे, जिन्होंने इस सहायता के लिए हरियाणा सरकार और वहां के लोगों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री सैनी ने इस मौके पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी 'सेवा ही संगठन' के सिद्धांत में विश्वास रखती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के मार्गदर्शन में पार्टी आपदा प्रभावित राज्यों की मदद करने में सबसे आगे रहती है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल में भारी बारिश से बड़ा नुकसान हुआ है, जिससे कई गांव तबाह हो गए हैं और इस मुश्किल घड़ी में हरियाणा सरकार हिमाचल के साथ खड़ी है। डॉ. बिंदल ने बताया कि यह राहत सामग्री पंचकूला, अंबाला और आसपास के क्षेत्रों के दानी लोगों द्वारा एकत्र की गई थी, जिसमें 186 क्विंटल चावल, 153 क्विंटल आटा, 20 क्विंटल नमक, 65 क्विंटल चीनी, 20 क्विंटल दालें, 25 किलो हल्दी, 750 किलो मसाले, 2400 लीटर खाने का तेल, 50 किलो चाय पत्ती, 1000 तिरपाल, 1021 कंबल, 1500 गद्दे, 2600 साबुन, 1200 पैकेट बिस्कुट, 650 सैनिटरी पैड, बर्तन, टूथपेस्ट, पानी, मैगी, ओट्स और अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। यह सामग्री चंबा जिले के प्रभावित परिवारों को उनकी जरूरत के अनुसार वितरित की जाएगी, जो इस कठिन समय में एक महत्वपूर्ण सहायता है।

देवभूमि के पर्वतीय तीर्थ संकट में : विक्रमादित्य

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

अनियंत्रित निर्माण और पर्यटन दबाव पर मंत्री ने उठाए सवाल

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने अपने सोशल मीडिया पेज पर प्रदेश के पवित्र पर्वतीय स्थलों की पारिस्थितिक स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है।

उन्होंने कहा कि मणिमहेश, श्रीखंड महादेव, चूड़धार और बिजली महादेव जैसे धार्मिक स्थल अनियंत्रित निर्माण और बढ़ते पर्यटन दबाव से संकट का सामना कर रहे हैं। विक्रमादित्य सिंह के मुताबिक सदियों से ये स्थान देव समाज की आस्था और श्रद्धा का प्रतीक रहे हैं, लेकिन अत्यधिक निर्माण और अव्यवस्थित सुविधाओं ने इनकी प्राकृतिक पवित्रता को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मणिमहेश यात्रा के दौरान मात्र 14 दिनों में पांच टन से अधिक गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरा एकत्र हुआ, जबकि किन्नर कैलाश जैसे स्थलों पर हर साल कचरे की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि बिजली महादेव पहाड़ी पर दरारों और रोपवे निर्माण कार्य से क्षेत्र की स्थिरता पर संकट मंडरा रहा है। विक्रमादित्य ने कहा कि इन स्थलों पर कचरे का फैलना न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है बल्कि श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को भी आहत करता है।

गलत डीपीआर तैयार करने पर चार्जशीट होंगे अफसर

शिमला। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि गलत डीपीआर तैयार करने वाले लोक निर्माण विभाग के अफसरों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें चार्जशीट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिमाचल जैसे संवेदनशील पहाड़ी राज्य में निर्माण कार्य पूरी तरह पर्यावरण को ध्यान में रखकर ही होंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण अक्तूबर माह में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश इस समय आपदा से जूझ रहा है और हालात सामान्य होने के बाद ही प्रतिमा अनावरण जैसे कार्यक्रम किए जाएंगे। वीरभद्र सिंह ने हमेशा प्रदेश हितों के लिए काम किया है और उनकी प्रतिमा जनता की भावनाओं का प्रतीक बनेगी।

ठियोग में आपदा को लेकर गरमाई सियासत

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

अजय ने पीड़ितों से मुलाकात कर सरकार को घेरा

अजय श्याम आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा करते हुए।

प्रदेश में आई भयानक आपदा के बाद, ठियोग की राजनीति गरमा गई है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अजय श्याम ने रविवार को ठियोग विधानसभा के कुमारसैन तहसील के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने न केवल प्रभावित परिवारों से मुलाकात की, बल्कि प्रदेश सरकार पर आपदा राहत कार्यों में भेदभाव का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला।

श्याम ने कहा कि जब पूरा हिमाचल आपदाग्रस्त है, तो राहत और मुआवजे के मानक पूरे प्रदेश में एक समान क्यों नहीं हैं? उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या आपदा पीड़ितों को भी राजनीतिक आधार पर बांटा जाएगा?

सड़कों की खस्ताहालत से सेब बागवानों की कमर टूटी

अजय श्याम ने प्रशासन की विफलता पर भी कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने बताया कि आपदा के कई दिनों बाद भी प्रभावित क्षेत्रों में सड़क बहाली का काम बहुत धीमा है। सड़कों के बंद होने से ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन सबसे बड़ी मार सेब बागवानों पर पड़ी है। उन्होंने कहा कि सड़कों की खस्ताहालत के कारण सेब की फसल समय पर मंडियों तक नहीं पहुंच पा रही है। इससे बागवानों की आर्थिक स्थिति पर गहरा संकट मंडरा रहा है। उन्होंने सरकार से तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की।

सरकार से समान राहत और तेज सड़क बहाली की मांग

अजय श्याम ने प्रदेश सरकार से तत्काल कार्रवाई की अपील करते हुए दो प्रमुख मांगें रखीं। पहली, आपदा प्रभावितों को राहत और मुआवजे के समान मानक का लाभ दिया जाए, ताकि किसी के साथ अन्याय न हो। दूसरी, सड़क बहाली के काम में तेजी लाई जाए, जिससे आम जनता और खास तौर पर सेब बागवानों को और अधिक आर्थिक नुकसान न उठाना पड़े।

आपदा से सीख लेकर बाढ़ के बीच डटी रही लारजी परियोजना

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

साल 2023 की विनाशकारी बाढ़ से सबक लेते हुए, प्रदेश सरकार और राज्य विद्युत बोर्ड ने इस वर्ष की भारी बारिश का सामना करने के लिए अभूतपूर्व तैयारी दिखाई है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण है लारजी जलविद्युत परियोजना, जो अपनी 126 मेगावाट की क्षमता के साथ बाढ़ की प्रचंड लहरों के बीच भी सुरक्षित और संचालित रही। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के मार्गदर्शन और समय पर अपनाए गए सुरक्षात्मक उपायों ने इस परियोजना को किसी भी बड़े नुकसान से बचा लिया।

चुनौतियों से निपटने का बनाया रास्ता, सीएम ने दिखाया मार्गदर्शन

आपदा के बाद मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश थे कि ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए एक मजबूत और दूरगामी योजना बनाई जाए। इसी के तहत विद्युत बोर्ड ने एक व्यापक सुरक्षा योजना को अंजाम दिया, जिसमें बाढ़ के पानी को नियंत्रित करने के लिए फ्लड गेट्स की स्थापना सबसे महत्वपूर्ण कदम था। इन गेट्स ने ब्यास नदी की उफनती लहरों को परियोजना स्थल और उसके मुख्य प्रवेश द्वार से दूर रखा, जिससे पावर हाउस पूरी तरह सुरक्षित रहा। रिसाव की स्थिति में पानी को तुरंत बाहर निकालने की व्यवस्था ने यह सुनिश्चित किया कि विद्युत गृह को कोई क्षति न पहुंचे।

कार्मिकों की तैनाती और रणनीति का क्रियान्वयन

सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के लिए, बोर्ड प्रबंधन ने फरवरी 2025 में ही जनरेशन विंग के युक्तिकरण के तहत लारजी परियोजना में फील्ड और तकनीकी पदों का सृजन किया था। इससे परियोजना की सुरक्षा व्यवस्था को मानवीय बल मिला। 26 अगस्त, 2025 की बाढ़ के दौरान जब गाद जमा होने की चुनौती सामने आई, तो परियोजना की टीम ने अपनी रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू करते हुए इसे सुरक्षित रखने में सफलता पाई। यह उनके समर्पण और कुशलता का परिणाम था।

विगत नुकसान से वर्तमान की सफलता तक का सफर

वर्ष 2023 की आपदा में लारजी परियोजना को लगभग छह महीने तक बंद रखना पड़ा था, जिससे राज्य को 95 करोड़ रुपए का सीधा नुकसान हुआ और परियोजना को फिर से चालू करने में 185 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आया। अगर इस वर्ष भी वैसी ही स्थिति होती, तो राज्य सरकार के राजस्व पर गंभीर असर पड़ता, लेकिन इस बार की तैयारी और सतर्कता ने न केवल इस बड़े नुकसान को रोका, बल्कि यह भी साबित किया कि सही योजना और समय पर उठाए गए कदम भविष्य की आपदाओं से निपटने के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री ने इस सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए परियोजना प्रबंधन, अभियंताओं और कर्मचारियों की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि भविष्य में भी इस विशेष सुरक्षा योजना को निरंतर प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

बागवानों के प्रति संवेदनहीनता की हद पार : बरागटा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

भाजपा नेता चेतन बरागटा प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए।

जुब्बल-कोटखाई-नावर क्षेत्र में भारी बारिश और भूस्खलन से मची तबाही के बाद, भाजपा नेता चेतन सिंह बरागटा ने खड़ापत्थर में एक प्रेस वार्ता आयोजित कर कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार सात दिनों से जारी आपदा के बावजूद सरकार और उसके जनप्रतिनिधि पूरी तरह नदारद हैं, जिससे प्रभावित बागवान और आम जनता बेहाल हैं। बरागटा ने आरोप लगाया कि 30 अगस्त से लगातार हो रही बारिश से क्षेत्र में बाग-बगीचे, मकान और सड़कें बुरी तरह तबाह हो चुकी हैं, लेकिन सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि लोग अपने ही खर्च पर मशीनों से सड़कें खुलवाने को मजबूर हैं, जो सरकार की गैर-जिम्मेदारी को दर्शाता है।

सड़कें बंद, बागवान बेहाल

बरागटा ने कहा कि जुब्बल, कोटखाई और नावर की अधिकांश सड़कें आज भी बंद हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सेब सीजन के लिए सड़कें जीवनरेखा हैं और इन्हें खोलने में सरकार की पूर्ण विफलता ने बागवानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने बताया कि सात दिन बाद भी कई इलाकों में बिजली और पानी की आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई है, जिससे लोग टैंकरों और नालों से पानी ढोने को मजबूर हैं।

सरकारी लूट और भेदभाव का आरोप

बरागटा ने एचपीएमसी की नीतियों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि समय पर सेब कलेक्शन सेंटर न खुलने से बागवानों को औने-पौने दामों पर खुले बाजार में सेब देना पड़ा। उन्होंने बताया कि एचपीएमसी ने मात्र 12 प्रति किलो के भाव से सेब खरीदा, जबकि यही सेब शहरों में 25 तक बिक रहा है। उन्होंने पिछले साल के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि इस साल एचपीएमसी ने सिर्फ 30,000 मीट्रिक टन सेब खरीदा, जबकि भाजपा सरकार के दौरान 2022 में यह आंकड़ा 86,000 मीट्रिक टन था। उन्होंने नीलामी प्रक्रिया में भी अपारदर्शिता के गंभीर आरोप लगाए।

पहल एनडीडीबी करेगा सहयोग, किसानों को मिलेगा आर्थिक सहारा

हिमाचल में लगेगा 3 लाख लीटर दूध प्रसंस्करण संयंत्र

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के लिए एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल की है, जिसके तहत दूध पर न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू किया गया है। यह देश में अपनी तरह की पहली पहल है, जिसका उद्देश्य दूध उत्पादकों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाकर आर्थिक रूप से सशक्त करना है।

इस नीति के तहत, हिमाचल प्रदेश दुग्ध प्रसंघ (मिल्कफेड) प्रतिदिन 38,400 किसानों से औसतन 2.32 लाख लीटर दूध खरीद रहा है। इसमें गाय का दूध 51 प्रति लीटर और भैंस का दूध 61 प्रति लीटर की दर से खरीदा जा रहा है, जबकि ऊना जिले में पायलट आधार पर बकरी का दूध 70 प्रति लीटर पर खरीदा जा रहा है। सरकार की इस पहल से किसानों को हर महीने औसतन

मुख्यमंत्री सुक्खू आधुनिक तकनीक से तैयार दूध का निरीक्षण करते हुए।

मिल्कफेड की खरीद में भी आया रिकॉर्ड उछाल

39.48 करोड़ का वित्तीय लाभ हो रहा है, जो एक नया रिकॉर्ड है।

किसानों को प्रोत्साहन देने के लिए परिवहन सब्सिडी को1.50 से बढ़ाकर 3 प्रति लीटर कर दिया गया है। इसके अलावा, जो पशुपालक स्वयं दूध लेकर आते हैं, उन्हें भी 2 प्रति लीटर की सब्सिडी दी जा रही है। भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मिल्कफेड ने पूरे राज्य में स्वचालित मिल्क कलेक्शन यूनिट स्थापित किए हैं।

मिल्कफेड मौजूदा बुनियादी ढांचे को कर रहा मजबूत

दूध उत्पादन के बढ़ते स्तर को देखते हुए मिल्कफेड मौजूदा बुनियादी ढांचे को भी लगातार मजबूत कर रहा है। वर्तमान में 11 दूध विधायन संयंत्र कार्यरत हैं। पिछले दो वर्षों में छह संयंत्रों (मंडी, दत्तनगर, नाहन, मोहल, परेल और ढगवार) सहित कई इकाइयों के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए 19.54 करोड़ खर्च किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के सहयोग से कांगड़ा जिले के ढगवार में 200.43 करोड़ की लागत से एक अत्याधुनिक और पूरी तरह स्वचालित दूध प्रसंस्करण संयंत्र का कार्य प्रगति पर है, जिसकी क्षमता 3 लाख लीटर प्रतिदिन होगी।

कर्मचारी विरोधी है कांग्रेस सरकार : अजय राणा

लाखों के नुकसान से आएंगे गलत परिणाम, बड़ी बड़ी बातों से परेशानी बढ़ी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल में कांग्रेस सरकार के कर्मचारियों को उच्च वेतनमान देने का पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के फैसले को वापस लेने के निर्णय ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय राणा ने इस कदम को कर्मचारी विरोधी बताते हुए कड़ी आलोचना की है। राणा ने कहा कि सरकार के इस कदम से कर्मचारी निराश हुए हैं और यह उनके मनोबल को गिराने वाला है। उन्होंने सवाल उठाया कि कौन कर्मचारी है जो अपना पेट काट कर काम करना चाहेगा? उनका कहना था कि कांग्रेस ने बिना सोचे-समझे सत्ता में आने के लिए बड़े-बड़े वादे किए, जो अब प्रदेश को मुश्किल में डाल रहे हैं।

6 सितंबर, 2022 को जारी अधिसूचना को पलटते हुए, वित्त विभाग ने एक नया आदेश जारी किया है जिसके तहत 3 जनवरी, 2022 से पहले नियुक्त हुए 89 श्रेणियों के कर्मचारियों का उच्च वेतनमान समाप्त कर दिया गया है। इन कर्मचारियों को अब फिर से वेतन निर्धारित करने का निर्देश दिया गया है, जिससे उन्हें हर महीने 10,000 से 15,000 रुपये का वित्तीय नुकसान होगा। अजय राणा ने चेतावनी दी है कि इस फैसले के दूरगामी और भयंकर परिणाम हो सकते हैं।

सीटू ने सरकार की अधिसूचना को कर्मचारी विरोधी बताया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

सीटू की राज्य कमेटी ने 6 सितंबर को सरकार द्वारा जारी की गई एक अधिसूचना को कर्मचारी विरोधी करार दिया है। सीटू का कहना है कि यह अधिसूचना हजारों कर्मचारियों के मौलिक अधिकारों पर सीधा हमला है और यह संविधान के अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार और अनुच्छेद 21 जीने का अधिकार का उल्लंघन करती है। सीटू ने सरकार से इस अधिसूचना को तुरंत निरस्त करने की मांग की है।

तत्काल रद्द करने की उठाई मांग

सीटू के प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा और महासचिव प्रेम गौतम ने कहा कि इस फैसले से प्रदेश की 89 श्रेणियों के हजारों कर्मचारियों को 10 से 15 हजार रुपए का आर्थिक नुकसान होगा। उन्होंने मांग की है कि कर्मचारियों को 6 सितंबर 2022 की जनरल पे-रिवीजन के नियम 7ए के तहत पहले की तरह आर्थिक लाभ दिए जाएं। यह नियम उन कर्मचारियों पर भी लागू किया जाए, जो 3 जनवरी 2022 के बाद नियमित हुए हैं, जैसा कि हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में आदेश दिया था।

सीटू ने इस अधिसूचना को न्यायालय के आदेशों की अवहेलना बताया है। सीटू नेताओं का कहना है कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत और विभिन्न न्यायालयों के निर्णयों के अनुसार किसी भी कर्मचारी के मिल रहे आर्थिक लाभों में कटौती नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार की यह नीति प्रधानमंत्री मोदी की नवउदारवादी आर्थिक नीतियों का ही एक हिस्सा है, जिसमें बड़े अधिकारियों और अपने चहेतों पर तो खजाना लुटाया जा रहा है, लेकिन कर्मचारियों और आम जनता को आर्थिक संकट का बहाना दिखाया जा रहा है। सीटू ने आरोप लगाया कि सरकार ओपीएस (पुरानी पेंशन योजना) देने की आड़ में कर्मचारियों के बकाया एरियर, महंगाई भत्ते और अन्य आर्थिक लाभों पर कैंची चला रही है। उन्होंने सभी कर्मचारी यूनियनों से इस कर्मचारी विरोधी नीति के खिलाफ एकजुट होने की अपील की है।

हार्ट अटैक आने पर तुरंत दें सीपीआर

देश-दुनिया में हार्ट अटैक के मामले बहुत तेजी से बढ़े हैं। पहले ज्यादातर अधेड़ उम्र के लोग इस बीमारी से पीड़ित होते थे, लेकिन अब हार्ट अटैक के मामले इतने आम हो चुके हैं कि युवा भी इसके शिकार हो रहे हैं। इसका मुख्य कारण अधिक वजन, डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लडप्रेशर हो सकता है। हार्ट अटैक आने पर लोग बेहद परेशान हो जाते हैं, उन्हें समझ में नहीं आता है कि ऐसे समय में क्या करें। हार्ट अटैक के मरीज को अगर तुरंत अस्पताल नहीं पहुंचाया गया, तो उसकी जान भी जा सकती है। सोलन अस्पताल से सेवानिवृत्त मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. एनके गुप्ता का कहना है कि अगर किसी को हार्ट अटैक आए तो बिना देरी किए उस मरीज को आप तुरंत सीपीआर दें। सीपीआर का मतलब है कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन। सीपीआर की बदौलत काफी हद तक मरीज की जान बचाई जा सकती है। यह एक तरह की प्राथमिक चिकित्सा यानी की फर्स्ट एड है। सीपीआर से ब्लड और ऑक्सीजन की सप्लाई फिर से शुरू हो जाती है, इसलिए अगर किसी मरीज की सांस रुक जाए या दिल का दौरा पड़े, तो इस सीपीआर देकर आप उसकी जान बचा सकते हैं। डॉ. गुप्ता का कहना है कि सीपीआर एक ऐसी तकनीक है जिससे मरीज को होश में लाया जा सकता है। हार्ट अटैक आने पर लोगों को बचाव के केवल कुछ ही मिनट मिलते हैं। ऐसे में अगर पीड़ित को तुरंत अस्पताल नहीं पहुंचाया गया तो उसकी जान भी जा सकती है। ऐसे में हार्ट अटैक आने पर आपको तुरंत सीपीआर देना चाहिए।

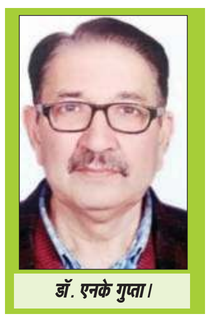
डॉ. एनके गुप्ता।

सीपीआर देने के बाद करें यह काम

सीपीआर देने से मरीज की सांस तो फिर से चलना शुरू हो जाएगी, लेकिन उसके बाद आप बिना देरी किए तुरंत मरीजों को डॉक्टर के पास लेकर जाएं और किसी नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवा दें।

प्रस्तुतिः मोहन चौहान, सोलन

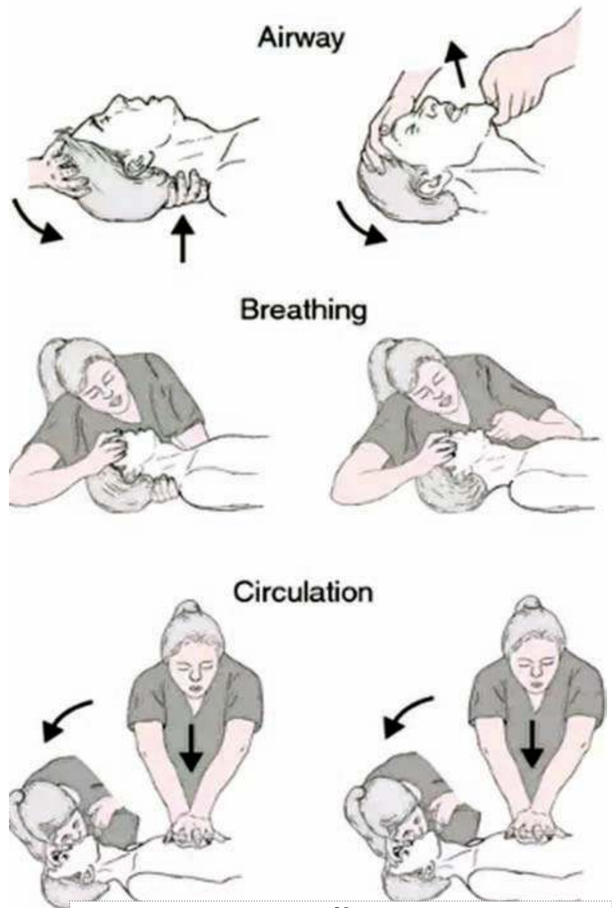

बच सकती है मरीज की जान

ऐसे देते हैं सीपीआर

जब भी किसी व्यक्ति को हार्ट अटैक आए तो उसे जमीन पर सीधा लिटा दें और फिर उसके बाद अपने दोनों हाथों की हथेली को एक साथ जोड़कर पीड़ित की छाती पर जोर से दबाएं। मरीज की छाती को दबाते समय इस बात का ध्यान रखें कि वह सेमी तक अंदर धंस जाए। छाती को जोर से दबाने पर खून में फिर से ब्लड और ऑक्सीजन की सप्लाई चालू होने की संभावना कई गुना बढ़ा जाती है।

रखें ख्याल

- नींद, डाइट और फिजिकल एक्टिविटी सही रखें।
- हर दिन कम से कम 30 मिनट टहलें या एक्सरसाइज करें।
- ताजे फल और हरी सब्जियां खाएं।
- तेल व नमक का कम सेवन करें।
- धूम्रपान और शराब से दूरी।
- तनाव को कम करें।
- योग और ध्यान करें।

इन लक्षणों को न करें इग्नोर

- बीपी और कोलेस्ट्रॉल का बढ़ते जाना।
- लगातार थकान या कमजोरी रहना।
- चलने पर सीने में दर्द या दबाव।
- सांस फूलना या चढ़ाई में समस्या होना।
- दिल की धड़कन तेज या धीमी होना
- पैर में सूजन आन, काफी पसीना आना।

दिल की बीमारी का कारण

- दिल खराब होने की सबसे बड़ी वजह आर्टरी में प्लाक का जमना है। अक्सर अनहेल्दी लाइफस्टाइल की वजह से यह होता है। जब हम अपनी दिनचर्या में गलत आदतें अपनाने लगते हैं तो समस्या खड़ी हो जाती है। इसलिए खाने में संतुलित आहार और रेगुलर एक्सरसाइज करें। गौर रहे कि सबसे ज्यादा हार्ट अटैक की वजह से लोगों की जान जाती है। पहले यह बुढ़ापे की बड़ी बीमारी थी, इसलिए जवान लोग हल्के में लेते हैं। लेकिन पिछले कुछ साल से इसने बच्चों को भी शिकार बनाना शुरू कर दिया है। दिल के फंक्शन के बिगड़ने पर आसानी से पता नहीं चलता है, जिस वजह से दिल का दौरा अचानक आता है और संभलने का मौका नहीं देता।

आयुर्वेद में 'पांडु रोग' का रामबाण इलाज

आयुर्वेद में 'पांडु' शब्द का अर्थ पीलापन है और इसे 'पांडुरोग'या 'पांडु रोग' के रूप में भी जाना जाता है, जो आधुनिक चिकित्सा में एनीमिया (रक्त की कमी) के समान है। यह रोग शरीर में रक्त धातु की कमी के कारण होता है, जिससे त्वचा का रंग पीला, श्वेत, या हरित हो जाता है। इसके लक्षणों में शारीरिक पीलापन (पांडुत्व), भूख न लगना (अग्निमांद्य), थकान और हृदय में धड़कन शामिल हैं।

कारण

- **लौह की अपर्याप्तताः** आहार स्रोतों से आयरन का अपर्याप्त सेवन।
- **दोष असंतुलन :** पित्त दोष का प्रमुख होना और रक्त व वसा का कुप्रभाव।
- **अस्वास्थ्यकर भोजन :** क्षार, आंवला, लवण और असत्य भोजन का सेवन।

- डॉ विक्रांत ठाकुर (एमडी आयुर्वेद) मंडी।

लक्षण

त्वचा का पीलापन, श्वेतता, या हरियाली, थकान, कमजोरी और शक्ति का अभाव, भूख न लगना (अग्निमांद्य) और एनोरेक्सिया, हृदय की धड़कन (हृदय स्पंदन)।

आयुर्वेदिक औषधीय उपचार

पंचकर्मः शरीर से विषाक्त पदार्थों को दूर करने और संतुलन बहाल करने के लिए पंचकर्म जैसी प्रक्रियाओं का संकेत दिया जा सकता है।

स्वर्णभस्म : शरीर को मजबूत बनाने के लिए स्वर्ण भस्म का उपयोग किया जा सकता है।

आयुर्वेदिक उपचार और प्रबंधन

आहार परिवर्तन : लौह युक्त खाद्य पदार्थों जैसे खजूर, किशमिश, सेब और अनार का सेवन करें।

औषधियां : नवायस चूर्ण जैसी आयुर्वेदिक औषधियों का उपयोग किया जा सकता है।

वंशलोचन का आयुर्वेदिक उपयोग

आयुर्वेद में वंशलोचन (Banshlochan) एक प्रसिद्ध औषधीय पदार्थ है। यह बांस की गांठों से प्राप्त होने वाला स्फटिक जैसा सफेद, हल्का पीला और मीठे स्वाद वाला स्राव होता है। इसे संस्कृत में वंशलोचन, बांस मणि या बांस मीठा और अंग्रेजी में Tabasheer कहा जाता है। आयुर्वेदिक मतानुसार इसका स्वभाव शीतल, मधुर और बलवर्धक होता है, इसलिए इसे कई दवाओं और टॉनिक में मिलाया जाता है। वंशलोचन के औषधीय गुणों की बात करें तो इसका रस मधुर, गुण गुरु एवं स्निग्ध, वीर्य शीतल और विपाक मधुर होता है। यह पित्त और कफ को शांत करने वाला माना जाता है। इस कारण यह खासकर उन रोगों में लाभकारी है, जिनमें शरीर में अधिक गर्मी, जलन या कफ की वृद्धि हो जाती है। इसका सबसे अधिक उपयोग श्वसन तंत्र से संबंधित रोगों में किया जाता है। खांसी, जुकाम, दमा, गले की खराश और सांस लेने में कठिनाई जैसी समस्याओं में वंशलोचन विशेष लाभ देता है। यह फेफड़ों को मजबूत करता है और कफ को बाहर निकालने में सहायक होता है। बच्चों और बुजुर्गों में बार-बार होने वाली खांसी में यह अत्यंत उपयोगी है।

डॉ. रंजना कपूर, जोगिंद्रनगर।

पाचन तंत्र के लिए भी कारगर

वंशलोचन पाचन तंत्र के लिए भी लाभकारी है। यह भूख बढ़ाने वाला, अपच दूर करने वाला और अम्लपित्त को शांत करने वाला माना जाता है। इसके शीतल गुण पित्त को संतुलित कर पेट की जलन और गैस की समस्या से राहत दिलाते हैं। आयुर्वेद में वंशलोचन को उत्तम रसायन बताया गया है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और कमजोरी, थकान तथा दुर्बलता को दूर करता है। इसमें प्राकृतिक रूप से सिलिका पाया जाता है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है। बच्चों की वृद्धि, बुजुर्गों की हड्डी संबंधी समस्याओं और प्रसव के बाद महिलाओं की कमजोरी में इसका सेवन लाभकारी माना जाता है। स्त्री रोगों में भी वंशलोचन का विशेष स्थान है। प्रसव के बाद यह महिलाओं को बल और स्फूर्ति प्रदान करता है तथा स्तनों में दूध की कमी को पूरा करने में मदद करता है।

त्वचा के लिए लाभकारी

वंशलोचन सौंदर्य और त्वचा संबंधी उपयोगों में भी यह कारगर है। यह त्वचा को कोमल और स्वस्थ बनाए रखता है। सेवन की बात करें तो इसकी मात्रा सामान्यतः 125 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम तक ही दी जाती है। इसे शहद, घी या अन्य चूर्णों के साथ मिलाकर लिया जाता है। यह सितोपलादि चूर्ण, च्यवनप्राश और कई आयुर्वेदिक दवाओं में प्रमुख घटक के रूप में मिलता है। हालांकि, वंशलोचन पूरी तरह प्राकृतिक है, फिर भी इसका सेवन हमेशा चिकित्सक की सलाह अनुसार ही करना चाहिए। अधिक मात्रा में सेवन करने से पेट में भारीपन और पाचन संबंधी समस्या हो सकती है। वंशलोचन एक बहुगुणी आयुर्वेदिक औषधि है जो श्वसन, पाचन, हड्डियों की मजबूती, स्त्री स्वास्थ्य और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होती है।

दुर्लभ बीमारियों से निपटना बड़ी चुनौती

अभी तक ज्ञात 7000 से 10000 दुर्लभ बीमारियों में से कुछ बीमारियों ही इंसानों को प्रभावित करती हैं, इसीलिए इन्हें दुर्लभ बीमारियों के नाम से परिभाषित करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, जो बीमारी 1000 में से एक या एक से कम आबादी को प्रभावित करती है। दुर्लभ रोग की श्रेणी में आती है। हालांकि, एक आंकड़े के अनुसार, अकेले अमरीका में लगभग 25 से 30 मिलियन लोग इन दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित हैं, जिसकी औसत वार्षिक चिकित्सा लागत लगभग 400 बिलियन डॉलर होगी।

ज्यादातर दुर्लभ बीमारियों के पीछे आनुवंशिक कारण होता है, ये गंभीर व जानलेवा होती है एवं इनका निदान व उपचार भी मुश्किल होता है। इसके अलावा दुर्लभ रोगों से संबंधित अनुसंधान भी चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि दुर्लभ रोग सीमित मात्रा में लोगों को प्रभावित करते हैं। ऐसे में उनके कारणों, पैटर्न एवं उपचारों के बारे में जानकारी संकीर्ण हो जाती है। वर्तमान में केवल 10 प्रतिशत दुर्लभ बीमारियों का ही एफडीए की ओर से अनुमोदित उपचार उपलब्ध है। दुर्लभ बीमारियों के उपचार में सबसे बड़ी अड़चन उपचार संबंधी लागत है। दुर्लभ बीमारियों के टीके एवं दवाइयां खरीदने के लिए लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। दुर्लभ रोगों में प्रयुक्त ऑरफेन ड्रग्स के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने एवं आयात निर्भरता को कम करने के लिए कर छूट व सब्सिडी दी जानी चाहिए। इन दवाइयों की उपलब्धता भी जन औषधि केंद्रों पर सुलभ की जानी चाहिए। दुर्लभ रोगों के रोकथाम के लिए सरकारी एवं गैर-सरकारी दोनों ही अस्पतालों में नवजात शिशुओं की जांच को अनिवार्य किया जाना चाहिए, ताकि बीमारी का निदान प्रारंभिक चरण में ही हो सके। स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में ज्यादातर दुर्लभ रोगों को शामिल किया जाना चाहिए, ताकि इनके उपचार एवं नैदानिक जांचों की पहुंच आम जन तक बढ़ सके। दवा कंपनियों को दुर्लभ रोगियों के लिए सस्ता उपचार विकसित करने के लिए प्रोत्साहन नीति बनाने पर विचार किया जाना चाहिए।

डॉ. बीडी ठाकुर, आयुर्वेदाचार्य ठाकुर क्लीनिक बिलासपुर

सस्ती दवाइयां उपलब्ध करवाने को 24 देशों ने मिलाया हाथ

2022 में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दुर्लभ रोग प्रकोष्ठ द्वारा दुर्लभ रोगी के उपचार के लिए अनुदान राशि को 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपए कर दिया गया है। साथ ही अनुदान प्रदान करने के प्रतिबंधात्मक नियम को भी समाप्त कर दिया है। नए नियम के तहत अब बीमारी से पीड़ित कोई भी मरीज चाहे वो किसी भी श्रेणी का हो, सरकार से 50 लाख रुपए की बढ़ी हुई वित्तीय सहायता का हकदार होगा, जबकि पहले सिर्फ श्रेणी एक का मरीज ही इसे प्राप्त कर सकता था। भारत की पहल पर 24 देशों ने दुर्लभ रोगों के टीके व दवाइयों को सस्ती दर पर उपलब्ध कराने के लिए ग्लोबल नेटवर्क बनाने के लिए हाथ मिलाया है, ताकि गरीबों तक गुणवत्तापूर्ण दवाइयां पहुंच सकें।

प्रस्तुतिः अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर

जागरूकता का अभाव भी बड़ी बाधा

नेशनल इंस्टीट्यूटस ऑफ हेल्थ (एनआइएच) की एक स्टडी के अनुसार दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित रोगियों की स्वास्थ्य देखभाल लागत अन्य बीमारियों के मरीजों की तुलना में 3 से 5 गुना अधिक है। अशिक्षा एवं लोगों में जागरूकता का अभाव भी दुर्लभ रोगी के उपचार में बड़ी बाधा है। हमारे देश में समस्या और भी जटिल हैं। हमारी आबादी बहुत अधिक है, स्वास्थ्य सेवा संसाधन सीमित है, जबकि दुनियाभर के दुर्लभ रोगों से ग्रसित रोगियों में से एक तिहाई रोगी (लगभग 7 करोड़) भारत में हैं। ऐसे में दुर्लभ रोगों से निपटना हमारे लिए एक बड़ी चुनौती है। भारत में दुर्लभ रोगों के संकट से निपटने के लिए इस दिशा में जमीनी स्तर पर सकारात्मक प्रयासों की तत्काल आवश्यकता हैं। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में नीतिगत स्तर पर कुछ खास बदलाव किए गए हैं। कुछ दुर्लभ रोगों को आयुष्मान भारत योजना के तहत शामिल किया गया है। कुछ राज्यों ने दुर्लभ रोगी के लिए स्वास्थ्य बीमा कवरेज का विस्तार शुरू किया है। सरकार द्वारा विश्व में पहले से ही परीक्षण की जा चुकी कुछ ऑरफेन ड्रग्स (दुर्लभ रोगों में प्रयुक्त होने वाली दवाइयां) के नैदानिक परीक्षण की भारत में प्रवेश की मंजूरी दी गई है।

थांगी: हिमालय का बहुमूल्य मेवा औषधीय व सांस्कृतिक धरोहर

हिमालय की गोद में पाई जाने वाली प्रकृति की अनमोल धरोहरों में से एक है थांगी (Corylus jacquemontii)। यह अखरोट परिवार से संबंधित है, जिसे हिमालयन हेजल या हेजलनट के नाम से भी जाना जाता है। स्थानीय भाषा में इसे थांगी, भोटिया, बदाम, पमाखोर, खबसी, ठंगरू या 'ठंगरू बदाम' और शिरोल जैसे नामों से भी जाना जाता है। चंबा जिले का पांगी क्षेत्र थांगी के लिए मशहूर है। पांगी की ऊंची घाटियों (2200-3200 मीटर) पर बर्फीले और ठंडे क्षेत्रों में थांगी पाया जाता है। इसलिए यह नट्स पांगी की थांगी नाम से पूरे हिमाचल में प्रसिद्ध है। थांगी न केवल पौष्टिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसका आर्थिक और वाणिज्यिक मूल्य भी बहुत अधिक है। आयुर्वेद और लोक-चिकित्सा में भी इसका उपयोग ताकत और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है। स्वाद और पोषण की दृष्टि से यह बादाम और अखरोट के समकक्ष है। स्थानीय लोगों के लिए यह सिर्फ एक जंगली मेवा नहीं, बल्कि की आजीविका, पोषण और परंपराओं से गहराई से जुड़ा हुआ है, लेकिन मजे की बात यह है कि भारत आज भी हेजलनट तुर्की, इटली और अमेरिका से आयात करता है। यह स्थिति दर्शाती है कि हमने अब तक अपने जंगली खाद्य संसाधनों का उपयोग स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए अभी तक पूरी तरह नहीं किया है। चॉकलेट, बेकरी और हेल्थ-फूड उद्योग में लगातार बढ़ती इसकी मांग को देखते हुए थांगी आयात के स्थान पर घरेलू स्तर पर उगाई जा सकती है। चंबा के अतिरिक्त कुल्लू, शिमला, किन्नौर, लाहौल-स्पीति और कांगड़ा जिलों में इसकी प्राकृतिक उपस्थिति दर्ज की गई है।

थांगी की पहचान

थांगी का वृक्ष सर्दियों में पत्तियां गिरा देता है। इसकी छाल गहरी धूसर रंग की व पतली होती है, पत्तियां अंडाकार, नुकीली और दांतेदार होती हैं। इसका फल एक बीज वाला कठोर गहरे भूरे रंग का अखरोट जैसा होता है, जो छोटे और कठोर खोल में बंद होते हैं। जुलाई से सितंबर तक इसके बीज परिपक्व होकर खाने योग्य हो जाते हैं। इसके फल स्वाद में ये अखरोट जैसे होते हैं और पोषण से भरपूर होते हैं। थांगी के बीज अत्यंत स्वादिष्ट और पौष्टिक होते हैं। इन्हें प्रायः कच्चा, भुना हुआ, खीर, सत्तू, हलवा, सीरा और स्थानीय व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाता है। पारंपरिक रूप से लोग इन्हें भुने चावलों के साथ भी खाते हैं। इन बीजों से बने व्यंजन न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि स्वास्थ्यवर्धक भी होते हैं। थांगी बीज तेल की मालिश से रक्त परिसंचरण को बेहतर तथा स्नायु व मांसपेशियों के दर्द में आराम मिलता है।

पारंपरिक व्यंजन

सत्तूः देसी घी में भूने जौ के आटे और गुड़ से बना पौष्टिक सत्तू, जब ऊपर से सजता है। थांगी से तो इसका स्वाद और भी खास हो जाता है।

थांगी वाली खीरः दूध, चावल और चीनी से बनी खीर को थांगी और अन्य मेवों से सजाया जाता है।

हलवा : थांगी के बीजों की सजावट से इसे और अधिक पौष्टिक बनाया जाता है।

औषधीय महत्व

हिमाचल और उत्तराखंड के ऊपरी क्षेत्रों में पंगवाल, भोटिया और गद्दी जनजातियां थांगी को 'सर्दियों का सहारा' मानती हैं। आमतौर पर ठंडी जलवायु में शरीर को गर्म रखने के लिए लोग प्रतिदिन थोड़ी मात्रा में भुनी हुई थांगी खाते हैं। विवाह या पर्व-त्योहारों पर मिठाइयों में इसका विशेष प्रयोग होता है। बुजुर्ग महिलाएं इसे 'हृदय का पहरेदार' कहती हैं, क्योंकि नियमित सेवन से हृदय रोग, रक्तचाप और कमजोरी से बचाव होता है। पशुपालन में, थांगी की सूखी पत्तियां चारे के रूप में भी दी जाती हैंः जिससे दूध देने वाले पशुओं की ताकत बढ़ती है।

पोषक टॉनिक

थांगी नट्स में प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, कैल्शियम, आयरन, विटामिन ई और बी-कॉम्प्लेक्स की प्रचुरता होती है, जिससे शरीर को ऊर्जा और पोषण मिलता है। 15-20 ग्राम (लगभग एक मुट्ठी) नट्स प्रतिदिन भिगोकर या भूनकर सेवन करें।

डॉ. तारा देवी सेन, विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान, वल्लभ राजकीय महाविद्यालय, मंडी

हृदय स्वास्थ्य

इसमें उपस्थित असंतृप्त वसीय अम्ल कोलेस्ट्रॉल कम करते हैं और हृदय को स्वस्थ रखते हैं।

नट्स को कच्चा, भुना या सलाद में मिलाकर सेवन करें।

मधुमेह नियंत्रण

धीमी गति से पचने वाले कार्बोहाइड्रेट और फाइबर रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करते हैं। नाश्ते या स्नैक के रूप में प्रतिदिन 5-7 नट्स लें।

हड्डियों की मजबूती

कैल्शियम और मैग्नीशियम हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं।

बच्चों और बुजुर्गों को दूध में पीसकर दिया जा सकता है।

त्वचा और बालों के लिए

विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को चमकदार और बालों को मजबूत बनाते हैं।

नट्स का तेल त्वचा पर लगाया जा सकता है या आहार में शामिल किया जा सकता है।

प्रतिरक्षा शक्ति

- एंटीऑक्सीडेंट्स और खनिज प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं।
- मौसम बदलने पर रोज़ाना 10-12 नट्स खाना लाभकारी है।

स्मृति और मस्तिष्क स्वास्थ्य

ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन-बी समूह मस्तिष्क की कार्यक्षमता और स्मृति को बढ़ाते हैं।

छात्रों और बुजुर्गों को नियमित रूप से सेवन करने की सलाह दी जाती है।

शोध

आधुनिक अध्ययनों से पता चला है कि थांगी में उपस्थित फिनोलिक यौगिक कैंसर-रोधी गुण रखते हैं और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते हैं। नट्स का नियमित सेवन शरीर को दीर्घकालिक रोगों से बचाव देता है।

थांगी का खाद्य मूल्य

ऊर्जा	लगभग 628 किलो कैलोरी
प्रोटीन	14-15 ग्राम
वसा	60-61 ग्राम
मोनो-अनसैचुरेटेड	*फैट 45 ग्राम*
पॉली-अनसैचुरेटेड	*फैट 7-8 ग्राम*
कार्बोहाइड्रेट	16-17 ग्राम
शर्करा	4.3 ग्राम
रेशा	9-10 ग्राम
कैल्शियम	110-115 मि.ग्रा.
आयरन	4-5 मि.ग्रा.
पोटैशियम	680-690 मि.ग्रा.
मैग्नीशियम	160-170 मि.ग्रा.
विटामिन ईः	15 मिग्रा. (प्रतिदिन *आवश्यकता का लगभग 100%)*

न्यूज ब्रीफ

त्रिलोकपुर में तेंदुए के हमले से युवक घायल

शिबू ठाकुर, अनंत ज्ञान, कोटला। त्रिलोकपुर में शनिवार रात त्रिलोकपुर के डॉक्टर देवेंद्र भटोली में दुकान बंद कर जब अपने घर अपने बेटे जय के साथ वापस घर आ रहे थे, तो उस दौरान तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुआ बाइक पर झपटा। तेंदुए का पंजा जय की टांग में लगा, जिससे जख्मी हो गया। उसे तत्काल टांडा मेडिकल कॉलेज में ले गए, जहां उपचार के बाद घर लौटे। प्रधान त्रिलोकपुर दुर्गा दास एवं स्थानीय लोगों ने प्रशासन, वन विभाग एवं पुलिस से तेंदुए को पकड़ने की मांग की है।

टियालू मेला कमेटी ने चलाया सफाई अभियान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। मैक्लोडगंज में टियालू मेला के समापन के बाद मेला कमेटी की ओर से विशेष सफाई अभियान चलाया गया। मेला स्थल के साथ-साथ आसपास के जंगलों से भी प्लास्टिक एवं अन्य कचरा एकत्रित किया गया। मेला कमेटी के अध्यक्ष दिनेश कपूर ने कहा कि इस वर्ष भारी बरसात के बावजूद मेले और सांस्कृतिक संध्या को सफल बनाने में प्रशासन, नगर निगम, विद्युत विभाग, पुलिस विभाग तथा जल शक्ति विभाग का विशेष योगदान रहा। सफाई अभियान में मेला कमेटी के सदस्य, व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेंद्र पठानिया, निर्मल कुमार, सुरेंद्र कुमार, राजपाल, परशुराम, किशोरी लाल, विनोद कुमार, महेंद्र बरसैण, इंद्रजीत, आशीष कपूर सहित नगर निगम के सफाई कर्मचारी और वेस्ट वॉरियर समिति की ओर से बॉबी दीक्षित एवं साक्षी ने विशेष सहयोग दिया।

कर्मचारियों को आंदोलन की ओर धकेल रही सरकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। भाजपा संगठनात्मक जिला कांगड़ा के अध्यक्ष सचिन शर्मा ने प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में लिए गए कर्मचारी विरोधी निर्णय की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे हजारों कर्मचारियों के अधिकारों पर सीधा हमला बताया और कहा कि कांग्रेस सरकार ने पूर्व भाजपा सरकार द्वारा लिए गए जनहितैषी निर्णयों को पलट कर कांग्रेस ने यह साबित कर दिया है कि उसकी नीतियां पूरी तरह से कर्मचारी विरोधी हैं। वेतन से हर महीने 10-15 हजार रुपए की कटौती करना कर्मचारियों के घर-परिवार पर आर्थिक संकट खड़ा करने जैसा है। कांग्रेस सरकार कर्मचारियों को हड़ताल और आंदोलन की राह पर धकेल रही है। इससे प्रदेश की जनता और प्रशासन दोनों प्रभावित होंगे, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से कांग्रेस सरकार पर होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने तुगलकी फरमान वापस नहीं लिया तो भाजपा कर्मचारियों की इस लड़ाई में उनके साथ खड़ी होगी और जनता के बीच कांग्रेस सरकार के इस दोहरे चरित्र को उजागर करेगी।

सच्चा भक्त प्रभु से प्रभु को ही मांगता है : विकासानंद

आशीष दमीर, अनंत ज्ञान, कांगड़ा। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की ओर से बीपी शर्मा के निवास स्थान मटौर कांगड़ा में सत्संग एवं भजन संकीर्तन का आयोजन किया गया। स्वामी विकासानंद ने आध्यात्मिक प्रवचन देकर उपस्थित भक्तजनों को प्रभु भक्ति का सार समझाया। स्वामी ने कहा कि संसार में मांग दो प्रकार की होती है। एक सांसारिक व्यक्ति की और दूसरी भक्त की। सांसारिक व्यक्ति जब प्रभु के चरणों में अपनी प्रार्थना अर्पित करता है तो वह वस्त्र, धन, मान-सम्मान जैसी नश्वर वस्तुएं मांगता है, लेकिन भक्त का दृष्टिकोण भिन्न होता है। सच्चा भक्त प्रभु से केवल प्रभु को ही मांगता है। वह जानता है कि यदि प्रभु उसके जीवन में हैं, तो हर दुख-संकट का अंत स्वतः हो जाएगा। यही भावना भक्त को साधारण से असाधारण बना देती है और जीवन को परम आनंद से भर देती है।

संजय चौहान ने लोगों की सुनी जनसमस्याएं

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह। प्रदेश कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष संजय सिंह चौहान ने रविवार को बच्छवाई व उसके साथ लगती पंचायतों में बूथ स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने घर-घर जाकर लोगों की समस्याएं सुनी तथा उनका निपटारा किया। चौहान ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि मानसून के चलते भारी बारिश के कारण जो नुकसान हुआ है, उसका जायजा लेना तथा संबंधित विभागों से दुरुस्त करने और मरम्मत करने व लोगों को राहत पहुंचाना है। उन्होंने राहत सामग्री और अस्थायी रिहायश बनाने के लिए क्षेत्र चिन्हित किए। प्रशासन को तुरंत व्यवस्था के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि बरसात में सुलह में हुए नुकसान का ब्यौरा तैयार करवा लिया है और जल्द ही मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के समक्ष रखा जाएगा। क्षतिग्रस्त हुए मकानों और पशुशालाओं के लिए विशेष आर्थिक पैकेज की मांग करेंगे।

शिक्षक अजय पटियाल का घर पहुंचने पर स्वागत

अनंत ज्ञान, डरोह। शिक्षक दिवस पर कांगड़ा जिले के तीन शिक्षकों को राज्य शिक्षक सम्मान से नवाजा गया है। अजय सिंह पटियाल प्रवक्ता रसायनिक विज्ञान, अनिता चौधरी प्रवक्ता जीव विज्ञान एवं कैलाश प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा ने जिले की शान बढ़ाई है। वहीं, हिमाचल प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा के अध्यक्ष सिकंदर मिन्हास, वित्त सचिव तिलक राज राणा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय डोगरा,र ाज्य संरक्षक पारस धीमान एवं गुरमेल राणा आदि ने अजय सिंह के घर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया।

गणपति बप्पा की प्रतिमा का किया विसर्जन

अनंत ज्ञान, गगल। सहोड़ा के युवाओं व गांववासियों की ओर से रविवार को गणपति बप्पा मोरया के जयकारों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में सैकड़ों गणेश भक्तों ने हाजिरी लगाई और डीजे की धुनों में नाच गाकर गणेश जी की प्रतिमा को मांझी खड्ड में विसर्जन किया। इस अवसर पर पंचायत प्रधान किरण बाला, जिला परिषद सदस्य कुलभाष चौधरी विशेष रूप पर उपस्थित रहे।

जिले में 52 हजार 700 मीट्रिक टन फल उत्पादन की उम्मीद

बरसात से 42 लाख रुपए नुकसान का आकलन, बगीचों में खड़ा रहा पानी तो पहुंचेगा नुकसान

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान ब्यूरो

धर्मशाला। प्रदेश के सबसे बड़े कांगड़ा जिले में चालू वित्त वर्ष में 52 हजार 700 मीट्रिक टन फलोत्पादन की संभावना जताई जा रही है। बरसात के दौरान हुई बारिशों से बागवानी विभाग ने 42 लाख रुपए तक के नुकसान का आकलन किया है।

बागवानी विभाग की मानें तो बारिशें, विभिन्न फलों के बगीचों के लिए लाभदायक मानी जा रही हैं, लेकिन यदि बगीचों में पानी खड़ा रहे तो इससे पौधों को नुकसान हो सकता है। विभाग की मानें तो बरसात में इंदौरा क्षेत्र के बगीचे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

इंदौरा-फतेहपुर में बागवानी एरिया ज्यादा

कांगड़ा जिले का इंदौरा व फतेहपुर एरिया में बागवानी क्षेत्र ज्यादा है, जिसमें आम, संतरा, किन्नू, माल्टा का उत्पादन अधिक होता है, जबकि ऊपरी एरिया में सेब का उत्पादन अधिक रहता है। बरसात में हुई बारिशें नींबू प्रजाति के पौधों के लिए लाभकारी है। यदि इस प्रजाति के बगीचों में पानी एकत्रित होता है तो इससे नुकसान भी हो सकता है।

ज्यादा उगाया जाता है आम

जिले में मुख्य रूप से आम उगाया जाता है, विशेषकर नूरपुर क्षेत्र में। इसके अतिरिक्त, बागवान अब मिश्रित बागवानी अपना रहे हैं और जापानी फल, ड्रैगन फ्रूट, एवोकाडो, प्लम, अनार, खुबानी और नाशपाती जैसे फलों की खेती भी कर रहे हैं। कांगड़ा के निचले इलाकों में लीची, अमरूद, पपीता और स्ट्रॉबेरी जैसे कम चिलिंग वाले फलों की भी बागवानी होती है।

41800 हेक्टेयर में होता है फलोत्पादन

जिले में 41 हजार 800 हेक्टेयर में फलोत्पादन होता है। इसमें औसतन फल उत्पादन 52 हजार मीट्रिक टन के लगभग रहता है। विभाग ने संभावना जताई है कि चालू वित्त वर्ष में 52 हजार 700 मीट्रिक टन के करीब फलोत्पादन होगा।

कांगड़ा जिले में 41800 हेक्टेयर एरिया में फलोत्पादन होता है, जिसमें इस बार 52800 मीट्रिक टन फलोत्पादन की संभावना है। बारिश से अब तक जिले में 42 लाख रुपए के नुकसान का आकलन किया गया है। इसमें इंदौरा क्षेत्र के बगीचे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

-डॉ. अलक्ष पठानिया, उपनिदेशक, बागवानी विभाग जिला कांगड़ा।

पुलिस ने 19.17 ग्राम चिट्टे के साथ 2 युवक किए गिरफ्तार

पुराना बनेर खड्ड पुल पर चिट्टे के साथ गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

जिला पुलिस ने दो युवकों को 19.17 ग्राम चिट्टे सहित गिरफ्तार किया है। दोनों ही आरोपी लंबे समय से नशे के कारोबार में सक्रिय थे।

आरोपियों की पहचान 26 वर्षीय नितिन राणा निवासी गांव द्रमनाला, तहसील सिन्हुता, जिला चंबा तथा 26 वर्षीय साहिल कुमार गांव अनसोली, डाकघर मटौर तहसील व जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। रविवार को दोनों आरोपी पुराना बनेर खड्ड पुल (पुराना कांगड़ा) के पास अपनी कार (एचपी-39बी-5233) में चिट्टा बेचने की फिराक में थे। पुलिस की टीम ने दोनों आरोपियों को काबू करके उनके कब्जे से 19.17 ग्राम चिट्टा बरामद किया। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि उक्त आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना कांगड़ा में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। जिला कांगड़ा पुलिस का नशे के विरुद्ध यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

नशे के धंधे में काफी समय से सक्रिय थे दोनों आरोपी

आपदा पीड़ित परिवार को पूर्व स्थिति में लाना प्रथम कर्तव्य : आरएस बाली

अनंत ज्ञान, नगरोटा बगवां

आरएस बाली ने नगरोटा बगवां आईपीएच विश्रामगृह में जनसमस्याओं को सुना।

भारी बारिश के चलते प्रदेशभर में भारी नुकसान हुआ और नगरोटा बगवां विधानसभा क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा है। नगरोटा विधानसभा क्षेत्र जो कि मेरा परिवार है और कई लोगों को नुकसान झेलना पड़ा। आपदा की इस घड़ी में आपदा पीड़ित हर परिवार के जीवन को पुनः पटरी पर लाना मेरा प्रथम दायित्व है।

यह बात प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष व पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) आरएस बाली ने नगरोटा बगवां जलशक्ति विश्राम गृह में लोगों की समस्याओं को सुनते हुए कही। उन्होंने प्रत्येक आपदा पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में भी अनेकों लोगों को नुकसान झेलना पड़ा। विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक आपदा पीड़ित परिवार की जानकारी उन्होंने निरंतर ली और अधिकारियों को निर्देश दिए, ताकि जल्द फौरी राहत पीड़ित परिवारों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा वह अपनी तरफ से अपने विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए हर तरह से सहायता कर रहे हैं, परंतु इसके साथ ही उनका यह प्रयास रहेगा कि मुख्यमंत्री की तरफ से भी अधिक से अधिक सहायता राशि नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के लोगों को मिले। उन्होंने कहा हिमाचल प्रदेश के प्रत्येक आपदा ग्रस्त क्षेत्र को जिस प्रकार सहायता दी जा रही है और जिस तरह मणिमहेश यात्रा में फंसे हुए श्रद्धालुओं को उनके घरों तक पहुंचा जा रहा है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मणिमहेश यात्रियों को उनके घरों तक पहुंचाने के कार्य को निरंतर करने के लिए हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम के कार्य की प्रशंसा की। उन्होंने नगरोटा आईपीएच विश्राम गृह में लोगों की समस्याओं को सुना और मौके पर उनका निवारण किया इस मौके पर उनके साथ समस्त विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अराजपत्रित कर्मचारी संघ ने बाली को सौंपा ज्ञापन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश सरकार के वित्त विभाग की ओर से 6 सितंबर को हिमाचल प्रदेश सिविल सेवा (संशोधित वेतन) नियम, 2022 के नियम 7ए को हटाए जाने का विरोध शुरू हो गया है। रविवार को अराजपत्रित कर्मचारी संघ, उपायुक्त कार्यालय कांगड़ा स्थित धर्मशाला के कर्मचारियों तथा अन्य विभागों के कर्मचारियों ने कैबिनेट रैंक आरएस बाली को एक ज्ञापन सौंपा गया। कर्मचारियों ने बताया कि सरकार के इस एकतरफा फैसले से सरकारी कर्मचारियों में व्यापक आक्रोश और अशांति पैदा हो गई है। नियम 7ए हटाने से प्रत्येक कर्मचारी को 15,000 से 20,000 का प्रतिमाह नुकसान होगा, जिससे राज्य में हजारों परिवारों को गंभीर वित्तीय कठिनाई होगी। इस संशोधन को पूर्वव्यापी रूप से लागू करना पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है, क्योंकि कर्मचारी पहले ही उक्त नियम के तहत वेतन और लाभ प्राप्त कर चुके हैं। संघ ने सरकार से इस अधिसूचना पर पुनर्विचार करने और इसे तुरंत प्रभाव से वापस लेने का अनुरोध किया है। संघ ने चेताया कि सरकार तत्काल सुधारात्मक कदम नहीं उठाती है तो सभी प्रभावित श्रेणियों के कर्मचारियों के पास कलम बंद हड़ताल और राज्यव्यापी आंदोलन करना पड़ेगा, जिसकी जिम्मेदार सरकार होगी।

हायर ग्रेड-पे (नियम 7ए) की समाप्ति का विरोध

पौंग बांध का जलस्तर अभी भी खतरे के निशान से ऊपर

अनंत ज्ञान, फतेहपुर। पौंग बांध (महाराणा प्रताप सागर) लगातार खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। मौसम साफ रहने के कारण इनफ्लो में लगातार कमी आई है, जिससे आउटफ्लो भी घटने लगा है। रविवार शाम 4 बजे तक जलस्तर 1392.13 फुट दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 1390 फुट से करीब 2 फीट अधिक है। बीबीएमबी प्रशासन ने राहत के तौर पर डिस्चार्ज घटाकर 84,877 क्यूसेक कर दिया है, जबकि डाउनस्ट्रीम स्नबर पर 73,377 क्यूसेक पानी ब्यास नदी में बह रहा है। फतेहपुर और इंदौरा के मंड क्षेत्र में नावों के जरिए प्रभावित परिवारों तक राशन और जरूरी सामग्री पहुंचाई जा रही है। राहत कार्य में प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय लोग और पंजाब के दानी सज्जन भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

फतेहपुर और इंदौरा के दर्जनों गांव बने टापू

लगातार पानी छोड़े जाने से फतेहपुर के रियाली पंचायत सहित दर्जनभर गांव व इंदौरा के 26 गांव पानी से घिरकर टापू बन चुके हैं। इन गांवों का जिले से सड़क संपर्क पूरी तरह टूट चुका है और अब लोगों को पंजाब के मुकेरिया व हाजीपुर मार्ग से होकर लंबा सफर तय करना पड़ रहा है। कई सड़कों पर पानी बहने के कारण 3 से 5 किलोमीटर की दूरी अब 60 किलोमीटर घूमकर तय करनी पड़ रही है। एसडीएम फतेहपुर विश्रुत भारती ने कहा कि प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता दी जा रही है।

कर्मचारियों के धैर्य की परीक्षा न ले सरकार : काली दास

अजय पाल, अनंत ज्ञान, पालमपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष काली दास ने 6 सितंबर को जारी अधिसूचना के तहत संशोधित वेतनमान 2022 के नियम 7ए को हटाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों के धैर्य की परीक्षा न ले। इस नियम के हटने से 89 श्रेणियों के कर्मचारियों को 10,000 से 15,000 रुपए मासिक नुकसान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्मचारियों का लगभग ढाई साल से 15 फीसदी डीए बकाया है और वर्ष 2016 का एरियर अब तक लंबित है। कर्मचारियों को दिए जाने वाले भत्ते भी वर्ष 2006 के ही दिए जा रहे हैं, उनको रिवाइज नहीं किया गया है।

विभागों में पद घटाए जा रहे हैं और डीपीसी न होने से पदोन्नति रुकी हुई है। कई कर्मचारी बिना पदोन्नति के सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस की बारी-बारी की राजनीति से अब कर्मचारी और जनता दोनों परेशान हैं और तीसरे विकल्प की ओर देख रहे हैं। राज्यव्यापी आंदोलन का समर्थन देने की भी बात कही गई।

संशोधित वेतनमान के नियम 7ए को हटाने का किया विरोध

पूर्व पंचायत प्रधानों और 26 परिवारों ने बुलंद की आवाज

अनंत ज्ञान, गगल। गगल के राधा कृष्ण मंदिर के हॉल में पूर्व पंचायत प्रधानों तथा उन 26 परिवारों ने इकट्ठे होकर अपनी आवाज बुलंद की है, जिन्हें गगल के वर्तमान पंचायत प्रधान तथा उपप्रधान द्वारा सरकार की योजनाओं का गलत प्रार्थी बने और बनाने के कारण जांच के घेरे में लाया गया है। 26 परिवारों तथा पूर्व पंचायत प्रधान रविंद्र बाबा, हिंद वीर कोहली, भगत राम कोहली, देवराज तथा पूर्व प्रधान अनिल कपूर ने पत्रकारवार्ता कर अपना पक्ष रखा। पूर्व पंचायत प्रधानों ने कहा कि वर्तमान पंचायत प्रधान तथा उपप्रधान उन्हें तथा उन 26 परिवारों को तंग करने के उद्देश्य से यह सब कर रहे हैं। पूर्व प्रधान भगत राम कोहली ने कहा कि वर्तमान पंचायत द्वारा लोगों को तंग किया जा रहा है।

पूर्व प्रधान हिंद वीर कोहली ने कहा कि वर्तमान पंचायत प्रधान या उपप्रधान ने इन परिवारों से बात क्यों नहीं की या कमी को अपने स्तर पर दूर क्यों नहीं करवाया। पूर्व प्रधान रविंद्र बाबा ने कहा कि हम सभी पूर्व प्रधानों ने सरकारी योजनाओं का लाभ अपने गांववासियों तक सही ढंग से पहुंचाया है। यह सभी परिवार सरकार द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के तहत ही योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं, जिसकी मांगी जानकारी हम विकासखंड अधिकारी को उपलब्ध करवा रहे हैं। पूर्व उपप्रधान अनिल कपूर ने कहा कि लोग हवाई अड्डा विस्तारीकरण के कारण उजड़ने की चिंता में डूबे हुए हैं और उन्हें तंग करना गलत है। व्यापार मंडल के प्रधान देवेंद्र कोहली ने कहा कि वह पूर्व पंचायत प्रधानों तथा इन 26 परिवारों के साथ हैं।

कुलवीर सिंह बने अध्यक्ष, सुरेश कौंडल महासचिव

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

राजा का तालाब में हुआ अध्यापक संघ की जिला कांगड़ा इकाई का त्रैवार्षिक चुनाव।

प्रदेश राजकीय प्रशिक्षित अध्यापक (कला) संघ की जिला कांगड़ा इकाई का त्रैवार्षिक चुनाव रविवार को राजा का तालाब में हुआ। इसकी अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश राजकीय प्रशिक्षित अध्यापक (कला) संघ के प्रदेश महासचिव व चुनाव प्रभारी विजय कुमार हीर ने की।

संघ के जिला अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से खंड फतेहपुर से कुलवीर सिंह टीजीटी अध्यापक रावमा पाठशाला छतर को चुना गया। संघ के महासचिव पद के लिए जवाली से सुरेश कौंडल टीजीटी अध्यापक हरसर स्कूल तथा संघ कोषाध्यक्ष पद के लिए खंड इंदौरा से नरेश कुमार टीजीटी अध्यापक रप्पड़ स्कूल को चुना गया। शिक्षा खंड धर्मशाला से यशपाल सिंह का चुनाव वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए किया गया। इस अवसर पर जिलेभर से विभिन्न शिक्षा खंडों के लगभग 70 प्रतिनिधियों के भाग लिया। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कुलवीर ने बताया कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए जल्द ही कार्यकारिणी विस्तार किया जाएगा। समस्त खंडों को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। संघ के जिला महासचिव सुरेश कौंडल ने कहा कि संघ को सुदृढ़ करने और अध्यापकों की आशाओं पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करेंगे। अंत में प्रदेश महासचिव विजय कुमार हीर ने संघ के महत्व संघ के कार्यों और संघ के लक्ष्यों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया।

कालीनाथ कालेश्वर महादेव मंदिर की व्यवस्थाओं पर उठाए सवाल

अनंत ज्ञान, परागपुर। विश्व हिंदू परिषद के सदस्य कालीनाथ रविवार को कालेश्वर महादेव मंदिर परिसर में पहुंचे। विश्व हिंदू परिषद प्रांत सत्संग सह प्रमुख पवन बजरंगी ने कहा कि मंदिर परिसर में काफी अव्यवस्थाएं हैं। मंदिर गर्भगृह में पानी गिरना तथा प्रशासन द्वारा अस्थायी रूप से तिरपाल लगाने पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन को स्थायी व्यवस्था का प्रबंध करना चाहिए, ताकि मंदिर की गरिमा को बनाए रखा जा सके। उन्होंने कहा कि मंदिर में हवन के लिए प्रशासन द्वारा 500 रुपए की पर्ची काटी जाती है और बारिश होने पर हवन करना मुश्किल होता है। विहिप के जिलाध्यक्ष त्रिलोक शर्मा ने कहा कि मंदिर के बाहर एक हवन कुंड बना है उसे काफी समय पहले प्रशासन द्वारा असुरक्षित घोषित किया गया था, परंतु वहां यज्ञ अनुष्ठान किए जाते हैं, जो कि खतरे की आशंका है। मंदिर में सफाई तथा शौचालयों को सही व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

साइबर ठगी से बचने की दी जानकारी

कोहली, अनंत ज्ञान, शाहपुर। भूतपूर्व अर्धसैनिक बल कल्याण संगठन, जिला कांगड़ा की त्रैमासिक बैठक रविवार को शिव मंदिर झुलाड़ में जिला अध्यक्ष एमएल ठकुर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सीजीएचएस, पैरामिलिट्री कल्याण बोर्ड, छतरपुर स्थित एम्स, पंतजलि कैशलेस सेवा, डिजिटल कैंटीन कार्ड, आठवां सीपीसी, सीएलएमएस सिक्योरिटी और 1996 से पे स्केल बढ़ोतरी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जानकारी साझा की गई।

उपाध्यक्ष बलदेव सिंह राणा ने बताया कि हेल्पऐज इंडिया द्वारा शाहपुर व कांगड़ा में पैरामिलिट्री पेंशनर्स के लिए साइबर सुरक्षा और स्मार्टफोन उपयोग को लेकर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। परियोजना समन्वयक रणजीत राठौर ने बुजुर्गों को साइबर ठगी से बचाव और मोबाइल ऐप्स के सुरक्षित इस्तेमाल की जानकारी दी। कार्यशाला में सरल वीडियो के माध्यम से बुजुर्गों को स्मार्टफोन चलाना सिखाया गया। इस पहल का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और साइबर अपराध से सुरक्षित रखना है।

सम्मान समारोह उपमुख्य सचेतक ने उत्कृष्ट सेवाओं और वीर नारियों को किया सम्मानित

शाहपुर में बनेगा युद्ध स्मारक: पठानिया

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

शाहपुर ब्लॉक पूर्व सैनिक सेल की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया।

उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि शाहपुर में शहीदों की यादों को तरोताजा रखने के लिए युद्ध स्मारक का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए भूमि चिह्नित कर ली गई है। रविवार को शाहपुर ब्लॉक पूर्व सैनिक सेल की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्यातिथि केवल सिंह पठानिया ने कहा कि कारगिल युद्ध में हिमाचल के 52 वीरों ने अपने प्राण देश के लिए न्योछावर किए हैं, जिनमें से 15 वीर सैनिक कांगड़ा जिले से थे।

स्वतंत्रता प्राप्ति से आज तक हिमाचल के लगभग 1728 वीरों ने अपने प्राण देश के लिए न्योछावर किए हैं। उन्होंने कहा कि इस छोटे से पहाड़ी प्रदेश के 4 जांबाज सैनिकों को परम वीर चक्र, 2 को अशोक चक्र, 10 को महावीर चक्र और 25 को कीर्ति चक्र जैसे शौर्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त 1162 सैनिक विभिन्न पदकों द्वारा सम्मानित हैं। कांगड़ा जिले के 2 परम वीर चक्र (मेजर सोमनाथ शर्मा व कैप्टन विक्रम बतरा), 1 अशोक चक्र, 4 महावीर चक्र, 12 कीर्ति चक्र, 18 वीर चक्र, 30 शौर्य चक्र व 374 सैनिक विभिन्न पदकों द्वारा सम्मानित हैं। पठानिया ने इस अवसर पर उत्कृष्ट सैन्य सेवाओं एवं वीर नारियों को सम्मानित भी किया गया, जिसमें विशिष्ट सेवा मेडल विजेता कर्नल जय सिंह, वीर नारियों पिंकी देवी, सावित्री देवी, सोमा देवी तथा सिंदूर ऑपरेशन के शहीद सूबेदार मेजर पवन कुमार की धर्मपत्नी सुषमा देवी, साधना देवी, तथा शहीद राकेश के भाई को सम्मानित किया गया।

सैन्य अनुभवों को किया साझा

सुनीता बोहरा ने शहीद की मां कविता सुनाकर सबको भाव विभोर किया। वहीं, विशिष्ट सेवा मेडल से अलंकृत जय सिंह ने अपने सैन्य अनुभवों को सबके साथ साझा किया। सावित्री देवी ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुति भी दी। चंगर पूर्व सैनिक सेल ने आपदा राहत कोष के लिए 50 हजार की राशि भी भेंट की।

विधायक कमलेश ने देहरा में सुनी जनसमस्याएं

अनंत ज्ञान, देहरा। देहरा विधायक कमलेश ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए यह अनिवार्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को विशेष प्राथमिकता दी जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, विद्युत, पेयजल, सिंचाई तथा शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण पर बल दिया जा रहा है। यह बात विधायक कमलेश ने रविवार को जल शक्ति विश्रामगृह देहरा में लोगों की समस्याएं सुनने के बाद कही। इस दौरान विधायक ने लोगों की विभिन्न समस्याओं का समाधान किया। शेष मांगों को उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जल्द समाधान के लिए प्रेषित किया। वहीं, विधायक के माध्यम से मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में गुलेर निवासी नंद किशोर परिमल की ओर से 25 हजार का चेक भेंट किया गया। साथ ही जलशक्ति विभाग में तैनात मल्टीपर्पज वर्कर के एक प्रतिनिधिमंडल अपनी मांगों को लेकर विधायक को ज्ञापन भी दिया।

गुलेर निवासी नंद किशोर ने राहत कोष में दिए 25 हजार रुपए

पूर्व विधायक ने क्षतिग्रस्त मकान का लिया जायजा

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ। पूर्व विधायक मुल्खराज प्रेमी ने मझैरना पंचायत के वार्ड-5 के निवासी कमलेश कुमार के घर पहुंचकर क्षतिग्रस्त मकान का जायजा लिया। बारिश से कमलेश कुमार के घर की एक दीवार पूरी तरह से गिर गई है और बचा हुआ मकान का हिस्सा भी गिरने की कगार पर है। कमलेश की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करता है। अपने छोटे भाई के घर में रह रहा है, जिसका भी एक ही कमरा है। कमलेश ने बताया कि न तो पंचायत ने कोई सहायता की है और न ही मौजूदा सरकार और प्रशासन से कोई नुमाइंदा आया। मुल्खराज प्रेमी ने प्रशासन से गरीब परिवार को मकान के लिए धनराशि उपलब्ध करवाने और जब तक मकान नहीं बन जाता, तब तक शेल्टर उपलब्ध करवाने का आग्रह किया है। उन्होंने हरसंभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर पूर्व उपप्रधान पवन चौधरी, अजय कुमार, बलदेव कटोच, कैप्टन राकेश कुमार और पूर्व वार्ड सदस्य संतोष कुमार इत्यादि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री ने स्व. आरपी शर्मा को दी श्रद्धांजलि

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान, पठानकोट। भाजपा पंजाब के कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के बड़े भाई स्वर्गवासी राम प्रसाद शर्मा की प्रार्थना सभा एवं रस्म पगड़ी समारोह में केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू, पूर्व मंत्री परनीत कौर, मनोरंजन कालिया, विजय सांपला, तीक्ष्ण सूद समेत कई वरिष्ठ नेता पहुंचे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने स्व. आरपी शर्मा के सादगीपूर्ण जीवन, समाज सेवा और उच्च आदर्शों को याद किया। सभी ने प्रार्थना की कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार को यह दुख सहने की शक्ति दें।

आपदा में सरकार प्रत्येक प्रभावित के साथ खड़ी : धर्माणी

भूपेश नड्डा, अनंत ज्ञान

लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह घुमारवीं में जनसमस्याएं सुनते व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी।

घुमारवीं। नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह घुमारवीं में जनसमस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आमजन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समयबद्ध निपटारे के निर्देश दिए।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि आम लोगों की समस्याओं का निपटान करना उनकी प्राथमिकता में है, जब भी वह अपने चुनाव क्षेत्र में होते हैं, तो सर्वप्रथम लोगों से मिलना तथा उनकी समस्याओं को सुनना एवं निपटारा करना हमेशा पहली प्राथमिकता में रहता है। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वह आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित बनाएं, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर हल करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में है। राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा में मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है तथा उनकी हरसंभव मदद करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र में भी लोगों को भारी बरसात के कारण नुकसान उठाना पड़ा है, उन्हें भी सरकार की ओर से हरसंभव सहायता प्रदान करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारियों को बरसात से हुए नुकसान का आकलन करने के निर्देश दे दिए गए हैं, ताकि कोई प्रभावित परिवार आपदा राहत से वंचित न रहे। इसके अतिरिक्त लोक निर्माण विभाग एवं जलशक्ति विभाग को भारी बरसात के कारण बंद पड़ी सड़कों एवं प्रभावित पेयजल आपूर्ति योजनाओं को जल्द बहाल करने के भी निर्देश दिए हैं।

मंत्री ने हटवाड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

बलवंत कमल, अनंत ज्ञान, दधोल। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक व औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हटवाड़ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों को उपलब्ध करवाई जा रही विभिन्न सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी कि अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 150 मरीज ओपीडी में उपचार के लिए पहुंचते हैं, ऐसे में स्वीकृत दो चिकित्सक पदों में से रिक्त चल रहे एक पद पर डॉक्टर की शीघ्र तैनाती की जाएगी, ताकि आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर लाभ मिल सके। राजेश धर्माणी ने कहा कि सीएचसी हटवाड़ में ईसीजी मशीन स्थापित कर दी गई है और मरीज इससे लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अलावा एक्स-रे मशीन भी उपलब्ध करवा दी गई है, लेकिन इसे भी जल्द शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभाग को एक माह के भीतर एक्स-रे मशीन को चालू करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र में लगभग 50 हजार रुपए की लागत से डेंटल उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सोमवार से मरीजों को इनका नियमित लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। इसके बाद उन्होंने गाहर और दधोल पंचायतों में वर्षा प्रभावित परिवारों के घरों को हुए नुकसान का भी जायजा लिया तथा प्रभावित परिवारों से बातचीत की। उन्होंने प्रभावितों को विश्वास दिलाया कि प्रदेश सरकार उनकी हर संभव मदद कर रही है तथा भारी बरसात के कारण हुए नुकसान की भरपाई को ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

मिसेज इंडिया 2025 बनीं बिलासपुर की बेटी

संगीता सोनी ने रचा इतिहास, हिमाचल और परिवार का नाम किया रोशन

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान

बिलासपुर। हिमाचल की धरती एक बार फिर गर्व से सिर ऊंचा किए खड़ी है। बिलासपुर की होनहार बेटी संगीता सोनी ने मिसेज़ इंडिया 2025 का खिताब जीतकर अपने परिवार, प्रदेश और देश का नाम रोशन कर दिया है। साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर देश की सबसे बड़ी ब्यूटी पेजेंट प्रतियोगिता में मुकाम हासिल करना, उनके संघर्ष और समर्पण की बेमिसाल कहानी है।

संगीता का सफर आसान नहीं रहा। वर्ष 2003 में मिस बिलासपुर का खिताब जीतने के साथ उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। यह उनके जीवन की पहली उपलब्धि थी जिसने आत्मविश्वास को नई उड़ान दी। इसके बाद वर्ष 2007 में उन्होंने बेस्ट कपल टाइटल अपने नाम किया और धीरे-धीरे मॉडलिंग की दुनिया में पहचान बनाने लगीं।

लेकिन यह केवल रैंप पर मुस्कुराने की कहानी नहीं थी। संगीता ने अपने करियर के साथ-साथ निजी ज़िम्मेदारियों को भी बखूबी निभाया। एक निजी कंपनी में क्वालिटी कंट्रोल मैनेजर के पद पर कार्यरत रहते हुए उन्होंने कठिन परिस्थितियों व चुनौतियों को अवसर में बदला। संगीता की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बिलासपुर ही नहीं, पूरे हिमाचल में जश्न का माहौल है। लोग उन्हें प्रदेश की असली शान और नारी शक्ति की प्रतीक कहकर सम्मानित कर रहे हैं।

संघर्ष से सफलता तक का प्रेरणादायी सफर

मिसेज इंडिया का ताज सिर्फ एक खिताब नहीं, बल्कि नारी शक्ति का प्रतीक है। संगीता कहती हैं कि यह उपलब्धि सिर्फ मेरी नहीं है, यह हर उस बेटी की जीत है जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए संघर्ष करती है। मैं चाहती हूं कि हिमाचल की बेटियां बड़े सपने देखने से कभी पीछे न हटें। आज संगीता अपने आत्मविश्वास, लगन और जुनून से उन युवतियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं जो फैशन और मॉडलिंग की दुनिया में करियर बनाना चाहती हैं।

हिमाचल की बेटियों के लिए बनी रोल मॉडल

संगीता का अगला लक्ष्य इंटरनेशनल प्लेटफ़ॉर्म पर भारत का प्रतिनिधित्व करना है। वे चाहती हैं कि दुनियाभर में हिमाचल की बेटियां अपने हौसले और हुनर की चमक बिखेरें। उनका मानना है कि यदि परिवार का साथ और आत्मविश्वास अटूट हो तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रह सकता।

न्यूज ब्रीफ

आपदा पीड़ितों के प्रति जताई संवेदना

अनंत ज्ञान, बरठीं। शिव शक्ति मंदिर कोटलु ब्राह्मणा में मंदिर समिति की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से हुए जन-धन के नुकसान पर गहरी संवेदना व्यक्त की गई और मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर समिति सदस्यों ने मंदिर परिसर में बनाए गए स्टोर का निरीक्षण भी किया और व्यवस्थाओं को परखा। समिति के प्रधान मनोहर लाल ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय सभी को मिलकर जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। बैठक में अमरनाथ, राम चंद, विद्यासागर, विषण दास, हरिपाल, प्रेम लाल, करिष्णु राम, राज कुमार, बालक राम धीमान, जगत राम जमवाल, संजय सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कोटधार नलवाड़ मेले की तैयारियों में जुटी समिति

अनंत ज्ञान, शाहतलाई। झंडूता उपमंडल के कोटधार क्षेत्र स्थित लग दयो मंदिर में मार्च 2026 में होने वाले कोटधार नलवाड़ मेले की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इस बार मेले की तैयारियों में मेला समिति के महासचिव अमरनाथ धीमान की अहम भूमिका रही है। रविवार सुबह मंदिर परिसर में उनकी अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित हुई, जिसमें मंदिर कमेटी और मेला समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में अमरनाथ धीमान ने मेले को और भव्य बनाने के लिए सुझाव आमंत्रित किए तथा सभी सहयोगियों का धन्यवाद व्यक्त किया। कोटधार नलवाड़ मेला क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर का प्रतीक बन चुका है। अमरनाथ धीमान के नेतृत्व और समर्पण ने इसे न केवल स्थानीय बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी लोकप्रिय बना दिया है।

रसम सिंह चंदेल को मिली सचिव की कमान

अनंत ज्ञान, शाहतलाई। मानव विकास संस्थान कलोल के निदेशक व भाजपा झंडूता मंडल अध्यक्ष एवं कलोल दंगल कमेटी के अध्यक्ष रसम सिंह चंदेल को हिमाचल प्रदेश भारतीय शैली कुश्ती संघ का उप-संगठन सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है और खेल जगत में भी इसे एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। रसम सिंह चंदेल ने वर्षों से कुश्ती और ग्रामीण खेलों के विकास के लिए कार्य किया है। कलोल क्षेत्र में आयोजित होने वाले पारंपरिक दंगल आयोजनों में उनकी सक्रिय भूमिका और निष्पक्ष नेतृत्व के लिए वे जाने जाते हैं। अब राज्य स्तर पर कुश्ती संघ में उनकी भागीदारी से इस पारंपरिक खेल को और अधिक प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। चंदेल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे भारतीय शैली कुश्ती को प्रदेश में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

आकर्षित बने बैंक ऑफ बड़ौदा में पीओ

अनंत ज्ञान, शाहतलाई। भगतपुर शाहतलाई बिलासपुर के आकर्षित पटियाल बैंक ऑफ बड़ौदा में प्रोबेशनरी आफिसर बने हैं। आकर्षित अपने पहले प्रयास में असफल रहे थे, इन्होंने हिम्मत नहीं हारी और तीसरी बार में यह मुकाम हासिल किया। आकर्षित की उपलब्धि से इलाके में खुशी का माहौल है। आकर्षित पटियाल के पिता जोगेंद्र सिंह पटियाल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला तलाई में अधीक्षक पर सेवारत हैं, जबकि माता सुमनलता गृहिणी है। इन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मिनर्वा सीनियर सेंकेडरी स्कूल घुमारवीं से प्राप्त की। बीएससी एग्रीकल्चर पीटीयू से की। इन दिनों आकर्षिक की ट्रेनिंग महाराष्ट्र के पुणे में चल रही है। आकर्षिक को बधाईयों का दौर जारी है।

आपदा से जुखाला-नेरी मलोखर सड़क तबाह शिक्षा और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस नेता रामलाल ठाकुर।

पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता रामलाल ठाकुर ने कहा है कि उनके चुनाव क्षेत्र में जुखाला से नेरी मलोखर की ओर जाने वाली सड़क भीषण आपदा की चपेट में आकर पूरी तरह नष्ट हो गई है। पूरी पहाड़ी दरककर नीचे आ गिरी और उसका सारा मलवा पास की अली खड्ड में जमा हो गया, जिससे खड्ड अब झील का रूप धारण कर चुकी है। हालात इतने खराब हैं कि अब वहां से पैदल गुजरना भी असंभव हो गया है।

पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस नेता रामलाल ठाकुर ने बताया कि इस आपदा से सिकरोहा पंचायत पूरी तरह प्रभावित हुई है। इस क्षेत्र के सैकड़ों बच्चों की शिक्षा बाधित हो गई है, क्योंकि न तो स्कूल जाने का रास्ता बचा है और न ही सरकारी कर्मचारी ड्यूटी तक पहुंच पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए उपायुक्त को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने को कहा गया है। साथ ही मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित करने और पूरी तरह नष्ट हुए मकानों के मालिकों को 7 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय सराहनीय है। कांग्रेस नेता रामलाल ठाकुर ने केंद्र सरकार से भी अपील की कि हिमाचल प्रदेश की परिस्थितियों को देखते हुए वन कानून में ढील दी जाए, क्योंकि प्रदेश के पास पुनर्वास के लिए अब अतिरिक्त भूमि उपलब्ध नहीं है।

रामलाल ने वन कानून में ढील की केंद्र से की अपील

उन्होंने कहा कि जिन लोगों की जमीन और मकान इस आपदा में पूरी तरह तबाह हो गए हैं, उनके पुनर्वास के लिए यह कदम जरूरी है।

गेहडवीं में 31 लोगों ने किया रक्तदान

अनंत ज्ञान झंडूता। जन सेवा नारायण सेवा संस्था गेहडवीं व इंसानियत समाज सुधार एवं विकास समिति डाहड के द्वारा ठाकुर द्वारा गेहडवीं में एक रक्तदान शिविर का आयोजन करवाया गया। शिविर में 31 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में कुल 100 लोगों ने हिस्सा लिया। इंसानियत संस्था के प्रधान पवन चंदेल ने बताया कि अस्पतालों में बढ़ती हुई रक्त की आवश्यकता को देखते हुए इंसानियत संस्था प्रतिमाह एक या दो रक्तदान शिविरों का आयोजन करवाती है ताकि रक्त की कमी को पूरा किया जा सके। इस शिविर में जन सेवा नारायण सेवा संस्था गेहडवीं की तरफ से प्रधान प्रकाश चंद धीमान, जगदीश चंदेल, कृष्ण सिंह चंदेल, पवन चंदेल, महेन्द्र चंदेल, रंजीत कुमार, प्रताप चंदेल, विनोद चंदेल, बली राम ने रक्तदान शिविर के आयोजन में महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान की। इस शिविर में विशाल, प्रदीप कुमार, सजीव कुमार, प्रमोद कुमार, बीरबल, सुरजीत, प्रदीप, राजेश, अश्वनी, रवि कांत चंदेल,विनोद, ऋषि, अक्षित ठाकुर, कशिश, निखिल गौतम, ऋषि राज, सतीश कुमार, सुशील, संजीव, सनक शुक्ला, राजेंद्र कुमार, विनोद, अनिल, रवि, रमेश चंद, देश राज, विकास, अनिल, दीपांशु , मोहन दास , सुनील, मनोज ने रक्तदान किया।

शिक्षकों के वेतन कटौती आदेश का जिला प्राथमिक शिक्षक संघ ने किया कड़ा विरोध

राकेश चंदेल, अनंत ज्ञान

स्वारघाट। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हिमाचल प्रदेश जिला बिलासपुर इकाई की वर्चुअल बैठक जिला प्रधान रमेश शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में महासचिव रणजीत सिंह ठाकुर, मुख्य संरक्षक असुनील शर्मा, वरिष्ठ उपप्रधान बाबूलाल भारद्वाज, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार, महालेखाकार बलबीर ठाकुर, सहसचिव राजकुमार, मुख्य सलाहकार चंद्रशेखर, उपप्रधान नरेश शर्मा सहित सभी छह शिक्षा खंडों के प्रधान एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में प्रदेश सरकार के वित्त विभाग द्वारा 6 सितंबर को हायर ग्रेड-पे लाभ संबंधी अधिसूचना को वापस लेने के निर्णय का कड़ा विरोध किया गया। संघ ने कहा कि इस अधिसूचना के कारण 3 जनवरी, 2020 के उपरांत नियमित हुए शिक्षकों के वेतन में 10,000 से अधिक की कमी आ रही है। कर्मचारियों को वित्तीय लाभ देने के बजाय वेतन कटौती का उपहार दिया जा रहा है, जो प्रदेश के इतिहास में पहली बार हो रहा है। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि पहले ही कर्मचारियों की कई महंगाई भत्ते की किस्तें लंबित हैं, जारी किस्तों का एरियर नहीं मिला है और 2016 से लागू वेतनमान का एरियर भी 9 साल बाद भी अटका हुआ है। ऐसे में वेतन कटौती का निर्णय कर्मचारियों के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

बैठक में सर्वसम्मति से मांग की गई कि मुख्यमंत्री सुक्खू इस आदेश को तुरंत वापस लें। अन्यथा प्राथमिक शिक्षक संघ बड़े संघर्ष के लिए बाध्य होगा और इस मामले को उच्च न्यायालय में भी चुनौती देने से पीछे नहीं हटेगा। बैठक में विशेष रूप से राज्य सचिव राकेश पटियाल, राष्ट्रीय पार्षद बांके बिहारी चंदेल, नई पेंशन स्कीम कर्मचारी महासंघ के उपाध्यक्ष संजीव शर्मा, यशवंत ठाकुर, जोगिंदर सिंह, राजीव शांडिल, सुरजीत कुमार सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने मरोतन से बागछाल सड़क को खोलने के दिए निर्देश

उपायुक्त राहुल कुमार मरोतन-बागछाल सड़क का निरीक्षण करते हुए।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने रविवार को मरोतन से बागछाल सड़क का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य को देख रहे मैक्स इंफ्रा कंपनी के अधिकारियों के साथ सड़क पर बने ब्लॉक प्वाइंट्स का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बागछाल से करीब 500 मीटर आगे तथा मरोतन से लगभग 2.5 किलोमीटर की दूरी पर सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है, जिसके चलते यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया है। डीसी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सड़क को हर हाल में सोमवार तक यातायात के लिए खोल दिया जाए। उन्होंने कहा कि बागछाल से 500 मीटर आगे बने ब्लॉक प्वाइंट को साफ करने के लिए भारी मशीनरी की आवश्यकता है और इसके लिए मैक्स इंफ्रा को तत्काल हैवी मशीनरी तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि इस सड़क के बंद होने से कोटधार क्षेत्र की 14 पंचायतों के अलावा हमीरपुर जिला के बड़सर उपमंडल के लोग भी प्रभावित हो रहे हैं। इन पंचायतों के निवासियों को आवाजाही के लिए मजबूरन वाया झंडूता घूमकर लंबा सफर तय करना पड़ रहा है।

उच्च वेतनमान अधिसूचना वापसी पर कर्मियों में रोष

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। जिला बिलासपुर अस्पताल फार्मेसी ऑफिसर संघ संघ ने सरकार द्वारा 6 सितंबर को जारी की गई अधिसूचना पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। संघ के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र नड्डा ने कहा कि सरकार ने हिमाचल प्रदेश सिविल सेवा (संशोधित वेतन) नियम, 2022 के नियम 7ए को 3 जनवरी 2022 से प्रतिगामी प्रभाव के साथ हटाया है, जो कर्मचारियों के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अन्यायपूर्ण निर्णय है।

जिलासंघ का कहना है कि इस संशोधन को वापस लेने से हजारों कर्मचारियों को हर माह 10,000 से 15,000 रुपये तक का आर्थिक नुकसान होगा। इसके चलते प्रदेशभर में कर्मचारियों और उनके परिवारों को गंभीर वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। संगठन ने कहा कि इस प्रकार का संशोधन प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है और कर्मचारियों के साथ अन्याय है। जिलासंघ ने सरकार से मांग की है कि अधिसूचना 6 सितंबर को तुरंत वापस लिया जाए, ताकि कर्मचारियों को राहत मिल सके। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने शीघ्र कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया, तो प्रभावित कर्मचारी वर्ग को सरकार के विरुद्ध आंदोलन करने के लिए विवश होना पड़ेगा।

गर्ग ने प्रभावित गांवों का दौरा कर ढांढस बंधाया

प्रशासन की लापरवाही पर जताई चिंता, तत्काल राहत व मुआवजे की मांग

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। जगह-जगह भूस्खलन से सड़कें ध्वस्त हो गई हैं, कई संपर्क मार्ग बाधित हैं और ग्रामीण आवागमन की सुविधा से वंचित हो गए हैं। कई घर जमींदोज हो चुके हैं, जबकि अनेक मकान दरारों के चलते खतरे की जद में आ गए हैं। इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोग दहशत और असुरक्षा के माहौल में जीवन यापन कर रहे हैं।

इस कठिन परिस्थिति का जायजा लेने के लिए पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेंद्र गर्ग शनिवार को क्षेत्र के विभिन्न गांवों डुमैहर, बाड़ी चौक, कोट, बाहल, रसाहनी (चकराणा) और दधोल का दौरा किया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनके हालात सुने और उन्हें ढांढस बंधाया।

राजेंद्र गर्ग ने कहा कि बाड़ी चौक और कोट जैसे क्षेत्रों में तीन से चार दिन पहले भारी नुकसान हुआ था, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई राहत सामग्री या मदद नहीं पहुंच पाई है। उन्होंने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और संवेदनहीन रवैया बताया। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में प्रशासन को तुरंत सक्रिय होकर पीड़ित परिवारों की सहायता करनी चाहिए थी, लेकिन उनकी चुप्पी और सुस्ती से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

पूर्व मंत्री ने प्रदेश सरकार व प्रशासन से आग्रह किया कि प्रभावित परिवारों के लिए त्वरित मुआवजा व राहत शिविर स्थापित किए जाएं। उन्होंने कहा कि कई परिवार अपने घर खो चुके हैं और खुले आसमान के नीचे रह रहे हैं। ऐसे में उन्हें अस्थायी आश्रय, राशन, दवाइयों और जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार और प्रशासन की पहली जिम्मेदारी होनी चाहिए।

बंद सड़कों को बहाल करना प्राथमिकता

गर्ग ने कहा कि लगातार भूस्खलन और बारिश से दर्जनों सड़कें बंद हो चुकी हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क कट गया है। यदि इन मार्गों को शीघ्र बहाल नहीं किया गया, तो राहत व पुनर्वास कार्य और भी बाधित हो जाएंगे। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि मशीनरी व संसाधनों का प्रयोग कर जल्द से जल्द मार्ग खोले जाएं।

प्रगति जीतराम कटवाल ने कहा-देव बरनोट मेला, संस्कृति, आस्था और आत्मनिर्भरता का प्रतीक

स्टील सस्पेंशन ब्रिज नंद-नगरांव जल्द होगा जनता को समर्पित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

पुल का निरीक्षण करते झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल। साथ हैं अन्य अधिकारी।

झंडूता विधानसभा क्षेत्र के तहत पनौल-जेजवीं मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड पर निर्माणाधीन प्रदेश का सबसे बड़ा स्टील सस्पेंशन ब्रिज नंद-नगरांव जल्द ही जनता को समर्पित किया जाएगा।

लगभग 57 करोड़ रुपए से बन रहे इस पुल के दोनों छोर आपस में मिल चुके हैं, अब अप्रोच रोड का काम प्रगति पर है। रविवार को झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने नंद-नगरांव पुल का निर्माण कर रही साई इटर्नल फाउंडेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजकुमार वर्मा के साथ पुल का दौरा करके इसका जायजा लिया। उन्होंने पुल के साथ ही अप्रोच रोड के निर्माण में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हुए तेजी लाने के निर्देश दिए। जीतराम कटवाल ने कहा कि झंडूता विधानसभा क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। इसी विधानसभा क्षेत्र में देश के सबसे लंबे कैंटिलीवर स्पैन वाला बागछाल पुल पिछले साल बनकर तैयार हो चुका है। इसी कड़ी में नंद-नगरांव पुल का काम भी अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इसके निर्माण में भी केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की पूर्व भाजपा सरकार का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने डबल इंजन सरकार के सहयोग से इसके लिए बजट का प्रावधान करवाया था। यह पुल तकनीकी कौशल का अद्भुत नजारा है। इसके बनने से पिछड़ा कहे जाने वाले कोटधार क्षेत्र की तकदीर और तस्वीर और अधिक निखरेगी। कोटधार से झंडूता की दूरी लगभग 20 किलोमीटर कम हो जाएगी। इतना ही नहीं, कांगड़ा व हमीरपुर से चंडीगढ़ की दूरी भी लगभग 60 किलोमीटर सिमट जाएगी। बाद में जीतराम कटवाल ने अपनी गृह पंचायत में ऐतिहासिक एवं सुप्रसिद्ध देव बरनोट मेले के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि उपस्थिति दर्ज करवाई। उन्होंने कहा कि मेले और त्योहार आधुनिकता के इस दौर में अपनी सांस्कृतिक धरोहर और लोक जीवन के मूल्यों को संजोकर रखने का संदेश देते हैं।

इनसे समाज में भाईचारे, सद्भावना और सहयोग की भावना भी मजबूत होती है। देव बरनोट मेला केवल आस्था और श्रद्धा का केंद्र नहीं, बल्कि प्राचीन संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक एकता का जीता-जागता प्रतीक भी है। इस समय भारत विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस दौर में इन मेलों का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। संस्कृति को सहेज कर रखने के साथ ही यह मेले स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति प्रदान करते हैं। इनमें छोटे दुकानदारों, कारीगरों और कलाकारों को अपना हुनर और उत्पाद प्रदर्शित करने का मौका मिलता है। आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक छोटा, लेकिन सशक्त कदम है। उन्होंने मेले के सफल आयोजन के लिए पंचायत प्रतिनिधियों, आयोजकों और स्थानीय लोगों को बधाई दी। साथ ही मेले में आयोजित कबड्डी व चेयर रेस जैसी प्रतियोगिताओं की विजेता टीमों को भी पुरस्कृत किया। दोपहर बाद के समय जीतराम कटवाल ने हाल ही में स्वर्ग सिधारे पूर्व पुलिस महानिदेशक आईडी भंडारी के घर जाकर परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से सांत्वना जताने के साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इग्नू में प्रवेश के लिए 15 सितंबर तक करें आवेदन

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में चल रहे इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि विभिन्न इच्छुक आवेदक, विद्यार्थी जो कोई जॉब या अन्य किन्हीं कारणों से नियमित शिक्षा ग्रहण नहीं कर सकते हैं, वह सभी इग्नू के माध्यम से अपने-अपने घर द्वार के आसपास स्नातक, स्नातकोत्तरए डिप्लोमा व सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपनी अपनी पढ़ाई को पूरा करने के सपनों को साकार कर सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि नए विद्यार्थी जो इग्नू के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं या जो विद्यार्थी पूर्व में इग्नू से पढ़ाई कर रहे हैं वह अभी भी अपने नएध्अगले सेमेस्टर, वर्ष के लिए पुनः पंजीकरण नहीं करवाया है वह सभी जुलाई सत्र 2025 के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश या पुनः प्रवेश 15 सितंबर तक इग्नू की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

श्री नयना देवी जी के अधिकांश गांवों में बरसात ने मचाया कहर, मकानों में आई दरारें

मुकेश गौतम, अनंत ज्ञान

नयनादेवी। प्रदेश में आक्रामक रूप धारण कर चुकी बरसात से करोड़ों का नुकसान हुआ है।

लोगों को अपने घरों में भी रहने में डर लगने लग रहा है। भूस्खलन, पहाड़ियों के दरकने तथा बाढ़ की घटनाओं में इस दौरान भारी वृद्धि हुई है। प्रदेश के साथ बिलासपुर जिला भी इससे अछूता नहीं है। जिले के चारों विस क्षेत्रों से इस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं। श्री नयना देवी जी में भी हालात सामान्य नहीं हैं। बडोह गांव के देवेंद्र कुमार व जगत राम के रिहायशी मकान और गोशाला में भारी भूस्खलन के चलते दरारें आ गई हैं। परिवार के लोग इस मकान में रहने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। लोगों की फसलें तक इस भयंकर बाढ़ की भेंट चढ़ गई हैं। लोगों को इस बार की बरसात हर प्रकार के जख्म दे रही है। वहीं, लोअर मंडयाली गांव के निवासी कमल चंद, धर्म पाल के मकान में दरारें आई हैं। धर्मपाल के मकान के पीछे भूस्खलन का मलबा आ गया तथा कभी भी अप्रिय हादसा हो सकता है।

प्रदेश में आक्रामक रूप धारण कर चुकी बरसात से करोड़ों का हुआ नुकसान

बढारण के केहर सिंह के मकान में भी दरारें और मलबा सट गया है। वार्ड नंबर के जोल मंडयाली के तरसेम लाल के घर में सड़क का पानी घुस आया है, जबकि पूरा मकान मलबे की चपेट में है। नकराणा के राम प्यारा के घर के पास लैंड स्लाइडिंग से खतरा पैदा हो गया है। इसी गांव के प्यारे लाल की गोशाला गिर गई है। भूस्खलन के कारण मकान में दरारें आ गई हैं, जबकि जगत राम के घर के आगे का डंगा गिर गया और मकान में दरारें आ गई हैं। कल्लरी गांव के देवी सिंह की गोशाला पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। कई स्थानों पर लोग अपने रिश्तेदारों के यहां आश्रय लेने पर विवश हैं।

तुनुहट्टी–लाहडू मार्ग पर भारी भूस्खलन

वाहनों की आवाजाही रही बंद, लैंडस्लाइड से बीएसएनएल और जिओ टावरों को खतरा

अनंत ज्ञान, चंबा

तुनुहट्टी–ककीरा–लाहडू मार्ग पर ककीरे के घड़ी नामक स्थान पर भारी भूस्खलन होने के कारण वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बाधित हो गई है। वहीं, ऊपरी तरफ मौजूद बीएसएनएल व जिओ के टावरों को भी खतरा पैदा हो गया है। मार्ग शनिवार शाम करीब चार बजे बंद हुआ था, जिसे शाम को 4.30 बजे तक बहाल कर दिया गया था। लेकिन, इसके बाद फिर से भारी भूस्खलन होने के कारण मार्ग पर वाहनों की आवाजाही फिर से बाधित हो गई है।

शनिवार शाम को भारी मात्रा में भूस्खलन जारी था। इस बीच मार्ग के दोनों ओर से छोटे-बड़े वाहनों की कतारें लग गईं। ककीरे के घड़ी नामक स्थान पर शनिवार को सांय वर्षा शुरू हो गई थी, जिसके चलते यह पहाड़ी दरक रही है। करीब पांच सौ फीट ऊपर पहाड़ी से यह भरकम मालबा सीधे सड़क पर आ पहुंचा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ समय के लिए विभाग की मशीनों ने इस मार्ग को बहाल करने का कार्य तो जल्द शुरू कर दिया था। लेकिन, भूस्खलन का सिलसिला लगातार जारी थी।

उधर, लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता राहुल ठाकुर ने बताया कि मार्ग को बहाल कर दिया गया था। लेकिन, इस पर लगातार भारी भूस्खलन होने का सिलसिला जारी है। ऐसे में इसे बहाल करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

आपदा में कांग्रेस की भूमिका गैर-जिम्मेदाराना: डॉ. राजीव

अनंत ज्ञान, नाहन। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने रविवार को नाहन स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित भाजपा पदाधिकारियों के पद-ग्रहण समारोह में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। यह कार्यक्रम नाहन विधानसभा क्षेत्र से नव नियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों के स्वागत और उनके दायित्व ग्रहण के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. बिंदल ने प्रदेश में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा पर बोलते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में भाजपा का हर कार्यकर्ता तन-मन से समर्पित होकर राहत कार्यों में जुटा है और भाजपा का पूरा परिवार पीड़ितों के साथ मजबूती से खड़ा है। डॉ. बिंदल ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता कांग्रेस सरकार से बेहद निराश है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने चुनावों से पहले जो गारंटियां दी थीं, जनता अब पूछ रही है कि वे कहां हैं। उन्होंने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। प्रदेश सरकार द्वारा कर्मचारियों के विरुद्ध लिए गए हालिया निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि इससे राज्य के कर्मचारियों को हर माह 10 से 20 हजार रुपए तक का नुकसान होगा। उन्होंने चेताया कि इस निर्णय से कर्मचारियों की आर्थिक रीढ़ टूट जाएगी और सरकार को इसे तुरंत वापस लेना चाहिए। डॉ. बिंदल ने कहा कि राज्य में सड़कों, बिजली और पानी की हालत बद से बदतर हो गई है। उन्होंने मणिमहेश यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, लेकिन सरकार और प्रशासन मूकदर्शक बने रहे।

डॉ. रीता सिंह को सौंपी प्रदेशाध्यक्ष की कमान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

अखिल भारतीय साहित्य परिषद साहित्य संवदेन व सतत प्रवाहित साहित्य सृजन की निरंतरता के व्यापक लक्ष्य के साथ राष्ट्र स्तर पर हिमाचल प्रदेश के अंतर्गत भी क्रियाशील है। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रीता सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि साहित्य संवदेन व साहित्य विकास के लिए हिमाचल प्रदेश कार्यकारिणी नव गठन की सहर्ष घोषणा प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय साहित्य परिषद द्वारा अखिल भारतीय साहित्य परिषद के संविधान और उद्देश्यों के अनुरूप प्रदेश कार्यकारिणी के विभिन्न पदों का दायित्व निम्न सम्मानित विदत जनों को सौंपा जाता है। यह आदेश प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय साहित्य परिषद के अनुमोदन से तत्काल प्रभाव से प्रभावी होंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश कार्यकारिणी अखिल भारतीय परिषद हिप्र के कार्यकाल की अवधि दो वर्षों के लिए मान्य है। परिषद हिमाचल प्रदेश कार्यकारिणी में निम्नलिखित पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रीता सिंह, प्रदेश संयोजक डॉ. गौतम शमी शर्मा व्यथित, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. विद्या शारदा, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अनेक राम सांख्यान, प्रदेश उपाध्यक्ष जवांग उपासक, प्रदेश महामंत्री डॉ. इंद पराशर, प्रदेश सहमंत्री शेरू बाबा, प्रदेश प्रचार मंत्री हेम राज ठाकुर, प्रदेश सह-प्रचार मंत्री प्रताप अरनोट, प्रदेश प्रबंध व व्यवस्था मंत्री युद्धवीर टंडन, प्रदेश कोषाध्यक्ष राज सिंह राज, विशिष्ट सलाहकार त्रिलोक मेहरा, विशिष्ट सलाहकार उत्तम चंद्र शर्मा, विशिष्ट सलांकार चिरानंद, सम्मानित सदस्य शिव कुमार गर्ग, सदस्य गुरमीत कौर, केडी हिमाचली, शक्ति चढ़ा, भारती कुटियाल।

फोरलेन प्रभावितों ने बनाई संघर्ष समिति मुआवजे व जमीन अधिग्रहण के उठे सवाल

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

रविवार को डैहर, समलेहू, कोट, अलसु और देहवीं क्षेत्र के फोरलेन प्रभावित लोगों की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें फोरलेन प्रभावित संघर्ष समिति का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता दिव्य मानव सेवा ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष अरुण आर्य ने की।

समिति की 12 सदस्यीय कार्यकारिणी और 30 सदस्यीय आम समिति सर्वसम्मति से गठित की गई। इस दौरान विजय शर्मा को समिति का प्रधान चुना गया जबकि राजेश धीमान को उपप्रधान, सरोज शर्मा को सचिव, मनीष मोदगिल को सह-सचिव और श्याम लाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं, संजय शर्मा, राज कुमार और प्यार चंद को मुख्य सलाहकार की भूमिका सौंपी गई। प्रधान विजय शर्मा ने बताया कि फोरलेन निर्माण के चलते प्रभावितों को कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुआवजे की प्रक्रिया को जानबूझ कर लटकाया जा रहा है। साथ ही, परमिशन के नाम पर 8-8 लाख रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है।

अरुण आर्य की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय कार्यकारिणी गठित, विजय बने प्रधान

अधिग्रहण के बाद भी कई लोगों की शेष जमीनें अधूरी छोड़ दी गई हैं, जिससे भविष्य में गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने कहा कि समिति अब इन सभी मुद्दों को केंद्र सरकार, राज्य सरकार और प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाएगी और प्रभावितों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

पंडोह-सयोग में माता त्रिपुरी भैरवा मेले का पारंपरिक देव परंपराओं के साथ हुआ शुभारंभ

पहली शोभायात्रा में उमड़ा देव आस्था का जनसैलाब

बालक राम, अनंत ज्ञान

पंडोह-सयोग में माता त्रिपुर भैरवा का सात दिवसीय मेले का देव परम्पराओं के साथ रविवार को देव धूनो और बाध्य यन्त्रों के साथ भव्य आगाज हो गय। देव आस्था, विश्वास, श्रद्धा भक्ति और लोकसंस्कृति की त्रिवेणी में डूबे इस सांस्कृतिक मेले का उद्घाटन जिला परिषद मंडी के चेयरमैन पाल वर्मा ने त्रिपुरी भैरवा मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ किया।

माता त्रिपुरी भैरवा मेले की शुरुआत माता बुढ़ी भैरवा मंदिर परिसर में माता की पूजा से हुई।

मेला मैदान में शौभायात्रा के अगुवाई के बाद रिबन काटते हुए गाजे बाजे के साथ मंच पर माता सरस्वती को दीप प्रज्वलित करते हुए मेले का विधिवत शुभारंभ किया। मेले की शुरुआत माता बुढ़ी भैरवा मंदिर परिसर में माता की पूजा से हुई। जहां स्थानीय पांच देवी-देवताओं की उपस्थिति ने पंडोह को भक्तिमय कर दिया। पारंपरिक वेशभूषा और बाध्य यंत्रों की गहरी गुंज के साथ मेले की पहली जलेव निकली। जिसने प्राचीन मेला स्थल पीपल के ब्रह्मा की पुजा की गई। बाबा लखदाता पीर का विधि विधान के साथ स्वागत और पुजन हुआ। जहां पंचायत प्रधान विना महंत, उप प्रधान फते राम, पूर्व प्रधान नरेन्द्र पाल वैध, भोलू उर्फ चंदन और जमनगीर ने टमक बजा कर मेले की दिव्य ध्वनि के साथ पारंपरिक परंपरा नाटी का आगाज किया।

मुख्यातिथि पाल वर्मा ने टमक बजाकर मेले में अपनी उपस्थिति दर्ज की। माता त्रिपुरी भैरवा मंदिर से मेला ग्राउंड तक निकाली गई पारंपरिक शोभायात्रा- जलेव ढोल-नगाड़ों, करनाल, नृत्य और गीत-संगीत के साथ पूरे क्षेत्र में आस्था और उमंग का संचार करती नज़र आई। ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं और बच्चों ने पारंपरिक परिधानों में भाग लेकर इस सांस्कृतिक उत्सव को एक उत्सवधर्मी रंग दे दिया।

मेला आयोजन समिति की अध्यक्ष एवं स्योग पंचायत प्रधान वीना महंत ने मुख्य अतिथि पाल वर्मा को पारंपरिक शाल, टोपी और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वीना महंत ने कहा कि माता त्रिपुरी भैरवा का यह मेला हमारी सांस्कृतिक पहचान है। इसमें सभी क्षेत्रवासी एक परिवार की तरह सम्मिलित होकर हमारी समृद्ध परंपराओं को जीवंत बनाए रखते हैं। पाल वर्मा ने कहा कि ऐसे मेलों के आयोजन से हमारी लोकसंस्कृति को संरक्षण और नई पीढ़ी को हमारी परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। यह मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इस अवसर संजय ठाकुर पूर्व जिला महामंत्री भाजपा, सौरव गुलेरिआ उर्फ़ कान्हा मंडल महामंत्री युवा मोर्चा, ललित ठाकुर जिला सचिव युवा मोर्चा, मनोज जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मेला 14 सितंबर तक चलेगा, जिसका समापन समारोह भी भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा। पूर्व मंत्री एवं विधायक अनिल शर्मा इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और समापन समारोह को संबोधित करेंगे। इस वर्ष मेले में स्थानीय लोककलाओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पारंपरिक व्यंजनों और धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला देखने को मिलेगी, जो इसे एक संपूर्ण लोकआस्था और संस्कृति के उत्सव का स्वरूप देती है।

बरोट-छोटा भंगाल घाटी की सड़कों की बहाली में जुटा लोक निर्माण विभाग

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान

बरोट। हाल ही में हुई मूसलधार बारिश के बाद बरोट और छोटाभंगाल घाटी को जोड़ने वाली कई प्रमुख सड़कें बंद हो गई हैं। बरोट-घटासनी, थल्टूखोड़-ग्रामण, थल्टूखोड़-मढ़, बरोट-मियोट, मुल्थान-बड़ा ग्रां, मुल्थान-लोहारड़ी, तथा बीड़-राजगुंधा-बड़ा ग्रां सड़क मार्ग भारी ल्हासों और डंगे ढहने के कारण अवरुद्ध हो गए हैं। लोक निर्माण विभाग के उपमंडल झटिंगरी और बीड़ के अधीन टीमें युद्ध स्तर पर बहाली कार्य में लगी हैं। झटिंगरी के कनिष्ठ अभियंता देशराज ने बताया कि थल्टूखोड़-ग्रामण और बरोट-मियोट सड़कें छोटे वाहनों के लिए आंशिक रूप से खोल दी गई हैं। जबकि गुराहला और आरके पैलेस के पास अभी भी मलबा गिरने का क्रम जारी है। यहां बड़ी मशीनों की मदद से सड़क चौड़ी करने का काम चल रहा है। उधर, बीड़ उपमंडल के कनिष्ठ अभियंता दिनेश कुमार ने बताया कि राजगुंधा मार्ग में छिछड़ और खडोल के पास भारी दलदल हटाने के लिए एलएनटी मशीन तैनात की गई है। मुल्थान-लोहारड़ी मार्ग पर भी लगातार कार्य जारी है, लेकिन पुरानी हेचरी के पास मलबा हटाने में कठिनाई आ रही है। मौसम अनुकूल रहा तो एक-दो दिन में सभी मार्ग पूर्ण रूप से बहाल कर दिए जाएंगे।

बरोट-घटासनी और अन्य मार्गों पर भारी भूस्खलन

कांग्रेस की कथनी-करनी में फर्क : जम्वाल

विधायक बोले- प्रदेश की सुक्खू सरकार हर वर्ग के खिलाफ

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता राकेश जम्वाल ने सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने ओपीएस का झुनझुना दिखाकर सत्ता तो हथिया ली, लेकिन अब उसी कर्मचारियों के वर्ग को सबसे ज्यादा प्रताड़ित किया जा रहा है। हायर ग्रेड-पे की अधिसूचना अचानक वापस लेकर सरकार ने प्रदेश के लगभग 20,000 से 25,000 कर्मचारियों की तनख्वाह में 5 से 15 हजार रुपये तक की सीधी कटौती कर दी है। इससे सरकारी दफ्तरों में असंतोष और असमंजस का माहौल है। जम्वाल ने कहा कि यह सरकार वादे करने और फिर पलटने की राजनीति करती है।

कहा- वेतन में 5 से 15 हजार की कटौती से कर्मचारी प्रभावित

कांग्रेस ने गारंटी के नाम पर जनता को भ्रमित किया और सत्ता में आते ही एक-एक गारंटी का गला घोंट दिया। आज किसान, बागवान, व्यापारी, महिला, युवा और बुजुर्ग—हर वर्ग कांग्रेस सरकार की नीतियों से त्रस्त है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उनका प्रशासनिक अनुभव शून्य है, इसलिए बिना सोचे-समझे फैसले ले रहे हैं जिनका खामियाजा जनता और कर्मचारी दोनों भुगत रहे हैं। अब तक कोई ऐसा निर्णय नहीं है जो विवादों से बचा हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस न रोजगार दे पा रही है, न राहत। सिर्फ बोझ और महंगाई बढ़ाई गई है। भाजपा हर मंच पर कर्मचारियों और जनता के हक की लड़ाई लड़ेगी और कांग्रेस की कथनी-करनी को उजागर करती रहेगी।

सुक्खू सरकार छीन रही लोगों की सुविधाएं पतन की राह पर हिमाचल: जयराम ठाकुर

अनिल शर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

मंडी। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा है कि प्रदेश की सुक्खू सरकार लोगों को देने के बजाय उनसे सुख-सुविधाएं छीनने पर आमादा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही सरकार लगातार जनता के अधिकारों पर कुठाराघात कर रही है। डीए, मेडिकल बिल, नियमितीकरण का हक, हायर ग्रेड पे और न्यायालय द्वारा मिले वरिष्ठता लाभ तक सरकार छीन चुकी है। लोगों को प्रोत्साहित करने के बजाय हतोत्साहित किया जा रहा है। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के व्यवस्था परिवर्तन की असलियत अब सामने आ गई है, जो वास्तव में दुख और पतन की सरकार बन चुकी है।

कहा-हायर ग्रेड पे वापसी से कर्मचारी निराश

उन्होंने कहा कि सरकार ने लगभग 2000 संस्थान बंद किए हैं और प्रदेश को आगे बढ़ाने की बजाय पीछे ले जाने का काम कर रही है। बिना मंत्रिमंडल गठन के ही संस्थानों पर ताले लगा दिए गए, जो दर्शाता है कि सरकार किस हड़बड़ी और तानाशाही रवैये से चल रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 सितंबर को प्रस्तावित हिमाचल दौरे के लिए उनका आभार जताया और कहा कि धर्मशाला में होने वाली बैठक में वह भी शामिल होंगे और प्रदेश में आपदा से हुए नुकसान की जानकारी देंगे। इससे पूर्व जयराम ठाकुर ने सराज क्षेत्र के खुनाची गांव का दौरा किया और बाढ़ व भूस्खलन प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री बांटी। उन्होंने बताया कि गांव के 50 घर प्रभावित हैं, 12 मकान पूरी तरह से ढह चुके हैं और सेब की फसल सड़ रही है। उन्होंने सरकार से तत्काल पुनर्वास और राहत की मांग की है।

अंतिम अरदास में पहुंचे पूर्व सीपीएस सोहन लाल

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। सुंदरनगर के जंगमबाग में 2 सितंबर को हुए भीषण भूस्खलन में सात लोगों की अकाल मृत्यु का ग्रास बनने के दुखद मामले में रविवार को बीबीएमबी कॉलोनी स्थित गुरुद्वारे में पांच मृतकों का अंतिम भोग अरदास संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व सीपीएस सोहन लाल ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात कर गहरा दुख प्रकट किया और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए अरदास में प्रार्थना की। सोहन लाल ठाकुर ने परिवारजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस कठिन घड़ी में पूरा समाज उनके साथ खड़ा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री सुक्खू का घुमारवीं में अल्प प्रवास छात्रा को दिया आर्थिक मदद का आश्वासन

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

मुख्यमंत्री सुक्खू रविवार को शिमला जाते समय घुमारवीं के विश्राम गृह में कुछ देर रुके। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बारहवीं कक्षा की छात्रा आरती देवी से मुलाकात कर उसकी शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना की और आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं व युवाओं से बातचीत में कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद प्रदेश सरकार शिक्षा, रोजगार और विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

रॉबिन हुड आर्मी ने बाढ़ प्रभावितों को पहुंचाई राहत

पाली पंचायत के सुदूर गांवों में 200 से अधिक परिवारों को राशन व आवश्यक सामग्री की वितरित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

रॉबिन हुड आर्मी की चंडीगढ़ और हिमाचल यूनिट द्वारा मंडी जिला के दरंग विधानसभा क्षेत्र के पिछड़े इलाकों ग्राम पंचायत पाली के गांव शेती, धार और बथलग में बाढ़ राहत कार्य किया गया। ये गांव टकोली सब्जी मंडी के विपरीत दिशा की पहाड़ियों पर स्थित हैं और कुल्लू सीमा से सटे हुए हैं।

संस्था ने लगभग 200 प्रभावित परिवारों को राशन किट, पीने का पानी, महिलाओं के लिए स्वच्छता सामग्री और अन्य जरूरी सामान वितरित किया। रॉबिन हुड आर्मी देशभर में वंचित बच्चों को मुफ्त शिक्षा और आपदा के समय राहत सेवा प्रदान करती है। सभी से आग्रह है कि इस सामाजिक प्रयास से जुड़ें और सहयोगी बनें।

रॉबिन हुड आर्मी ने चंडीगढ़ और हिमाचल यूनिट के संयुक्त प्रयास से दरंग क्षेत्र में आपदा प्रभावितों को पहुंचाई मदद।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए नवोदय परोला और कात्यायनी जनरल स्टोर ने बढ़ाया हाथ

अनंत ज्ञान, जंजैहली

थुनाग, झुडी और देजी के बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय परोला के स्टाफ सदस्यों तथा कांगड़ा क्षेत्र की कात्यायनी जनरल स्टोर द्वारा ₹1,10,000 की धनराशि वितरित की गई। इस पुनीत कार्य में विद्यालय के अध्यापक नेत्र राठौर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आपदा पीड़ितों ने उनके इस मानवीय योगदान के लिए दिल से आभार व्यक्त किया। सहयोग की यह भावना संकट की घड़ी में मानवता की मिसाल पेश करती है। स्थानीय लोग इस मदद को बेहद सराहनीय मान रहे हैं।

आपदा प्रभावितों को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए।

हिमाचल के सांसदों को ढूंढ रही आपदा पीड़ित जनता : ब्रह्मदास चौहान

धनोटू में आपदा राहत और समीक्षा बैठक में बोले कांग्रेस पार्टी के एससी विभाग के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

सुंदरनगर के धनोटू में रविवार नाचन विस क्षेत्र में आई आपदा में राहत और सरकार के कार्यों समीक्षा बैठक प्रदेश कांग्रेस पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रह्मदास चौहान की अध्यक्षता में हुई।

इस बैठक में नाचन और प्रदेश में आई आपदा पर मंथन करते हुए ब्रह्म दास चौहान ने कहा कि हिमाचल प्रदेश पिछले तीन वर्षों से निरंतर भारी बरसात से हर साल वार-बार आई आपदा के कहर झेल रहा है। प्रदेश सरकार ने भारी आर्थिकी तंगहाली से जूझते हुए प्रदेश के आपदा प्रभावितों की मदद के रही है। लेकिन प्रदेश के चुने हुए राज्यसभा और लोकसभा के सात सांसद आपदा में मदद करने के बजाए राजनीतिक बातों से अपनी कमजोरी पर पर्दा डाल रहे हैं। उन्होंने कहा हिमाचल प्रदेश के तीन राज्यसभा सांसद है। मंडी से कंगना रनौत की बात तो सबसे अनोखी है। जिन्होंने मंडी कुल्लू की आपदा में महज बयानबाजी के अलावा कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब हिमाचल की आपदा के लिए बिहार का सांसद मदद भेज रहा है तो प्रदेश के अपने सांसद आपदा में मदद के बजाए अपने ही लोगों से मुंह मोड़ रहे है।जबकि वर्तमान में केंद्र में उनकी बीजेपी की सरकार द्वारा प्रदेश को इस मुश्किल वक्त में आपदा राज्य घोषित करवाकर हिमाचल प्रदेश को आर्थिकी सहायता तुरंत जारी करवानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उनका मंत्री मंडल सराज से लेकर चंबा तक एक्टिव है। आर्थिक तंगी के बाबजूद राहत कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्य मंत्री की सेवा की मिसाल प्रदेश की जनता ने कोविड के समय भी देखी है। मगर पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रति पक्ष जय राम ठाकुर भी अपने भाजपा सांसदों की तरह सिर्फ बेतुकी बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह खुद नाचन क्षेत्र के आपदा प्रभावित इलाकों का एक बार फिर दौरा कर प्रभावितों की दी गई मदद को सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर मदद के कामों में सहयोग देने का आह्वान किया।

सुंदरनगर के धनोटू में प्रेसवार्ता करते हुए ब्रह्मदास चौहान।

सबसे बड़ा धर्म है अपने स्वभाव के प्रति सच्चा होना और स्वयं पर विश्वास करना। -स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

खालिस्तानी साजिश

कनाडा और खालिस्तानियों का रिश्ता कोई नया नहीं है। दशकों से भारत यह कहता आ रहा था कि कनाडा की धरती खालिस्तान समर्थक तत्वों की गतिविधियों का ठिकाना बन चुकी है। भारत कई बार सबूत भी देता रहा, लेकिन वहां की सरकारें अनसुना कर देती थीं। खासकर जब जस्टिन ट्रूडो प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने भारत की चेतावनियों को नजरअंदाज किया। उल्टा भारत पर ही आरोप लगाने की राजनीति की अब तस्वीर बदल रही है। कनाडा के नए प्रधानमंत्री जॉन कार्नी ने सत्ता संभालते ही इस मुद्दे पर गंभीरता दिखाई है। उनकी सरकार की एक रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि खालिस्तान समर्थक संगठन जैसे बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन को फंडिंग कनाडा से हो रही है। यह फंडिंग एनजीओ, डोनर नेटवर्क और वहां बसे समर्थकों के जरिए पहुंचाई गई। भारत जो वर्षों से कह रहा था, अब कनाडा की सरकार ने खुद स्वीकार कर लिया है। इसका मतलब है कि भारत की आशंकाएं केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं थीं, बल्कि ठोस हकीकत थीं। खालिस्तानी नेटवर्क की जड़ें पंजाब में गहरी हैं। वे पंजाब को दो हिस्सों में बांटकर खालिस्तान नाम का अलग देश बनाना चाहते हैं। इसका बीज 1980 के दशक में पड़ा था जब भिंडरावाला जैसे उग्रवादी नेता ने युवाओं को गुमराह किया। इंदिरा गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाकर उस समय इस आंदोलन को तो कुचल दिया था, लेकिन उसकी चिंगारी पूरी तरह बुझी नहीं। धीरे-धीरे यह फिर से ताकतवर होती गई, खासकर विदेशों में बसे सिखों के बीच।

कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका में बैठे समर्थक लगातार पैसा और समर्थन जुटाते रहे। कनाडा में यह नेटवर्क बहुत संगठित तरीके से काम करता रहा है। यहां तक कि धार्मिक कार्यक्रमों और गुरुद्वारों के जरिए भी चंदा इकट्ठा करके उसे खालिस्तान समर्थक संगठनों तक पहुंचाया जाता है। यह फंडिंग सिर्फ भारत विरोधी गतिविधियों तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि कनाडा से हिज्बुल्लाह और हमास जैसे आतंकी संगठनों को भी मदद मिलती रही है। यानी मामला केवल भारत की सुरक्षा से जुड़ा नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद से भी जुड़ा है। कनाडा लंबे समय तक इस समस्या से आंखें मूंदे रहा। वजह साफ थी-वोटबैंक की राजनीति। वहां सिख समुदाय की अच्छी-खासी संख्या है और राजनीति में उसका सीधा असर पड़ता है। यही कारण रहा कि ट्रूडो जैसे नेता खालिस्तान समर्थक गतिविधियों पर खुलकर कार्रवाई नहीं करते थे, लेकिन समस्या अब इतनी गंभीर हो गई है कि इसे अनदेखा करना संभव नहीं रहा। खुद कनाडा की सुरक्षा एजेंसियों ने मान लिया है कि ये संगठन देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। भारत के लिए यह रिपोर्ट एक राहत की खबर है। भारत लगातार कहता रहा कि खालिस्तान समर्थकों पर लगाम कसो, वरना नतीजे अच्छे नहीं होंगे, लेकिन भारत की चेतावनी को हमेशा राजनीति की नजर से देखा गया। अब जब कनाडा खुद मान रहा है कि उसकी जमीन से आतंकवाद को फंडिंग हो रही है तो निश्चित ही भारत की बात को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूती मिलेगी। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि आज का खालिस्तानी आंदोलन धार्मिक रंग में लिपटा जरूर है, लेकिन इसका असली मकसद राजनीतिक है। यह आंदोलन पंजाब के युवाओं को गुमराह करके अलगाववाद की आग में झोंकना चाहता है। खालिस्तान समर्थक अपनी जड़ों से दूर कनाडा या ब्रिटेन में बैठे हुए भारत को अस्थिर करने की साजिशें रचते हैं।

दुख की बात यह है कि कुछ भोले-भाले नौजवान उनके बहकावे में आकर हथियार उठाने को तैयार हो जाते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आगे क्या होना चाहिए? कनाडा ने पहली बार सच्चाई स्वीकार कर ली है, लेकिन केवल रिपोर्ट जारी करने से बात नहीं बनेगी। जरूरत है ठोस कार्रवाई की। जो एनजीओ और डोनर नेटवर्क इस फंडिंग में शामिल पाए जाएं, उन पर तुरंत प्रतिबंध लगाया जाए। खालिस्तान समर्थक नेताओं और प्रचारकों पर सख्ती हो। गुरुद्वारों का इस्तेमाल राजनीतिक और आतंकी मकसद के लिए हो रहा है तो उस पर भी नियंत्रण लगाया जाए। भारत और कनाडा के रिश्ते पिछले कुछ सालों से तनावपूर्ण रहे हैं। खालिस्तान समर्थकों की वजह से रिश्तों में खटास आई। ट्रूडो के समय तो हालात इतने बिगड़े कि दोनों देशों के बीच खुला टकराव दिखाई देने लगा, लेकिन अब मौका है कि दोनों देश इस मुद्दे पर मिलकर काम करें। आखिरकार आतंकवाद किसी एक देश का नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का दुश्मन है। कनाडा को यह समझना होगा कि अगर उसने सख्ती नहीं दिखाई तो कल को वही आतंकी उसके अपने देश के लिए भी खतरा बन जाएंगे।

पाकिस्तान की मिसाल सबके सामने है। उसने आतंकवाद को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाया और आज खुद आतंकवाद की आग में जल रहा है। अगर कनाडा भी वही गलती करेगा तो परिणाम उसे भी भुगतने पड़ेंगे। आज जरूरत है एक साझा रणनीति की। भारत और कनाडा को मिलकर इन नेटवर्क्स पर वार करना होगा। वित्तीय मदद रोकनी होगी, प्रोपेगेंडा मशीनरी तोड़नी होगी और युवाओं को जागरूक करना होगा। अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वक्त में हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं। कुल मिलाकर, कनाडा का यह स्वीकार करना कि उसकी जमीन से खालिस्तानी आतंकियों को फंडिंग हो रही है, एक सकारात्मक शुरुआत है, लेकिन इसे केवल कागजों तक सीमित न रखकर जमीन पर उतारना होगा। भारत ने हमेशा कहा है कि आतंकवाद को पनाह देने वाला अंतत: खुद भी सुरक्षित नहीं रह सकता। इसलिए कनाडा को अब भारत का हाथ थामना होगा और मिलकर इस खालिस्तानी साजिश का अंत करना होगा। यही दोनों देशों के लिए, और पूरी दुनिया के लिए सबसे अच्छा कदम होगा+। ■

आज के दिन की प्रमुख हस्ती

गुजरात की मशहूर महिला चिकित्सक

डॉ. लता देसाई भारतीय राज्य गुजरात की प्रसिद्ध महिला चिकित्सक हैं। अपने पति डॉ. अनिल देसाई व कुछ दोस्तों के साथ मिलकर इन्होंने साल 1980 में एक स्वैच्छिक संगठन 'सोसायटी फॉर एजुकेशन वेलफेयर एंड एक्शन-रूरल' की स्थापना की। भारत सरकार ने उन्हें पद्म श्री (2022) से सम्मानित किया है। 60 के दशक की शुरुआत में बीजे मेडिकल कॉलेज, गांधीनगर, गुजरात में बुनियादी चिकित्सा शिक्षा पूरी करने और 1968 में

डॉ. लता देसाई
जन्म : 8 अगस्त, 1941

शादी करने के बाद डॉ. लता देसाई और उनके पति उच्च अध्ययन के लिए 1972 में अमेरिका चले गए। अमेरिका में लता देसाई ने बाल रोग में विशेषज्ञता हासिल की और अनिल देसाई ने सर्जरी में विशेषज्ञता हासिल की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने यूएस में अपना करियर शुरू किया। हालांकि, कुछ वर्षों के बाद महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद के जीवन और कार्यों से प्रेरित होकर वे कुछ दोस्तों के साथ भारत लौट आए और गुजरात के भरूच जिले के झगड़िया में गैर-लाभकारी सेवा ग्रामीण की स्थापना की। ■

कविता

मां की याद

हरिराम धीमान, नालागढ़

मां, तुम्हारी याद सताती है, दिल को गहराई में ले जाती है।
तीस वर्ष बीते, फिर भी लगता है,
तुम मेरे पास ही हो, हर धड़कन में बसती हो।
बिना घड़ी के समय का ज्ञान, हर काम सटीक, हर पल महान।
सुबह का उजाला, तेरी मुस्कान,
हमको सिखाया जीवन का विधान।
आज है पास महंगी घड़ी, पर वो पाबंदी कहां मिली।
तेरे जैसा अनुशासन न पाया, तेरे जैसा वो हुनर न आया।
अब साठ पार कर गया हूं मैं, पर तेरी छांव खोजता हूं मैं।
तेरे आंचल में छुप जाऊं फिर, दुख-सुख सारे भूल जाऊं फिर।

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

मेरा हिमाचल महान, पूर्ण साक्षर राज्य के रूप में बनाई पहचान

बधाई हो, अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस (8 सितंबर) के मौके पर हिमाचल प्रदेश के माथे पर एक और बड़ी उपलब्धि का मुकुट सजने जा रहा है। हिमाचल पूर्ण साक्षर राज्य बनने की दहलीज पर है। राज्य की साक्षरता दर 99.02 प्रतिशत हो गई है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू आज शिमला में उल्लास मेला कार्यक्रम में हिमाचल को पूर्ण राज्य घोषित करेंगे। वर्तमान में हिमाचल की कुल जनसंख्या 75.02 लाख है। इस हिसाब से अब राज्य में शेष 56,960 लोग ही निरक्षर रह गए हैं। यह उपलब्धि यूं ही हासिल नहीं हुई, बल्कि इसके लिए हिमाचल को 78 साल की कड़ी मेहनत के साथ तपस्या करनी पड़ी। आजादी के बाद से लेकर अब तक भारत ने शिक्षा के क्षेत्र में लंबा सफर तय किया है। पहाड़ी और दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा की लौ पहुंचाना आसान नहीं था, लेकिन हिमाचल ने इस चुनौती को सहर्ष स्वीकारा और उसका डटकर सामना किया। हिमाचल प्रदेश ने जिस तरह शिक्षा की रोशनी को हर गांव, हर घर और हर व्यक्ति तक पहुंचाया है, वह न सिर्फ राज्य, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व की बात है। 1947 में मिली स्वतंत्रता के समय साक्षरता दर महज 7 प्रतिशत थी। 1951 में जब पहली बार जनगणना हुई थी, तब हिमाचल की साक्षरता दर सिर्फ 8.28 प्रतिशत थी। यानी हर 100 लोगों में सिर्फ 8 ही पढ़ना-लिखना जानते थे। महिला साक्षरता की स्थिति तो और भी चिंताजनक थी। उस समय ग्रामीण इलाकों में लड़कियों को स्कूल भेजना सामाजिक तौर पर स्वीकार्य नहीं था।

लोग मानते थे कि लड़कियों को घर संभालना चाहिए, पढ़ाई-लिखाई की कोई आवश्यकता नहीं। वहीं, गरीबी, रोजगार का संकट और स्कूलों की कमी जैसी चुनौतियां तो बराबर बनी रहती थीं, लेकिन धीरे-धीरे हिमाचल सरकार और समाज ने यह समझ लिया कि शिक्षा ही विकास की असली कुंजी है। आजादी के 24 साल बाद 1971 तक हिमाचल प्रदेश की साक्षरता दर 31.96 प्रतिशत तक जा पहुंची। यह उस समय राष्ट्रीय औसत 29.45 प्रतिशत से थोड़ी ही अधिक थी, लेकिन असली छलांग 1980 और 1990 के दशक में लगी। 1991 की जनगणना में हिमाचल प्रदेश की साक्षरता दर 63.86 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि राष्ट्रीय औसत उस समय केवल 52.21 प्रतिशत था। यह अंतर बताता है कि हिमाचल शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ता गया। 2011 की जनगणना के मुताबिक, हिमाचल की साक्षरता दर 82.80 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 74.04 प्रतिशत से काफी ऊपर थी। उल्लास योजना में 2023-25 के बीच 43,850 हिमाचली साक्षर हुए। इसके अलावा पढ़ना-लिखना अभियान में 2022 में एक लाख व्यक्ति साक्षर हुए। इससे पहले सागर भारत योजना में 2017 के तहत 67, 500 लोग साक्षर हुए हैं।

आजादी के समय लोग रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष करते थे, इसलिए शिक्षा को प्राथमिकता नहीं दी जाती थी, लेकिन धीरे-धीरे हालात बदले। सरकार ने प्राथमिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया।

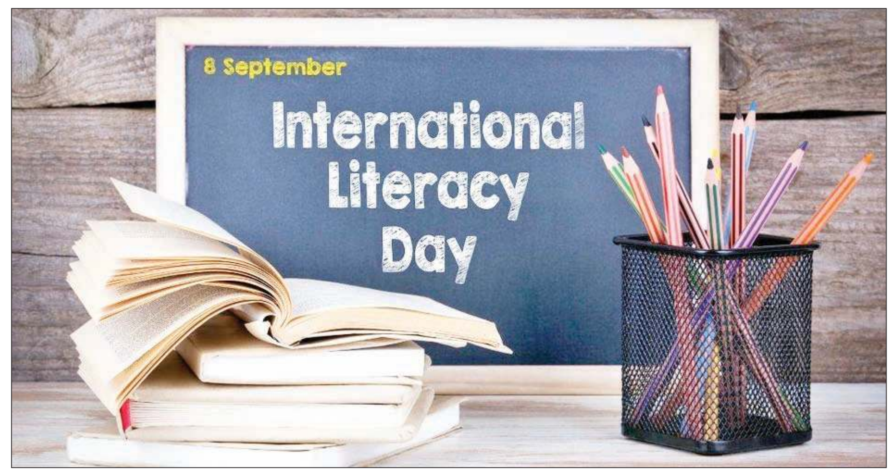

सबसे पहले ग्रामीण इलाकों में स्कूल खोलने की योजना बनी। यह सोच अपनाई गई कि यदि बच्चों को पढ़ाई के लिए दूर जाना पड़ेगा तो माता-पिता उन्हें स्कूल भेजने से हिचकेंगे। इसलिए गांव-गांव में प्राइमरी स्कूल खोले गए। आज हिमाचल के लगभग हर गांव में एक प्राइमरी स्कूल मौजूद है। मिडल, हाई, सीनियर सेकेंडरी स्कूलों की भी अच्छी खासी संख्या है। कॉलेज और यूनिवर्सिटी भी पर्याप्त हैं। प्रदेश के शैक्षणिक ढांचे को प्राइवेट संस्थान भी बढ़ाने में जुटे हैं।

यथार्थ

समरजीत

सरकारों के प्रयासों में सबसे बड़ा योगदान यह रहा कि शिक्षा को अनिवार्य बनाया गया। गरीब परिवारों के बच्चों को नि:शुल्क किताबें, यूनिफॉर्म और मिड-डे मील जैसी सुविधाएं दी गईं। इससे माता-पिता का बोझ कम हुआ और वे बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित हुए। इसके अलावा समय-समय पर स्कॉलरशिप योजनाएं भी चलाई गईं, ताकि पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्र उच्च शिक्षा की ओर भी बढ़ सकें। हिमाचल सरकारों ने महिला शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया, क्योंकि जब तक बेटियां पढ़ी-लिखी नहीं होंगी, समाज में शिक्षा की असली जागरूकता नहीं आ सकती। 1980 और 1990 के दशक में बड़े पैमाने पर साक्षरता अभियान चलाए गए। 'बेटी पढ़ाओ' और 'महिला साक्षरता मिशन' जैसे कार्यक्रमों ने गहरी छाप छोड़ी। आज हिमाचल की महिलाएं न केवल पढ़ी-लिखी हैं, बल्कि सरकारी नौकरियों, अध्यापन, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशासन में भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रही हैं।

कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद हिमाचल ने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत सारी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। नवीनतम राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2025 (परख) के नतीजों में हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर समग्र रैंकिंग में 5वां स्थान हासिल हुआ है, जो बहुत बड़ी बात है। निश्चित रूप से यह उपलब्धि प्रदेश के शिक्षकों, छात्रों और शिक्षा सुधारों का परिणाम है। वर्तमान हिमाचल सरकार शिक्षा को और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है, इसलिए उसने पहली कक्षा से ही अंग्रेजी की पढ़ाई को शामिल कर लिया है। पांचवीं से लेकर बारहवीं कक्षा तक सिलेबस बदला जा रहा है। इस सिलबेस में खासकर हिमाचल के इतिहास, संस्कृति और रीति-रिवाज को शामिल किया जाएगा। सामान्य ज्ञान, सड़क सुरक्षा व नशा मुक्ति भी सिलेबस का हिस्सा होंगे। इसके अलावा सरकार और भी कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इनमें स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देना, स्कूलों में 'ईको सिस्टम' विषय जोड़ना, शिक्षकों को विदेश में एक्सपोजर विजिट पर भेजना, इनडक्शन ट्रेनिंग देना और विद्यार्थियों के लिए स्मार्ट ड्रेस की व्यवस्था करना शामिल है।

साक्षरता की इस यात्रा में कई चुनौतियां भी सामने आईं। सबसे बड़ी चुनौती रही भौगोलिक स्थिति। पहाड़ों और दुर्गम क्षेत्रों तक स्कूलों को पहुंचाना आसान नहीं था। सर्दियों में भारी बर्फबारी और बरसात के मौसम में भूस्खलन के कारण बच्चों का स्कूल जाना रुक जाता था, लेकिन सरकारों ने हार नहीं मानी। मोबाइल स्कूल, तिरपालों के नीचे कक्षाएं और कभी-कभी शिक्षकों द्वारा बच्चों के घर जाकर पढ़ाना जैसी पहलें की गईं। धीरे-धीरे सड़क संपर्क बेहतर हुआ और शिक्षा के लिए माहौल भी सुधरा। दूसरी चुनौती थी सामाजिक मानसिकता। पुराने समय में खासकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में पहले लड़कियों को ज्यादा नहीं पढ़ाते थे और उनकी जल्दी-जल्दी शादी कर दी जाती थी, लेकिन धीरे-धीरे जागरूकता आई और लोगों की समझ बढ़ी। पंचायतों, महिला मंडलों और स्थानीय संगठनों ने इस सोच को बदला। महिलाओं ने खुद साक्षरता कक्षाओं में भाग लिया और अपने बच्चों को भी पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। जनता की भागीदारी भी इस सफर की बड़ी ताकत रही। आज लड़कियां लड़कों के मुकाबले पढ़ाई-लिखाई में काफी आगे हैं और उनसे ज्यादा सरकारी नौकरियों में हैं। हिमाचल के लोग शिक्षा को अपने जीवन सुधार का जरिया मानते हैं। माता-पिता ने अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए कर्ज तक उठाए। खेती-बाड़ी से होने वाली आमदनी का बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई पर खर्च हुआ। जब आम जनता खुद आगे बढ़कर शिक्षा को अपनाने लगे तो धीरे-धीरे पूरे राज्य का माहौल बदल गया। इस सबके बीच, शिक्षकों की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई शिक्षक ऐसे हैं जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अध्यापन जारी रखा। बर्फबारी वाले इलाकों में बच्चे गर्म कपड़े पहनकर स्कूल पहुंचे और शिक्षक भी कक्षा में बच्चों को पढ़ाने के लिए डटे रहे। शिक्षा से समाज में जागरूकता बढ़ती है। लोग अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझने लगते हैं। जाहिर सी बात है कि इससे लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी, क्योंकि पढ़ा-लिखा नागरिक मतदान का महत्व समझता है और सही प्रतिनिधि चुन सकता है। शिक्षा हर व्यक्ति का आर्थिक विकास करती है। पढ़ा-लिखा समाज नई तकनीक अपनाने में पीछे नहीं रहता। चाहे वह कृषि क्षेत्र में आधुनिक तरीके हों या उद्योगों और पर्यटन में नए प्रयोग, साक्षर लोग इन्हें आसानी से सीखकर लागू कर सकते हैं। इससे रोजगार के अवसरों में इजाफा होता है और इससे निश्चित रूप से राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। यही नहीं, शिक्षा महिलाओं की स्थिति में भी सुधार लाती है। शिक्षा हमेशा से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाती रहती है। पढ़ी-लिखी महिलाएं अब घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहती हैं, बल्कि नौकरी करती हैं, व्यापार चलाती हैं और सामाजिक संगठनों में सक्रिय भागीदारी भी बखूबी निभाती हैं। साक्षरता का सीधा असर स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी पड़ता है। पढ़ा-लिखा व्यक्ति अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहता है, साफ-सफाई का ध्यान रखता है और बीमारियों से बचने के उपाय समझता है। यही वजह है कि हिमाचल में स्वास्थ्य सूचकांक लगातार बेहतर हो रहे हैं।

पर्यटन और सेवाक्षेत्र में भी हिमाचल की साक्षरता एक नई पहचान बना रही है। जब हर कोई पढ़ा-लिखा होगा तो हिमाचल में देश-विदेश से आने वाले लोगों को संवाद करने में आसानी होगी। इससे राज्य की छवि और भी सशक्त होगी। हालांकि, अब भी कुछ चुनौतियां बनी हुई हैं। सिर्फ पढ़ना-लिखना ही काफी नहीं होता, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी जरूरी है। अब राज्य को ध्यान देना होगा कि बच्चे सिर्फ साक्षर ही न रहें, बल्कि आधुनिक ज्ञान और कौशल से भी लैस हों। नई तकनीक, कंप्यूटर शिक्षा और डिजिटल साक्षरता पर जोर देना समय की मांग है। बहरहाल, हिमाचल प्रदेश पूर्ण साक्षर राज्य बन गया है, इसलिए जश्न तो बनता है। यह न केवल राज्य की मेहनत और लगन का परिणाम है, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण भी है। अब जरूरत है कि इस उपलब्धि को आगे बढ़ाने की और हिमाचल को शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की। जब हर नागरिक पढ़ा-लिखा और जागरूक होगा, तभी विकास की असली तस्वीर सामने आएगी।

रिस्पांस करें: editoranantgyaan@gmail.com

देश में समरसता लानी है तो स्कूलों की एक व्यवस्था देनी होगी

कभी कभी सोचता हूं कि मैकाले ने कितना बड़ा उपकार किया इस देश पर कि शिक्षा के क्षेत्र में उसके महज चार साल के काम ने उसके लगभग डेढ़ सौ साल बाद भी हमारे देश में शिक्षा की हर समस्या का ठीकरा उसके सर पर फोड़ने की सुविधा दे दी वर्ना तो हम मासूम लोग अपनी कुंठाओं, असफलताओं को किसके मत्थे मढ़ते ? हमारी नीतियों, हमारी मानसिकता, हमारे समाज में तो जी सब चंगा सी, सब किया धरा मैकाले का है। हालांकि जिस गुरुकुल परंपरा का हम जयगान करते नहीं थकते उसमें शुद्रों, महिलाएं तो छोड़िए किसानों और आमजन के पाल्यों की भी कहीं कोई चर्चा नहीं मिलती। वह व्यवस्था मात्र ब्राहम्णों, राजाओं, सामंतों, सवर्णों और वैश्यों के लिए ही होती थी।

सुरजीत सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर, नूरपुर कॉलेज

आधुनिक शिक्षा व्यवस्था ने विद्यालय के दरवाजे तो सबके लिए खोले पर दिमाग के दरवाजे में जंग लगा ही रहा। एक पीढ़ी पहले तक भयंकर वर्णव्यवस्था थी, तमाम कहानियां हमारे पिताओं की पीढ़ी के पास हैं जिसमें सवर्ण अध्यापकों ने दलित छात्रों के साथ पशुवत व्यवहार किया था। अभी भी ग्रामीण अंचल के विद्यालयों में जातिवाद मिटा नहीं है बस उतने खुलेआम यह दर्शाया नहीं जाता, यानद्ध पहले विद्यालयों में कास्ट प्रभावी था। अब बदलते समय के साथ क्लास प्रभावी है। जो समर्थ हैं वह आलीशान, महंगे पांच सितारा विद्यालयों में अपने पाल्यों को भेजते हैं, यहीं मैकाले फिर याद आते हैं और याद आता है उनका निस्यंदन सिद्धांत, इतिहास गवाह है कि समाज के उच्च वर्ग के रहन सहन, आचार विचार में जो भी परिवर्तन आते हैं वह छन छन कर मध्य और निम्न वर्ग तक देर सबेर पहुंचते ही हैं, चाहे वह परिवर्तन अच्छे हों या बुरे पर प्रभावी होते हैं यह निश्चित है। शादी विवाहों में तड़क-भड़क, दिखावा इसका एक प्रमुख उदाहरण है कि जिनके पास अथाह पैसा था, उन्होंने भव्य शादियां की तो उनकी देखादेखी मध्य और निम्न वर्ग भी वैसी ही भड़कीली शादियां करने लगा है।

भले ही इसके लिए वह गले गले तक कर्ज में डूब जाए, तो जब उच्च वर्ग के बच्चे महंगे

स्कूलों में पढ़ने जाने लगे तो मध्य वर्ग कैसे पीछे रहे और मध्य वर्ग की देखादेखी निम्न वर्ग में सपने क्योंकर न जगें? तो बात हो रही थी क्लास (वर्ग)की कि पहले विद्यालयों में कास्ट(जाति) प्रभावी था, अब क्लास(वर्ग) प्रभावी है। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी जी ने कहा था कि भारत में छोटी सी छोटी जाति भी अपने से छोटी जाति ढूंढ लेती है तो बदलते समय में हर कोई अमीर बनने(दिखने) की होड़ में अपने क्लास को अपग्रेड करने की जुगत में लगा रहता है। शिक्षा एक माध्यम है अपने संस्कारगत स्वभाव को सहलाने के लिए कि अलाने का बच्चा उस स्कूल में जा रहा तो मेरा क्यों न जाए।

आज के समय में यदि समर्थ व्यक्तियों, उच्चाधिकारियों, नेताओं या अभिनेताओं के बच्चे सरकारी स्कूल में जाने लगें तो विभाग की सूरत बदल जाएगी, यदि समाज में समरसता लानी है तो एक व्यवस्था देनी होगा, पैसे वालों के लिए चमचमाते राजपथ और निर्धनों के लिए पंकिल रास्ते की व्यवस्था से समाज में, व्यवस्था में, मानसिकता में कोई परिवर्तन नहीं होगा, याद आता है एक टर्किश सीरियल जिसमें एक बहुत बड़े और रोबीले जमींदार का पोता और उसके चौकीदार की बेटी एक ही स्कूल में, एक ही क्लास में पढ़ते थे। वह आपस में लड़ते-झगड़ते हैं, टिफिन शेयर करते थे।

सोचिए क्या उनके टीचर उनमें भेदभाव करके पढ़ा सकते हैं? या पढ़ाने में कोई कोताही कर सकते हैं? क्या आपके देश में यह संभव है? पर हां यदि चौकीदार के बच्चे का स्कूल अलग होता और जमींदार के बच्चे का अलग तो वहां वही हाल होता जो आपके देश में है, अब न कहिएगा कि वह टीवी सीरियल है, उसमें तो कुछ भी दिखा सकते हैं, अगर टीवी सीरियल और फिल्मों में दिखाई बातों को आप काल्पनिक मानते हैं तो क्यों फिल्मों से आहत होकर करणी सेना की तरह तांडव करने लगते हैं?

फिर कहूंगा यदि कृष्ण और सुदामा साथ पढेंगे तो किसी गुरु में हिम्मत नहीं कि वह पढ़ाने में कोताही करे पर यदि केवल सुदामा ही स्कूल में रहे तो गुरुजी भी आराम करेंगे ही और इस पर चिहुंकिये नहीं, अध्यापक भी आपके ही समाज से आते हैं, वही समाज जहां पैसे वालों के लिए अलग आदर, भय, रौब होता है, न यकीन हो तो पास के किसी थाने में चले जाइए देखिए कि एक गरीब से वहां किस तरह व्यवहार किया जाता और एक अमीर से किस तरह, इसी तरह अस्पताल, बैंक, तहसील हर जगह आप पैसे वालों और गरीबों के साथ होने वाले व्यवहारों की तुलना कर सकते हैं। याद रखिए अध्यापक आपके समाज का एक साधारण वेतनभोगी मनुष्य है कोई देवता नहीं कि आप उससे दैवीय गुणों की अपेक्षा रखें! जो आप होंगे उसी का प्रतिबिंब अध्यापक होगा। सरकारी संस्थानों को बचाने की जिम्मेदारी अब उच्च वर्ग के कंधे पर है, वह चाहे तो बचा ले, चाहे तो बेच दे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

देवभूमि में प्राकृतिक आपदाएं गंभीर चुनौती, अब भी संभलने का समय

देवभूमि हिमाचल प्रदेश को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित रखने के लिए सभी हितधारकों को मिलकर काम करना होगा। राज्य के भविष्य को सुरक्षित करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे एक सुंदर और स्थायी निवास स्थान बनाने के लिए पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जिस प्रकार हिमाचल प्रदेश में आपदाओं का कहर बरस रहा है तो अब भी कही न कही हम आपको और सरकार को संभलने का समय है जिस प्रकार अवैध खनन, अवैध भूमि कटान, राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में अवैज्ञानिक रूप से भूमि कटान इत्यादि अनेक कारण माने जाते हैं, इन सभी से अगर हम अभी सचैत और सबक नहीं सीख पाएं तो फिर भविष्य में परिणाम और भी गंभीर बनी सकते हैं, पर्यावरण के नुकसान के कारण अनेक तरह की समस्याएं पैदा हो रही हिमाचल प्रदेश, जिसे देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है।

हेमराज राणा
स्वतंत्र लेखक, सिरमौर

अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, यह राज्य प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ते खतरे का सामना कर रहा है, जिससे व्यापक जनहानि, संपत्ति का नुकसान और बुनियादी ढांचे का विनाश हो रहा है। इन आपदाओं के बढ़ते आवृत्ति और तीव्रता के पीछे कई कारण हैं, जिनमें से जलवायु परिवर्तन एक प्रमुख कारक है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं और तापमान में वृद्धि हो रही है, जिससे अचानक बाढ़, बादल फटना और भूस्खलन जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। इसके अलावा अवैज्ञानिक निर्माण और बुनियादी ढांचे का अत्यधिक विस्तार भी इस समस्या को बढ़ा रहा है।

पहाड़ी ढलानों को बिना वैज्ञानिक तरीके से काटा जा रहा है और प्राकृतिक जलमार्गों को बाधित किया जा रहा है, जिससे भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है, इन आपदाओं से निपटने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार दोनों ही गंभीर प्रयास कर रही हैं। केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं के कारण उत्पन्न स्थिति का आकलन करने के लिए एक केंद्रीय टीम का गठन किया है, इसके

अलावा, मुख्यमंत्री ने आपदा पुनर्वास के लिए भूमि आवंटन, वन नियमों में ढील और नदियों में ड्रेजिंग (गाद निकालने) जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की है। इन प्रयासों के साथ-साथ, वैज्ञानिक तरीके से निर्माण, सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी इन आपदाओं के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

यह महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश इन आपदाओं से निपटने के लिए एक समग्र रणनीति अपनाए, जिसमें पूर्व-चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना, आपदा-रोधी निर्माण को बढ़ावा देना और आपदा प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना शामिल है। इस तरह के उपायों से ही हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखते हुए भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकता है। हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं जिनमें रोकथाम, शमन, तैयारी, प्रतिक्रिया और पुनर्वास शामिल हैं।

राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन को मिलकर काम करना चाहिए, ताकि आपदाओं के जोखिम को कम किया जा सके और लोगों को सुरक्षित रखा जा सके तो वहीं सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य में बाढ़ और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में निर्माण कार्यों को नियंत्रित करना और ऐसी जगहों पर जहां पहले से ही निर्माण हो चुका है, वहां पुनर्वास के उपाय करना। आपदा-प्रवण क्षेत्रों में विकास कार्यों को सीमित करना- महत्वपूर्ण सुविधाओं को सुरक्षित स्थानों पर बनाना और शहरी क्षेत्रों में जल संचयन क्षेत्र विकसित करना। नदी-नालों को रोकना और मोड़ना, नदी-नालों को रोकना और मोड़ना, और अवैध निर्माणों को रोकना। पहाड़ों की कटाई-पहाड़ों की कटाई 45 डिग्री के कोण पर और सीढ़ीदार तरीके से करनी चाहिएं इत्यादि अनेक उपाय किए जा सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

कांगू में खुलेगा पहला आटोमेटिक टेस्टिंग सेंटर

आधुनिक तकनीक से होगी वाहनों की फिटनेस की जांच, भूतल परिवहन मंत्रालय के निर्देश पर चलेगा एटीएस

अनिल शर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

मंडी। जिला के कांगू में प्रदेश का पहला आटोमिटिक सिस्टम सेंटर (एटीएस) खुलने जा रहा है। केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्रालय के दिशा-निर्देश पर हिमाचल परिवहन विभाग की ओर से इस अत्याधिक आधुनिक सुविधाओं लैंस एटीएस की मंडी के कांगू में मंजूरी प्रदान की गई है। जिसके लिए चार बीघा जमीन का प्रावधान करने के साथ ही इसका संचालन करने वाली कंपनी द्वारा साईट पर कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

प्रस्तावित साइट।

इसके स्थापित होने से अब गाड़ियों की पासिंग वाहन मालिकों को सड़कों के किनारे घंटों खड़े रहते हुए अपनी बारी का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और सबसे बड़ी बात अब वाहन मालिकों को अपनी गाड़ी की पासिंग करवाने के लिए परिवहन विभाग के अधिकारियों के आगे-पीछे नहीं घूमना पड़ेगा, मतलब इस प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप नहीं रहेगा। गाड़ियों की पासिंग आटोमेटिक पासिंग सिस्टम से होगी, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक का सहारा लेते हुए एक ही बार में गाड़ी की स्कैनिंग होने से सारी खामियों और खूबियों का पता चल जाएगा।

एटीएस में मोटर व्हीकल नियमों के तहत ही गाड़ी की फिटनेस का टेस्ट लिया जाएगा। इससे एक तो समय की बचत होगी और दूसरा गाड़ी की फिटनेस के बारे में सटीक जानकारी तुरंत मिल जाएगी। आटोमेटक टेस्टिंग सिस्टम जहां आधुनिक सुविधाओं से लैंस होगा। वहीं पर वाहन मालिकों खासकर परिवहन वाहनों के मालिकों को पासिंग की डेट का इंतजार करने के बजाय जब उनके पास समय होगा वे अपनी मर्जी से एटीएस में अपनी गाड़ी की पासिंग करवा सकेंगे। ओटोमेटिक टेस्टिंग सिस्टम की खूबी यह रहेगी की इसमें से गाड़ी के गुजरते ही परी स्कैनिंग हो जाएगी और गाड़ी की फिटनेस में क्या कमियां रह गई है उनका पता चल जाएगा।

संचालक कंपनी को दी चार बीघा जमीन: आरटीओ

आरटीओ मंडी नवीन कुमार शर्मा का कहना है कि रोड ट्रांसपोर्ट हाईवे मिनिस्ट्री की गाईड लाइन का पालन करते हुए हिमाचल परिवहन विभाग की ओर से मंडी जिला के कांगू में आटोमेटिक टेस्टिंग सेंटर स्थापित किया जा रहा है। जिसकी सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद संचालक कंपनी को चार बीघा जमीन भी उपलब्ध करवा दी गई है। उम्मीद है कि तीन से चार माह के भीतर यह एटीएस अपना कार्य शुरू कर देगा। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य केवल प्रमाणिक वाहनों के सड़कों पर चलाने से सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित करना है। पर्यावरण संरक्षण के अलावा केंद्रीय परिवहन एवं भूतल परिवहन मंत्रालय की ऑटोमेटिक फिटनेस को लेकर गाइडलाइन को लागू करना है।

कुंडूनी आपदा पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया माई भारत संगठन

अभिषेक शर्मा, अनंत ज्ञान

जोगिंद्रनगर। नेर घरवासड़ा पंचायत के कुंडूनी गांव में कुछ दिन पहले हुए भूस्खलन से प्रभावित परिवारों की पीड़ा को कम करने के लिए प्रशासन और समाजसेवी संगठन लगातार प्रयासरत हैं। रविवार को जिला मंडी से माई भारत संगठन की टीम कुंडूनी पहुंची। टीम ने न केवल प्रभावित परिवारों से बातचीत की, बल्कि उनकी समस्याओं और जरूरतों को भी गहराई से समझा।

मंडी जिला युवा अधिकारी भारती मनग्रा ने बताया कि माई भारत संगठन इंसानियत के नाम पर प्रभावित परिवारों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। पशुओं के लिए भी चारे की गाड़ियों की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने आगे बताया कि संगठन के स्वयंसेवक आपदा प्रभावित परिवारों के लिए फंड इकट्ठा करेंगे, ताकि आगे भी लगातार मदद पहुंचाई जा सके। इस अवसर पर प्रद्युम्न कुमार ने कहा कि संगठन की टीम हमेशा जरूरतमंद परिवारों के साथ खड़ी रहेगी। वहीं स्थानीय निवासी मेघना ठाकुर ने मंडी से पहुंची माई भारत टीम का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा की टीम ने सोनी इनक्लेव में प्रभावित परिवारों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया था, जिसमें कई जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मिली। इस मौके पर प्रद्युम्न कुमार, तनिशा, पूजा, सोनू, अभय, मान्या और अंकित सहित कई स्वयंसेवक मौजूद रहे, जिन्होंने प्रभावित परिवारों की मदद करने का संकल्प दोहराया।

न्यूज ब्रीफ

करसोग में 2.09 ग्राम चरस सहित चालक पकड़ा

अनंत ज्ञान, करसोग। करसोग के पांगणा क्षेत्र में गश्त के दौरान पुलिस ने बिठरी के पास एक कार (एचपी23-8087) से 2.09 ग्राम चरस बरामद की। चरस चालक सीट कवर में छिपाकर रखी गई थी। जांच के दौरान चालक ने अपना नाम और ड्राइविंग लाइसेंस बताने से इनकार किया और पुलिस से बहस व धमकाने लगा। पुलिस ने मामले में एनडीपीएस एक्ट, भारतीय न्याय संहिता की धारा 221 तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 181 के अंतर्गत करसोग थाना में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

महादेव में 10 दिन से पानी की सुचारु आपूर्ति ठप

भीम बसेड़ू, अनंत ज्ञान, महादेव। नाचन विधानसभा क्षेत्र के एक बड़े भाग में पानी की नियमित आपूर्ति न होने का सिलसिला लंबा हो चला है। खासकर ग्राम पंचायत महादेव में करीब दस दिनों से पानी की आपूर्ति सुचारू न होने से लोगों को माकूल मात्रा में पानी नहीं मिल रहा है जिससे बरसाती मौसम में यानि रिकार्ड बरसे पानी के बावजूद भी ढंग की जलापूर्ति न होना कहीं न कहीं संबंधित विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़ा करती है। लोगों का कहना है कि जल शक्ति विभाग को अपने नाम के अनुरूप गंभीरतापूर्वक काम करने की जरूरत है जबकि बार बार उठाई जा रही मांग के बावजूद भी महादेव में पानी से संबंधित कार्य में सुधार हुआ नहीं दिख रहा है। लोगों ने उपायुक्त मंडी से पुरजोर मांग की है कि समय का ख्याल कर शीघ्र ही पानी की आपूर्ति नियमिततौर पर करने को लेकर कारगर कदम उठाए।

पेंशनरों की मासिक बैठक अब 12 को

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। हिम आंचल पेंशनर संघ इकाई जोगिंद्रनगर चौंतड़ा खंड की 9 सितम्बर को होने वाली मासिक बैठक अब 12 सितम्बर 2025 को आयोजित की जाएगी। महासचिव रमेश पठानिया और वित्त सचिव रविन्द्र शर्मा ने जानकारी दी कि भारी वर्षा से सड़कों के अवरुद्ध होने के कारण यह बैठक स्थगित की गई थी।नई तिथि के अनुसार बैठक 12 सितम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे मीनि सचिवालय जोगिंद्रनगर के सभागार में होगी। बैठक की अध्यक्षता प्रधान एवं राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित नेक राम शास्त्री करेंगे। बैठक में पैंशनरों की वर्तमान समस्याओं पर चर्चा की जाएगी, साथ ही जोगिंद्रनगर क्षेत्र के कुंडनी गांव में भूस्खलन से प्रभावित परिवारों की सहायता हेतु विशेष विचार-विमर्श होगा।नेक राम शास्त्री ने सभी पैंशनरों से निवेदन किया है कि इस आपदा की घड़ी में समाज की मदद के लिए एकजुट होकर आगे आएं और बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी भूमिका निभाएं।

अनिल नेगी लगातार दूसरी बार प्रधान

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। शिक्षा खंड चौंतड़ा-2 लडभड़ोल में राजकीय प्रशिक्षित कला संघ के चुनाव रविवार को वर्चुअल माध्यम से संपन्न हुए। इस दौरान 2025-28 की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। लगातार दूसरी बार अनिल कुमार नेगी पंजालग स्कूल प्रधान चुने गए। उपप्रधान पद पर मेहर सिंह पंडोल स्कूल निर्वाचित हुए। राजेश ठाकुर गवाला स्कूल को सचिव तथा सिनम बाग पंडोल स्कूल को सह सचिव का पद मिला। मदन लाल करसाल स्कूल कोषाध्यक्ष बने, जबकि उप-कोषाध्यक्ष के पद पर सुभाष चंद गोलवां स्कूल चुने गए। सलाहकार पद की जिम्मेदारी संजीव कुमार, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लडभड़ोल को मिली और शिव कुमार, राजकीय उच्च पाठशाला खडीहार ऑडिटर नियुक्त हुए। महिला विंग की ओर से सत्या शर्मा, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भराड़पट्ट प्रधान बनीं, जबकि सचिव पद पर इंदु कुमारी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पंडोल का चयन हुआ। इस चुनाव की अध्यक्षता प्रदेश महिला विंग अध्यक्षा रीता बलयानी ने की, जबकि जिला कार्यकारिणी के वरिष्ठ उपप्रधान ओम प्रकाश ने चुनाव पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई।

समाजसेवी मदन लड़ेंगे जिला परिषद चुनाव

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान बरोट। स्वाड़ गांव के मूल निवासी व वर्तमान में बैजनाथ के सेहल गांव में रह रहे समाजसेवी और शिक्षित युवा मदन ठाकुर ने छोटाभंगाल और बैजनाथ क्षेत्र के बेरोजगार डिप्लोमा धारकों के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर उपलब्ध करवाया है। मदन ठाकुर के प्रयासों से मुल्थान में तीन लिमिटेड कंपनियों के माध्यम से एक दिवसीय साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। चयनित अभ्यर्थियों को तत्काल नियुक्ति दी जाएगी। यह पहल विशेष रूप से दुर्गम क्षेत्रों के युवाओं को ध्यान में रखते हुए की गई है, जहां रोजगार की सीमित संभावनाएं हैं। मदन ठाकुर ने बताया कि वह लंबे समय से समाज सेवा में सक्रिय हैं और अब गुनेहड़ वार्ड-21 से जिला परिषद चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके हैं। वे गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद स्थापित कर रहे हैं।

जालपा कला मंच सेरु में रामलीला 21 से

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर। उपमंडल के जलपेंहड में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जालपा कला मंच सेरु द्वारा 21 सितंबर से 2 अक्टूबर तक रामलीला का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी मंच संचालक दीपन कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि इस रामलीला में प्रभु श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा और आचरण का मंचन किया जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य धर्म, सत्य और मर्यादा का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है। इसमें स्थानीय कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

संत रणजीत सिंह ढंडरियां वाले को परिषद ने नवाजा

आपदा प्रभावितों की सहायता और समाजसेवा में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रतिबद्धता

अनंत ज्ञान, मंडी

अखिल भारतीय दलित, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग परिषद के महासचिव चमन राही के नेतृत्व में परिषद ने गुरुद्वारा परमेश्वर द्वार पटियाला, पंजाब के संत रणजीत सिंह ढंडरियां वाले को आपदा प्रभावितों के लिए उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए हिमाचली शॉल और टोपी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा की विस्तृत जानकारी संत जी को दी गई।

संत रणजीत सिंह को आपदा प्रभावितों के लिए दिए योगदान पर सम्मानित करते हुए अखिल भारतीय दलित, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग परिषद के महासचिव चमन राही।

चमन राही ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के इतिहास में गुरु गोविंद सिंह जी का विशेष योगदान रहा है और यह भूमि संतों, ऋषि-मुनियों तथा देवी-देवताओं की तपोभूमि रही है। ऐसे में जब संतों का मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त होता है, तो समाज सेवा और आपदा राहत जैसे कार्यों को नई दिशा मिलती है। उन्होंने बताया कि संत रणजीत सिंह ढंडरियां वाले ने हिमाचल में शिक्षा, स्वास्थ्य और आपदा पीड़ितों की सेवा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की इच्छा जताई है। संत रणजीत ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सेवा और मानव कल्याण की दृष्टि से अत्यंत पवित्र भूमि है। यहां के लोगों की सहायता करना उनके लिए गुरुओं की कृपा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वे समाजिक बुराइयों को समाप्त करने और युवाओं को धार्मिक व सामाजिक कार्यों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाएंगे। चमन राही ने बताया कि ऐतिहासिक रिवालसर की धरती पर गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सर्वधर्म सम्मेलन आयोजित किया गया था। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए संत रणजीत सिंह ढंडरियां वाले की भी मंडी की पावन भूमि पर सर्वधर्म समागम करवाने की इच्छा है। इसके लिए वे अपनी टीम को भेजकर उचित स्थान और समय का आंकलन करवाएंगे।

चमन राही ने कहा कि परमेश्वर द्वारा चेरिटेबल ट्रस्ट के अंतर्गत स्कूलों स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाना, मेडिकल सुविधा प्रदान करना और जरूरतमंद बच्चों को पठन पाठन सामग्री सहित उच्च शिक्षा में भी सहयोग करते हैं। हिमाचल में भी ऐसे जरूरतमंद बच्चों को भी सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

रूल 7ए को निरस्त करना कर्मचारियों के साथ धोखा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

प्रदेश सरकार द्वारा हिमाचल सर्विसेज (संशोधित वेतन) अधिनियम 2022 में शामिल रूल 7ए को पूरी तरह निरस्त करने के फैसले की कड़ी आलोचना की जा रही है। राज्य स्वास्थ्य समिति अनुबंध कर्मचारी संघ, हिमाचल प्रदेश ने इस निर्णय को कर्मचारियों के हितों के साथ सीधा धोखा बताया है।

सरकार का फैसला कर्मचारी विरोधी, समान वेतन अधिकार को किया नजरअंदाज: नवनीत

संघ के उपाध्यक्ष नवनीत गुलेरिया ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि यह फैसला कर्मचारी विरोधी है और इससे हजारों अनुबंध कर्मचारियों के भविष्य पर संकट आ खड़ा हुआ है। गुलेरिया ने कहा कि यह नियम कर्मचारियों की मेहनत का सम्मान करता था और उन्हें नियमित कर्मियों के समान वेतन पाने की दिशा में एक उम्मीद देता था। लेकिन अब जब केंद्र सरकार और अन्य राज्यों में समान कार्य के लिए समान वेतन की नीति लागू है, हिमाचल में इसे समाप्त करना पूरी तरह भेदभावपूर्ण है। यह केवल वित्तीय असमानता नहीं, बल्कि मनोबल तोड़ने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय कर्मचारियों की आर्थिक तरक्की को रोकने वाला है जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। संघ ने मांग की है कि राज्य सरकार इस निर्णय को तुरंत वापस ले और कर्मचारियों के साथ न्याय सुनिश्चित करे।

कर्मचारियों की लंबित देनदारियों व राइडर अधिसूचना वापसी को लेकर खोला मोर्चा

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर

हिमाचल प्रदेश राजकीय भाषाई अध्यापक संघ ने राज्य सरकार के खिलाफ बड़ा रूख अख्तियार कर लिया है।

संघ ने कर्मचारियों की वर्षों से लंबित चली आ रही डीए की किस्तें और वेतनमान की बकाया राशि तुरंत जारी करने की जोरदार मांग उठाई है। साथ ही हाल ही में 6 सितंबर को जारी की गई राइडर अधिसूचना को कर्मचारी हितों पर कुठाराघात बताते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमराज ठाकुर, सचिव अर्जुन सिंह, संस्थापक नरेंद्र कुमार, संगठन मंत्री धनवीर सिंह, राज्य महिला मोर्चा अध्यक्षा मीरा शर्मा, सचिव डॉ. तारा सहित सभी जिला पदाधिकारी और सामान्य सदस्य इस मुद्दे पर एकजुट होकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे हैं। हेमराज ठाकुर ने कड़ा संदेश देते हुए कहा कि हिमाचल के कर्मचारियों ने राज्य की व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन सरकार उनकी गाढ़ी कमाई और वैधानिक हक को रोककर उनके सब्र की परीक्षा ले रही है।

राजकीय भाषाई अध्यापक संघ ने सरकार के उदासीन रवैये पर चेताया

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने समय रहते इन मुद्दों पर सहानुभूतिपूर्ण और सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो हालात टकराव की स्थिति में पहुंच सकते हैं, जिससे प्रदेश की व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

संघ ने कहा कि कर्मचारी कोई गैर-कानूनी मांग नहीं कर रहे, बल्कि अपनी मेहनत की वैध देनदारियां मांग रहे हैं। कर्मचारियों के हितों की लगातार अनदेखी न केवल अन्याय है, बल्कि इससे प्रदेश भर में असंतोष की लहर फैल सकती है। संघ नेताओं ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि वे इस मामले को व्यक्तिगत स्तर पर गंभीरता से लें और कर्मचारियों को उनका हक लौटाकर उनकी आर्थिक और मानसिक समस्याओं को दूर करें। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने उदासीन रवैया जारी रखा तो हिमाचल प्रदेश के कर्मचारी मजबूर होकर एकजुट आंदोलन की राह पर उतरेंगे, जिसका असर प्रदेश की व्यवस्था और विकास दोनों पर पड़ेगा।

करसोग अस्पताल में छोटे बदलावों से बड़ा सुधार

विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति के साथ आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध

अनिल शर्मा, अनंत ज्ञान

मंडी। हिमाचल सरकार के व्यवस्था परिवर्तन संकल्प का असर अब जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। इसका बेहतरीन उदाहरण करसोग का सिविल अस्पताल है, जहां छोटे लेकिन असरदार बदलावों से स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हो रही हैं। मरीजों को अब अधिक पारदर्शी, सुविधाजनक और व्यवस्थित माहौल मिल रहा है।

ओपीडी में टोकन व्यवस्था भी लागू

सरकार ने अस्पताल को नई एक्स-रे मशीन प्रदान की है और शीघ्र ही सीटी स्कैन सुविधा भी उपलब्ध होगी। साथ ही, स्त्री रोग, शिशु रोग, सर्जन, डेंटल व हड्डी रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति की जा चुकी है। इससे क्षेत्र के मरीजों को बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। ओपीडी में टोकन व्यवस्था लागू कर दी गई है जिससे लाइन में लगने की समस्या खत्म हो गई है। एमरजेंसी के लिए अलग पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की गई है जिससे गंभीर मरीजों का तत्काल इलाज सुनिश्चित हो रहा है।

पारदर्शिता और जागरूकता से बढ़ा विश्वास

अस्पताल प्रशासन हर शाम हेल्थ बुलेटिन जारी करता है, जिससे लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं व आगामी कार्यक्रमों की जानकारी मिलती है। इसके अलावा, टीबी, एचआईवी व मौसमी रोगों पर जागरूकता कार्यक्रम भी नियमित हो रहे हैं।

अस्पताल कर्मचारियों की जांच भी शुरू: बीएमओ

केवल मरीज नहीं, अस्पताल कर्मियों की नियमित स्वास्थ्य जांच भी शुरू की गई है ताकि सेवा प्रदाता स्वयं स्वस्थ रह सकें। बीएमओ डॉ. गोपाल चौहान ने इसे जनहित में बड़ा बदलाव बताया है।

हिमाचल संकट में, सरकार पूरी तरह हांफ चुकी: अजय राणा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय राणा ने कहा कि हिमाचल की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है और सरकार अब पूरी तरह से हांफ चुकी है। उन्होंने कहा कि पहले बिना किसी ठोस योजना और आंकलन के ओल्ड पेंशन स्कीम लागू की गई और अब उसी स्कीम में कॉन्ट्रैक्ट कर्मियों के कोर्ट जाने पर सरकार ने संशोधन कर दिया। राणा ने सवाल उठाया कि क्या यह सारे वादे बिना किसी गुणा-भाग के किए गए थे? उन्होंने कहा कि सरकार ने हिमाचल को मंझधार में फंसा दिया है और अब आम जनता और कर्मचारी दोनों खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने 3 जनवरी 2022 से सिविल सर्विस के कर्मचारियों का हायर ग्रेड खत्म करने की जो घोषणा 6 सितम्बर के पत्र में की है, वह पूरी तरह असहनीय है। यह फैसला कर्मचारियों का मनोबल तोड़ने वाला है और इसका व्यापक विरोध होना तय है। उन्होंने चेताया कि इसके दूरगामी और खतरनाक परिणाम होंगे क्योंकि कोई भी कर्मचारी अब पूरी निष्ठा से काम करने को तैयार नहीं होगा जब उसे अपने हक में कटौती झेलनी पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार के लोग इस तरह की बेशर्मी पर उतर आए हैं जैसे जनता कुछ समझती ही नहीं।

ओपीएस व हायर ग्रेड पर यू-टर्न से ठगा महसूस कर रहे कर्मी-लोग

अजय राणा ने आरोप लगाया कि सत्ता में आने से पहले जो वादे किए गए थे, वे अब ध्वस्त हो चुके हैं और मुख्यमंत्री सुक्खू उन वादों से पूरी तरह पलट चुके हैं। अजय राणा ने अंत में कहा कि सरकार की मौजूदा कार्यशैली से हिमाचल बहुत ही गंभीर संकट की ओर बढ़ रहा है और आने वाले समय में इसके भयंकर परिणाम सामने आएंगे।

सरकाघाट में 12 तक चलेगी 'आंखें खोलो सरकार' हड़ताल

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। एनएच निर्माण से जुड़ी समस्याओं और आम जनता की परेशानियों को लेकर धाड़ता क्षेत्र से संबंध रखने वाले सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रमेश चंद भारद्वाज ने सोमवार से सरकाघाट में आंखें खोलो सरकार नामक सांकेतिक हड़ताल की शुरुआत कर दी है। यह हड़ताल 12 सितंबर तक जारी रहेगी। यह हड़ताल एनएच निर्माण में व्याप्त अनियमितताओं, घटिया निर्माण गुणवत्ता और प्रभावित लोगों की समस्याओं को लेकर 50 सूत्रीय मांग पत्र के माध्यम से सरकार, प्रशासन और निर्माण कंपनियों के खिलाफ एक शांतिपूर्ण विरोध है। रमेश चंद भारद्वाज ने बताया कि प्रभावित परिवारों ने कई बार केंद्र व राज्य सरकार के समक्ष अपनी बात रखी, मगर अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने कहा सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंगी, इसलिए अब हमें सड़क पर उतरना पड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हड़ताल भूख हड़ताल नहीं है। हड़ताल में शामिल लोग भोजन ग्रहण करके बैठेंगे ताकि न उनका स्वास्थ्य बिगड़े व न प्रशासन पर अनावश्यक बोझ पड़े। हड़ताल के शुभारंभ अवसर पर सरकाघाट खंड महासचिव रणजीत सिंह, प्रदेशाध्यक्ष हरिदास प्रजापति सहित अन्य गणमान्य पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बलदेव पराशर को अध्यक्ष और ललित जम्वाल को मिली सचिव की जिम्मेदारी

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

सेवा भारती जिला सरकाघाट इकाई का गठन प्रांत संगठन मंत्री राकेश शर्मा व विभाग प्रमुख राजकमल की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें अध्यक्ष बलदेव प्राशर, उपाध्यक्ष विनोद, सचिव ललित जमवाल, कोषाध्यक्ष विजय ठाकुर, शिक्षा आयाम प्रमुख लेखराज, स्वास्थ्य आयाम प्रमुख विक्रम, मुख्य संरक्षक सोहन सिंह शास्त्री, संरक्षक डॉक्टर राजकुमार, सामाजिक आयाम प्रमुख संतोष व रक्षा देवी, किशोरी लाल, ओमचंद्र, रमेश चंद्र, हर्षवर्धन, मनोहर लाल, वर्षा व मोहित राणा को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। इस चयन के बाद आपदा प्रभावित लोगों को पूरी टीम द्वारा राहत सामग्री उपलब्ध करवाई गई, जिसमें प्रवीण, अजय, धर्मवीर, मनोहर लाल, सुशील, ताराचंद, पूजा देवी व संतोष को यह सामान सर्विस नोऊ सर्विस कंपनी द्वारा सामान उपलब्ध करवाया गया।

क्षत्रिय संघ सुंदरनगर ने मनाई स्वतंत्रता सेनानी ठाकुर गोकल सिंह की जयंती

भीम बसेड़ू, अनंत ज्ञान

महादेव। क्षत्रिय संघ सुंदरनगर ने रविवार को महादेविया निवास में बिलासपुर से संबंधित लाहौर आदि की जेल में रहे स्वतंत्रता सेनानी ठाकुर गोकल सिंह की 108वीं जयंती समाजसेवी जय सिंह की अध्यक्षता में मनाई ।हर बरस की तरह इस बार भी भारी उपस्थिति में क्षत्रिय संघ द्वारा मनाई गई जयंती के ध्वजवाहक कृष्ण चंद्र महादेविया ने जहां नतमस्तक होकर संगठन मजबूती का आह्वान किया।

स्वतंत्रता सेनानी ठाकुर गोकल सिंह की जयंती मनाने के दौरान।

इसके साथ ही गोकल सिंह को खासकर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत महादेव के प्रधान नीलकमल सहित प्रिया जसवाल, अनिता शर्मा, विनोद चौहान, श्याम लाल, राजेश भारती, तेज सिंह, सेवामुक्त सूबेदार भगत राम, उत्तम चंद, पहलवान जितेन्द्र चौहान, मंडी जिला क्षत्रिय संघ के प्रधान बलदेव सिंह के साथ भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। यही नहीं क्षत्रिय संघ के जुड़े लोगों ने अपने राजपूती इतिहास संबंधी बात पर एक स्वर में जोर दिया और अपने खोए बुजूद को हासिल करने का अपना संकल्प दोहराया। इसी बीच खांदला (बल्ह क्षेत्र) के समाजसेवी जय सिंह ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

जिम्मेदारी सुंदरनगर के वन प्रशिक्षण संस्थान में सेवानिवृत्त न्यायाधीश महंत राम चौधरी की देखरेख में हुए चुनाव

अभिषेक ठाकुर को हिमाचल खो-खो संघ की कमान

उमेश, अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ की कमान एडवोकेट अभिषेक ठाकुर को लगातार दूसरी मर्तबा मिल गई है। रविवार को मंडी जिला के सुंदरनगर स्थित वन प्रशिक्षण संस्थान में हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ के चुनाव सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जस्टिस महंत चौधरी की देखरेख में हुए, जिसमें एडवोकेट अभिषेक ठाकुर को सर्वसम्मति से हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ का प्रदेशाध्यक्ष चुना गया।

चुनाव प्रक्रिया में मंडी जिला खो-खो संघ के चेयरमैन रिंपल चौधरी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस मौके पर ऊना जिला से डा. आर के डोगरा चेयरमैन, बिलासपुर से पवन ठाकुर व ऊना से प्रवीण दुबे वरिष्ठ उपाध्यक्ष, चंबा से अनिल भारद्वाज व कुल्लू से कमलेश गुप्ता को उपाध्यक्ष, शिमला से एल आर वर्मा महासचिव, सोलन से सी एल तनवर कोषाध्यक्ष, सोलन से देवी दत्त तनवर सीईओ, कांगड़ा से डा. संजय मनकोटिया, कुल्लू से राकेश कुमार व लाहौल स्पीति से संजीव कुमार संयुक्त सचिव, शिमला से रत्न लाल व बिलासपुर से चुनी लाल संगठन सचिव, लाहौल-स्पीति से हीरा सिंह मुख्य सलाहकार मंडी से एडवोकेट पंकज गुलेरिया कानूनी सलाहकार, शिमला से राकेश बिष्ट कार्यालय सचिव, मंडी से प्यार चंद सकलानी प्रैस सचिव, बिलासपुर से पुरषोत्तम कुमार सहायक प्रैस सचिव, कांगड़ा से सचिन शर्मा लेखाकार, मंडी से भीमा ठाकुर लिंग भेदभाव कमेटी का चेयरमैन, बिलासपुर से प्रदीप कपलेश को आईटी प्रभारी, बिलासपुर से अश्वनी ठाकुर सोशल मीडिया प्रभारी, शिमला से नरेश पाल वर्मा व सरोज ठाकुर, चंबा से पवन शर्मा, सोलन से मेहर चंद, चंबा से मुनीश कुमार, कुल्लू से पितांबर राणा, शिमला से हंसराज शर्मा व मंडी से प्रेम सिंह ठाकुर कार्यकारी सदस्य जबकि कुल्लू से नीतू राणा, बिलासपुर से रंजना जम्वाल, कांगड़ा से मोनिका व सोलन जिला से हेमपुष्पा को एथलीट आयोग का सदस्य चुना गया।

हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ की नई कार्यकारिणी सेवानिवृत्त न्यायाधीश महंत राम चौधरी के साथ।

चुनाव में भारत खो-खो महासंघ से महेंद्र कुमार, हिमाचल प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के संयुक्त सचिव प्रदीप शर्मा व जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग से कोच सतिंदर कुमार ने पर्यवेक्षक, एडवोकेट पंकज गुलेरिया ने सहायक चुनाव अधिकारी के रूप में हिस्सा लिया।

बंगाणा के सभी लिंक और मेन सड़कें बंद

आज स्कूल कैसे पहुंचेंगे छात्र, ड्यूटी पर जाने वाले कर्मचारियों को समस्याओं का करना पड़ रहा सामना

अनंत ज्ञान, बंगाणा

बंगाणा उपमंडल में भारी बारिश व भूस्खलन के चलते सड़क यातायात पूरी तरह चरमराया हुआ है।

ऊना-मंडी सुपर हाईवे, जो कि थानाकलां से होकर गुजरता है, शनिवार सुबह आठ बजे थानाखास के कैंची मोड़ पर बंद हो गया। इससे वाहनों को जोगी पंगा होते हुए अघलौर की ओर मोड़ा गया, लेकिन जिस लिंक सड़क से ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है, उसकी हालत भी बेहद जर्जर है। कभी भी यह मार्ग टूट सकता है और संपर्क पूरी तरह बाधित होने का खतरा मंडरा रहा है। पहले से ही थानाकलां से भाखड़ा सड़क बीते दस दिनों से बंद पड़ी हुई है। इसके अलावा पीपलू-बड़सर, पीपलू-भयांबी, बंगाणा-चपलाह, बंगाणा-तलमेहड़ा और रामगढ़ धार की सभी लिंक सड़कें मलबा गिरने और जगह-जगह दरारें पड़ने के कारण यातायात के लिए ठप हैं। गांवों व कस्बों में फंसे लोग न तो सुरक्षित रूप से बाहर जा पा रहे हैं और न ही जरूरत का सामान आसानी से पहुंच पा रहा है। जनता की परेशानी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। स्कूल खुलने का समय आ चुका है, लेकिन सड़कों के बंद रहने से अभिभावक और छात्र दोनों ही दुविधा में हैं कि आखिर स्कूल कैसे पहुंचा जाए। कई पंचायतों के छात्र दस से बीस किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। बुजुर्ग, बीमार और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक पहुंचाना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऊना-मंडी सुपरहाईवे की हालत जगह-जगह से खराब हो चुकी है। सड़क पर दरारें चौड़ी होती जा रही हैं और भारी वाहनों का गुजरना खतरनाक साबित हो रहा है, अगर समय रहते मरम्मत कार्य नहीं हुआ, तो किसी भी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। लोगों का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) मंडल बंगाणा पूरी तरह मुस्तैद नहीं है, न तो मशीनरी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और न ही मौके पर कर्मचारी सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। कई जगहों पर मलबा हटाने का कार्य अधूरा पड़ा है। ग्रामीणों ने खुद पहल कर सड़क पर से छोटे पत्थर और झाड़ियां हटाई हैं, ताकि पैदल रास्ता बन सके। जनता की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित हो चुकी है। किसानों की सब्जियां व दूध समय पर मंडियों तक नहीं पहुंच पा रहे, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। वहीं, आपातकालीन सेवाओं जैसे एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड को भी मौके तक पहुंचने में दिक्कतें आ रही हैं। स्थानीय निवासियों व जनप्रतिनिधियों ने सरकार व प्रशासन से मांग की है कि ऊना-मंडी सुपरहाईवे की त्वरित मरम्मत की जाए और सभी लिंक सड़कों पर फौरन बहाली कार्य शुरू किया जाए, अगर स्थिति पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया, तो हालात और गंभीर हो सकते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले दस दिनों से प्रशासन की तरफ उम्मीद लगाए बैठे हैं, लेकिन अब तक उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला है।

बरसात से निपटने में लोनिवि बंगाणा नहीं था मुस्तैद

हालिया भारी बरसात ने कुटलैहड़ व आसपास के क्षेत्रों में कहर ढाया, लेकिन लोक निर्माण विभाग मंडल बंगाणा की तैयारी न के बराबर रही। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात से पहले विभाग द्वारा न तो नालों की सफाई की गई और न ही वैकल्पिक मार्ग तैयार किए गए।

विभाग सड़कों को खोलने के लिए कर रहा मुस्तैदी से काम

उपमंडल बंगाणा के लोनिवि मंडल बंगाणा के अधिशाषी अभियंता अरविंद लखनपाल ने कहा कि विभाग के कर्मचारी मुस्तैदी से सड़कों को खोलने का काम कर रहे हैं, लेकिन जितना मलबा सड़कों से उठाया जा रहा है, उतनी पहाड़ी सड़कों पर दहक रही है। अभी बारिश का दौर कम हुआ है इसलिए एक-दो दिनों में उपमंडल बंगाणा की सारी सड़कों पर आवाजाही शुरू हो जाएगी।

टकारला मुख्य सड़क पर खड्डा बना हादसों का सबब

अनंत ज्ञान, बड़ूही

उपमंडल अंब के तहत बड़ूही-टकारला मुख्य सड़क पर टकारला मेन बाजार के बीचों-बीच बना गहरा खड्डा लोगों के लिए आफत साबित हो रहा है।

इस खड्डे से होकर गुजरना जहां वाहनों के लिए चुनौती है, वहीं राहगीर और दोपहिया चालक कई बार गिरकर घायल भी हो चुके हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2021-22 में इस सड़क का निर्माण हुआ था। निर्माण के दौरान जल शक्ति विभाग ने पानी की पाइप इसी सड़क के नीचे डाली थी। बाद में पाइप बंद होने पर उसे ठीक करने के लिए विभाग ने लोक निर्माण विभाग से सड़क खोदने की अनुमति ली और 8000 रुपए शुल्क भी जमा करवाया, लेकिन मरम्मत कार्य की जिम्मेदारी विभाग ने गंभीरता से नहीं निभाई। स्थानीय दुकानदार सोनू धीमान ने बताया कि समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होने के बाद करीब 3-4 महीने पहले विभाग ने खानापूर्ति करते हुए इस खड्डे को भरा था, लेकिन हैरानी की बात है कि 8000 रुपए खर्च कर भरा गया यह गड्ढा महज कुछ महीनों में ही फिर से उखड़ गया। ग्रामीणों व दुकानदारों ने सवाल उठाए हैं कि आखिर यह मरम्मत किस गुणवत्ता से की गई थी? क्या केवल रेत डालकर खानापूर्ति की गई? उनका कहना है कि यह विभागीय लापरवाही और घटिया निर्माण कार्य का जीता-जागता उदाहरण है। लोगों ने कहा कि सड़क पर बार-बार की जा रही औपचारिक मरम्मत बंद होनी चाहिए। सड़क सुरक्षा पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि भीड़भाड़ वाले मेन बाजार में रोजाना सैकड़ों वाहनों की आवाजाही के बावजूद विभाग की लापरवाही हादसों को न्यौता दे रही है। लोक निर्माण विभाग अंब के कनिष्ठ अभियंता वरिंदर वर्मा ने कहा कि सड़क रिपेयर की गई थी, लेकिन भारी बारिश के चलते वह दोबारा टूट गई। उन्होंने बताया कि मामला उनके ध्यान में है और जल्द ही इसे ठीक कर दिया जाएगा।

8 हजार रुपए खर्चने के बावजूद तीन महीने में ही उखड़ा काम

न्यूज ब्रीफ

बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी राहत सामग्री

अनंत ज्ञान, संतोषगढ़। स्थानीय नगर की मां नयना कीर्तन मंडली संतोषगढ़ के माध्यम से मंडी में बाढ़ पीड़ितों के लिए रविवार को राशन की 100 से अधिक किटें बनाकर भेजी गईं। त्रिभुवन मिश्रा ने बताया कि इस राहत सामग्री में मंडली व नगरवासियों ने भी पूरा सहयोग कर मंडी में आई बाढ़ पीड़ितों के लिए सामान भेजा।

प्रदेश की पहली गर्भ संस्कार विशेषज्ञ बनी शिखा

हीना पठानिया, अनंत ज्ञान, बड़ूही। हिमाचल प्रदेश की बेटी शिखा मनकोटिया ने प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। ऊना जिले के गगरेट उपमंडल के गांव चलेट निवासी शिखा मनकोटिया हिमाचल की पहली गर्भ संस्कार विशेषज्ञ बनी हैं। शिखा ने लखनऊ विश्वविद्यालय से पढ़ाई के दौरान टॉपर रहकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसके बाद उन्होंने पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन गर्भ संस्कार किया और वर्तमान में शूलिनी यूनिवर्सिटी से योग और गर्भ संस्कार विषय में पीएचडी कर रही हैं। शिखा मनकोटिया का कहना है कि गर्भ संस्कार केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि यह एक वैदिक विज्ञान है। यह विज्ञान न केवल मां और शिशु के स्वास्थ्य से जुड़ा है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को संस्कारित, स्वस्थ और सफल बनाने में भी अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने बताया कि जैसे एक बीज बोने से पहले मिट्टी को तैयार किया जाता है, उसी तरह गर्भ संस्कार मां के गर्भ से ही एक महान समाज की नींव रखता है।

वीनेवाल डेरा श्री चंद महाराज में धार्मिक समागम

अनंत ज्ञान, संतोषगढ़। संतोषगढ़ के नजदीकी गांव के वीनेवाल स्थित डेरा श्री चंद महाराज जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रविवार को मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गद्दी नशीन डेरा प्रमुख केशवा नंद महाराज उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सूफी कलाकार बल्ली बैंस ने एक से एक बढ़कर एक सूफी कलाम गाकर सभी को नाचने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर सेवादार कमल संधु, राजीव कुमार, संदीप, टोनी, शशि वरिंद्र,सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार आपदा राहत में नाकाम, केंद्र पर फोड़ रही अपनी नाकामी का ठीकरा: वीरेंद्र कंवर

अनंत ज्ञान, बंगाणा

हिमाचल प्रदेश में आई आपदा पर राज्य की कांग्रेस सरकार केवल केंद्र पर ठीकरा फोड़कर अपनी नाकामियों को छिपाने में लगी हुई है। यह आरोप पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता वीरेंद्र कंवर ने एक प्रेस बयान में लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व विधायक सतपाल रायजादा द्वारा सांसद अनुराग ठाकुर पर दिए गए बयान पूरी तरह निराधार और राजनीति से प्रेरित हैं। कंवर ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने आपदा राहत के लिए हमेशा प्रदेश की भरपूर मदद की है, लेकिन कांग्रेस सरकार न तो इस मदद को जनता तक पहुंचा पा रही है और न ही अब तक केंद्र से मिली सहायता का खर्च ब्यौरा जारी कर पाई है। कंवर ने कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल को तीन गुना अधिक राहत दी है, मगर प्रदेश की कांग्रेस सरकार अब तक पिछली आपदा के पीड़ितों तक भी मदद नहीं पहुँचा सकी। जिनके घर तबाह हो चुके हैं, उनके पुनर्वास की कोई ठोस व्यवस्था तक नहीं बनी है। राहत के नाम पर केवल लीपापोती हो रही है। उन्होंने कहा कि कुटलैहड़ में भी कांग्रेस सरकार सहायता देने में भेदभाव और राजनीति कर रही है। क्षेत्र में कई दिनों से पेयजल आपूर्ति चरमराई हुई है और मुख्य सड़कों तक को खोलने में सरकार नाकाम साबित हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों की हालत तो और भी दयनीय है।कंवर ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि आपदा में जहां सरकार और प्रशासन को तत्परता से काम करना चाहिए, वहां ढीलापन और उदासीनता साफ दिख रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह केंद्र से मिली सहायता का सही उपयोग करे और जनता को त्वरित राहत देने में संवेदनशीलता दिखाए। प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह केंद्र से मिली सहायता का सही उपयोग करे और जनता को त्वरित राहत देने में संवेदनशीलता दिखाए। कंवर ने बताया कि वे लगातार प्रभावित गांवों में पहुंचकर लोगों की हरसंभव मदद कर रहे हैं।

कुटलैहड़ की सोलहसिंगी धार में बारिश व भूस्खलन का जायजा लेने पहुंचे विधायक विवेक शर्मा

पीड़ित परिवारों को दी फौरी राहत व राशन किट

अनंत ज्ञान, बंगाणा

कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चमयाड़ी, सरोह, खेड़ी व चमुक्खा इन दिनों भारी बारिश व भूस्खलन की मार झेल रही हैं। लगातार हो रही बारिश से यहां की सोलहसिंगी धार सहित कई इलाकों में भूस्खलन ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

कई जगहों पर मकानों की दीवारों में दरारें आ गई हैं, खेत धंस गए हैं और रास्ते बंद हो गए हैं। लोगों के लिए सामान्य जीवन कठिन हो गया है। ऐसे मुश्किल हालात में कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का दौराकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने न केवल पीड़ित परिवारों से मिलकर उनका दुख-दर्द साझा किया, बल्कि राहत सामग्री भी वितरित की। विधायक ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर सुनिश्चित किया कि

जरूरतमंद परिवारों तक तुरंत मदद पहुंचे। भारी बारिश व भूस्खलन से प्रभावित परिवारों को विधायक विवेक शर्मा द्वारा राशन किट, तरपाल और फौरी आर्थिक सहायता प्रदान की गई, अब तक कुटलैहड़ विस क्षेत्र की लगभग हर पंचायत में जाकर वे स्वयं राहत सामग्री वितरित कर चुके हैं। उनके प्रयासों से अभी तक करीब 260 राशन किट, सैकड़ों तरपाल और 84 पीड़ित परिवारों को फौरी आर्थिक मदद दी जा चुकी है। गांव के लोगों का कहना है कि जब अचानक उनका मकान ढह गया या उसमें दरारें पड़ गईं, तो सबसे पहले विधायक विवेक शर्मा उनके पास पहुंचे।

उन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया कि इस आपदा की घड़ी में वे अकेले नहीं हैं। विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि यह समय राजनीति करने का नहीं, बल्कि पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होने का है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा से मानता हूं कि जनप्रतिनिधि का असली दायित्व आपदा के समय लोगों के बीच जाकर उनकी मदद करना है। कुटलैहड़ विस क्षेत्र में जिस तरह की तबाही इस बार बारिश व भूस्खलन से हुई है, वह बेहद दुखद है। परंतु सरकार और प्रशासन के साथ मिलकर हम हर पीड़ित को राहत पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नुकसान का पूरा आकलन करवाकर प्रभावित परिवारों को मुआवजा व पुनर्वास दिलवाया जाएगा, जिन परिवारों के पक्के मकान भूस्खलन में पूरी तरह ध्वस्त हो गए हैं, उन्हें सुरक्षित जगह पर पुनर्वासित किया जाएगा। इस मौके पर बंगाणा के प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने विधायक को आपदा से हुए नुकसान की जानकारी दी और बताया कि लगातार प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। प्रशासन ने बताया कि जिन रास्तों पर भूस्खलन से अवरोध आ गया है, वहां तुरंत मशीनरी लगाकर सड़कें बहाल की जा रही हैं।

सरकारी उपक्रमों की मजबूती से ही बनेगा आत्मनिर्भर भारत: जगतराम

अनंत ज्ञान, ऊना

राष्ट्रीय इंटक के सचिव व हिमाचल इंटक के महासचिव कामरेड जगतराम शर्मा ने बताया कि एनएफएल देश की खुशहाली का एक बहुत बड़ा उपक्रम है।

उन्होंने कहा कि वह स्वयं इस सरकारी कंपनी में 1960 से लेकर 2000 तक लगातार 40 साल कार्यरत रहे। सबसे पहले इस कंपनी का नाम हिंदुस्तान केमिकल एंड फर्टिलाइजर लिमिटेड लिमिटेड था उसके बाद फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के युग में इसको नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड कंपनी बना दिया गया। यह बताना यहां पर जरूरी है कि इससे पहले यह क्षेत्र पंजाब का जिला होशियारपुर तहसील ऊना का भाग था और भाखड़ा नांगल डैम के बाद यह किसान खाद उद्योग, पीएसीएल कंपनी स्थापित होने से इलाके की काफी मुश्किल दूर हो गई थी। बेरोजगारी का मुद्दा सबसे बड़ा था स्थानीय और बाहरी लोगों को हजारों की संख्या में रोजगार

मिला। जगत राम ने एमएन गोयल डायरेक्टर टेक्निकल से भेंट करके जो पिछले 40-50 साल की घटनाएं हैं, सभी से अवगत करवाया। एशिया का पहला हैवी वाटर प्लांट भी इसी यूनिट में लगा था।

इसको भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बंद करके कौड़ियों के भाव बेच दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं इस हैवी वाटर प्लांट में लगभग 3 साल स्वयं ऑपरेटर के तौर पर काम किया। नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी बड़े ही परिश्रमी व ईमानदार हैं। इसी कारण इस कंपनी को भारत सरकार ने महारत्न का दर्जा दिया। इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। जगत राम कहा कि निदेशक तकनीकी एमएन गोयल की सार्वजनिक क्षेत्र के बारे में सोच बड़ी सकारात्मक है और इच्छा जाहिर की, अगर ऐसे अधिकारी हो तो कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र घाटे में नहीं जा सकता, न उनकों कौड़ियों के भाव बेचने की नौबत आएगी, अगर यह सरकारी क्षेत्र के उपक्रम निजी हाथों में चला जाए, तो देश की हालत बहुत बुरी होगी। जगतराम ने कहा कि नांगल व सिंदरी में किसान खाद बनने से देश में अनाज क्रांति आई और इसके अलावा नंगल में नवीनतम तकनीक लगाने तथा पर्यावरण अनुकूल परियोजना शुरू करने से उत्पादन में बढ़ोतरी होने के साथ-साथ बड़ी संख्या में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे इसके साथ-साथ संबंधित कारोबार में भी बढ़ोतरी होगी। युवाओं को नए अवसर मिलेंगे। इससे बेरोजगारी की समस्या दूर हो जाएगी। जगत राम ने कहा कि एमएन गोयल से प्रेरणा लेकर युवा दिन-रात उद्योगों को सफल बनाने में सहयोग करें। इससे स्थानीय नौजवानों को रोजगार मिलेगा।

हायर ग्रेड पे वापस लेने की अधिसूचना को रद्द करे सरकार: विजय बैंस

अनंत ज्ञान, टाहलीवाल। प्राथमिक शिक्षक संघ हरोली की वर्चुअल बैठक प्रधान विजय बैंस की अध्यक्षता में हुई। इसमें कल जो सरकार द्वारा हायर ग्रेड पे वापस लेने की अधिसूचना जारी की गई है। बैठक में अधिसूचना का विरोध किया गया। इस अधिसूचना से कर्मचारी का 10000 से लेकर 15000 तक वेतन कम हो जाएगा। सरकार का यह कदम बिलकुल कर्मचारी विरोधी है। कर्मचारी हितेषी सरकार इस तरह से कर्मचारियों के वित्तीय लाभ छीन नहीं सकती।

इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि कर्मचारियों की वेतन बढ़ाने की बजाय कम किया गया है। सरकार का यह कदम बिलकुल निंदनीय है। कर्मचारी किसी भी सरकार की रीड होते हैं यदि सरकार ने इस अधिसूचना को वापस नहीं लिया, तो सरकार का हर मोर्चे पर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस विरोध में अध्यापक सड़कों पर उतने से भी परहेज नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही संगठन इस मामले में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री से भी मिलेगा। बैठक में महासचिव सोहनलाल कोषाध्यक्ष राजीव कुमार, वरिष्ठ उपप्रधान यशपाल, सह सचिव सुरेश कुमार, सोशल मीडिया प्रभारी वीरेंद्र शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य संदेश कुमार, राकेश शर्मा, संजय सैनी, बलविंदर कुमार, अशोक कुमार, मेहर सिंह, अवतार सिंह, संजीव कुमार, दीपक धीमान, जितेंद्र कुमार, संजय कुमार, प्रदीप कुमार, सुरेश कुमार, केशव राणा, योगिता चंदेल, ऊषा भाटिया, राजेंद्र कौर और सोनिया आदि अध्यापक वर्चुअल रूप से जुड़े।

महेंद्र पाल को संगत ने दी श्रद्धांजलि

बाथड़ी से स्टे ऐतिहासिक अमृत कुंड खुरालगढ़ साहिब धार्मिक समागम में शामिल लोग।

अनंत ज्ञान, टाहलीवाल

बाथड़ी से स्टे ऐतिहासिक रविदास चरण छोह गंगा अमृत कुंड खुरालगढ़ साहिब में रविवार को लाला महिंद्र पाल चुंबर की बरसी समागम करवाया गया।

इसकी अध्यक्षता चरण छोह गंगा के प्रधान संत सुरिंदर दास ने की। सर्व प्रथम महेंद्र पाल चुंबर की प्रतिमा पर श्रद्धा से फूल भेंट किए। उन्होंने कहा कि महेंद्र पाल चुंबर बिजली बोर्ड के कर्मचारी थे, जिन्होंने समाज की सेवा मे बिना शादी किए काम किया और रिटायर्ड होने के बाद अपनी जमा पूंजी से चालीस एकड़ जमीन अपने पैसे खरीदकर ऑल इंडिया आदि धर्म मिशन व गुरु घर के नाम रजिस्ट्री की। इसके बाद हिमाचल, पंजाब में बाढ़ पीड़ित परिवारों संवेदना व्यक्त की। वहीं, इस भयंकर आपदा में जीन लोगों की मौत हुई, उनकी आत्मा की शांति के लिए सर्व धर्म भले की अरदास कर उनके प्रति दो मिनट का मोन रख श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष कर्म चंद नर, सह कोषाध्यक्ष मंजीत मुग्गोबाल, बाबा दयाल चंद बंगा, बाबा सतपाल, मुख्य ग्रंथि गरदारी लाल, भाई सुरिंदर, भाई जगदीश दिस्सा, पवन कुमार, रविंद्र लाड़ी, भाई टीनू हरियाणा, बाबा सरदार महू, जसपाल चेची, भाई रिंकू बंगा सहित अन्य संगत मौजूद रहे।

लावारिस कुत्तों का बसाल में आतंक

अनंत ज्ञान, ऊना। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के बसाल और साथ के कई गांवों में लावारिस कुत्तों का आतंक बना हुआ है। क्षेत्र के बडसाला गांव में लगभग 1600 लोग रहते हैं। यहां सैकड़ों लावारिस कुत्ते हैं, जो छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों पर हमला करते हैं। कुछ दिन पहले एक 16 वर्षीय लड़के को कुत्तों ने गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। स्कूल से आने वाले बच्चों की सुरक्षा अभिभावकों के लिए चुनौती बन गई है और रेबीज से बचाव के लिए उन्हें बार-बार अस्पताल जाना पड़ता है। ग्रामवासी पूर्व प्रधान सुरेश कुमार, रजत कुमार, जिला परिषद सदस्य निशा भुल्लर, संतोषदेवी, सुमन कुमारी, शिव कुमार, महेश चंद, हरीश कुमार, बीना देवी, गुरुदेव सिंह, सुनीता देवी, सतपाल आदि का कहना है कि कुत्तों की बढ़ती संख्या और आक्रामकता उन्हें हर वक्त भय में रखती है। उन्होंने प्रशासन व पशुपालन विभाग से आग्रह किया है कि कुत्तों की नसबंदी की जाए। उधर, बसाल पशु अस्पताल के चिकित्सक अंकुश कुमार ने कहा कि बरसात का मौसम खत्म होते ही लावारिस कुत्तों की नसबंदी की जाएगी।

आयोजन नशे के खिलाफ अभियान, चिंतपूर्णी पुलिस ने टैक्सी चालकों संग की जागरूकता बैठक

संदिग्ध यात्रियों पर रखें नजर, नशा तस्करी रोकने में निभाएं जिम्मेदारी

विकास शर्मा, अनंत ज्ञान

चिंतपूर्णी। क्षेत्र में नशे के खिलाफ चल रहे व्यापक अभियान को मजबूती देते हुए चिंतपूर्णी पुलिस ने रविवार को टैक्सी चालकों को जागरूक करने के लिए एक विशेष बैठक का आयोजन किया।

इस बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी एसएचओ जयराम शर्मा ने की। बैठक में टैक्सी यूनियन से जुड़े कई चालक, व्यापार मंडल के सदस्य तथा स्थानीय दुकानदार उपस्थित रहे। एसएचओ जयराम शर्मा ने टैक्सी चालकों को संबोधित करते हुए कहा कि नशे का दुष्परिणाम केवल इसका सेवन करने वाले व्यक्ति तक ही नहीं रहता, बल्कि यह पूरा समाज इसकी चपेट में आ जाता है। उन्होंने टैक्सी चालकों को जागरूक करते हुए उन्हें समझाया कि सार्वजनिक वाहनों का अक्सर नशा तस्करी या अन्य अवैध गतिविधियों में दुरुपयोग किया

नशे के खिलाफ चल रहे व्यापक अभियान में टैक्सी यूनियन के सदस्यों के साथ थाना प्रभारी।

जाता है, ऐसे में प्रत्येक चालक का कर्तव्य है कि वह सजग और सतर्क रहे। उन्होंने अपील की कि यदि किसी यात्री या व्यक्ति की गतिविधि संदिग्ध लगे तो समय रहते पुलिस को सूचित किया जाए। एसएचओ शर्मा ने कहा कि नशे का सेवन व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार की आर्थिक स्थिति और सामाजिक वातावरण को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। यदि समाज का हर वर्ग मिलकर इसमें सहयोग करे, तो नशे जैसी गंभीर समस्या पर प्रभावी ढंग से काबू पाया जा सकता है। बैठक में उपस्थित व्यापार मंडल के सदस्यों व दुकानदारों ने भी टैक्सी चालकों को विशेष हिदायत दी कि वे किसी भी स्थिति में शराब पीकर वाहन न चलाएं। उन्होंने कहा कि शराब के नशे में गाड़ी चलाना न केवल चालक, बल्कि सवारी और सड़क पर चल रहे अन्य लोगों के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। जिम्मेदार चालक बनने का तात्पर्य सिर्फ गाड़ी ठीक से चलाने से नहीं है, बल्कि सवारी की सुरक्षा व समाज के प्रति अपनी भूमिका निभाने से भी है। टैक्सी चालकों ने भी अपनी ओर से पुलिस को सहयोग देने का भरोसा जताया।

उन्होंने कहा कि वे सुनिश्चित करेंगे कि उनकी गाड़ियां केवल सुरक्षित यात्रा के लिए उपयोग हों और किसी भी अवैध कार्य में शामिल न हो। चालकों ने कहा कि वे अपने-अपने साथियों को इस तरह की बैठकों से सीखे गए संदेश को फैलाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग नशे के खिलाफ खड़े हो सकें। बैठक के दौरान कई चालकों ने उदाहरण साझा किए कि किस प्रकार संदिग्ध यात्रियों को सतर्कता से देखने पर अवैध गतिविधियों को रोका जा सकता है। पुलिस ने इन बयानों की सराहना करते हुए कहा कि यदि हर नागरिक इसी जागरूकता के साथ कार्य करें, तो नशे पर नियंत्रण पाना मुश्किल नहीं होगा। एसएचओ जयराम शर्मा ने अंत में यह भी स्पष्ट किया कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की नहीं है, बल्कि यह सामाजिक आंदोलन है। इसमें हर व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस प्रकार की जागरूकता सभाएं अन्य क्षेत्रों में भी आयोजित की जाएंगी, ताकि समाज के हर वर्ग को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी मिले और वह इस अभियान का हिस्सा बन सके। इस पहल का मुख्य संदेश यही था कि नशा सामाजिक बुराई है और इसे मिटाने के लिए पुलिस, टैक्सी चालक, व्यापारी, दुकानदार और आम लोग मिलकर एकजुट हों।

प्रदेश में त्रासदी, कांग्रेस नेता नाकामी छुपाने लगे: विनय

अनंत ज्ञान, ऊना

भाजपा के जिला प्रवक्ता विनय शर्मा ने कहा कि आपदा के समय प्रदेश त्रासदी से जूझ रहा है और दूसरी ओर कांग्रेस सरकार के मुखिया और उनके नुमाइंदे अपनी नाकामियों को पचा नहीं पा रहे हैं।

विनय ने कहा कि एक तरफ भाजपा के नेता दिन-रात आपदा ग्रस्त इलाकों में राहत सामग्री और राहत पहुंचाने के लिए तत्पर हैं। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और भाजपा नेता खुद मंडी, कुल्लू, चंबा, ऊना में मोर्चा संभाले हुए हैं। ये नेता दिन-रात जनता के बीच में हैं और एक तरफ कांग्रेस के प्रतिनिधि कहीं दिखाई नहीं दे रहे सिर्फ सांसदों और केंद्र सरकार के खिलाफ मात्र बयानबाजी करते हैं। विनय शर्मा ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार खुद हर समय आपदा का दंश झेल रहे राज्यों पर पूरा ध्यान दे रही है और केंद्रीय मंत्री खुद मौका संभाले हुए हैं और एक तरफ जहां प्रदेश की जनता को राहत पहुंचाने के लिए प्रदेश सरकार दिन-रात एक करती हुई दिखनी चाहिए थी, लेकिन सभी कांग्रेस के नेता मोज मना रहे हैं। विनय शर्मा

ने कहा कि ऊना में बरसात ने जो पिछले जख्म दिए थे, वह अभी भरे भी नहीं थे कि बरसात ने ओर त्रासदी डाल दी। कांग्रेस के ऊना से प्रतिनिधि सतपाल रायजादा ने अनुराग ठाकुर के प्रयासों पर उंगली उठाई और मीडिया के माध्यम से अपनी सरकार की नाकामियों को छुपाने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री सांसद अनुराग ठाकुर पर और भाजपा सरकार पर टिप्पणी करना बहुत निंदनीय है। विनय शर्मा ने कहा कि सवाल उठने वाले ये बताएं कि आपकी प्रदेश में सरकार, लेकिन ऊना रामपुर पुल जो पिछली बरसात में टूट गया था, उसका आज तक निर्माण क्यों नहीं हुआ। ऊना की फ्रेंड्स कॉलोनी में पानी भर गया लोगों के घर डूब गए आपने इसके लिए क्या योजना तैयार कराई सुनहरा के लोगों ने सीधे आरोप लगाए कि इस आपदा में सरकार का कोई भी नुमाइंदा हमारी खैर लेने भी नहीं आया। आए तो सिर्फ भाजपा नेता सतपाल सत्ती और अनुराग। कांग्रेस नेता बताएं कि हिमाचल में आई त्रासदी में आपका या आपकी पार्टी का क्या योगदान है। कितने ट्रक राहत सामग्री चंबा, कुल्लू, मंडी, ऊना के लिए उनके द्वारा भेजी गई, लेकिन भाजपा नेता निरंतर राहत सामग्री भिजवा रहे हैं ओर लोगों से अपील कर रहे हैं कि सभी इस मुश्किल घड़ी में ज्यादा से ज्यादा योगदान दें। विनय ने कहा क्यों हिमाचल की जनता सरकार के राहत कोष में अनुदान नहीं दे रही क्यों सीधा आपदा प्रभावित लोगों तक लोग सुविधा पहुंचा रहे हैं क्यों मणिमहेश से आप श्रद्धालुओं को लिफ्ट नहीं कर पाए। भारत की वायु सेना द्वारा ही लोगों को बाहर निकाला जा रहा है। विनय ने कहा कि हिमाचल को राहत पैकेज, अगर नहीं मिला, जैसा कांग्रेस के नेता सतपाल रायजादा बयान दे रहे हैं, तो वह बताएं कि उन्होंने केंद्र सरकार से कितनी बार संपर्क साधा या उनकी सरकार द्वारा क्या प्रयास किया गया।

न्यूज ब्रीफ

मनाली-केलांग मार्ग फोर वाई फोर वाहनों के लिए बहाल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। बीआरओ की कड़ी मेहनत व स्थानीय विधायक अनुराधा राणा के प्रयासों से अटल टनल होकर मनाली-लेह मार्ग छोटे वाहनों के लिए खोल दिया है। बाढ़ व भूस्खलन के कारण 25 अगस्त से यह मार्ग बंद था। अटल टनल बंद होने से लाहौलवासियों को रोहतांग दर्रे से होकर 45 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय कर मनाली पहुंचना पड़ रहा था। टनल खुलने से अब किसानों को अपनी नकदी फसलें मंडियों तक पहुंचाने में बड़ी सहूलियत होगी। विधायक आपदा के बीच लगातार बीआरओ अधिकारियों के संपर्क में रही हैं और उन्होंने मौजूदा हालात से मुख्यमंत्री सुक्खू समेत उच्च अधिकारियों को भी अवगत करवाया। नतीजे स्वरूप सड़क बहाली के कार्य को गति मिली। उन्होंने कहा कि बीआरओ ने कठिन परिस्थितियों में भी अपना वचन निभाकर जनजातीय लोगों और सब्जी कारोबारियों को बड़ी राहत दी है। शनिवार को सिस्सू में बीआरओ दीपक प्रोजेक्ट के मुख्य अभियंता राजीव कुमार ने विधायक अनुराधा को भरोसा दिया था कि एक दिन के भीतर अटल टनल होकर ट्रैफिक खोल दिया जाएगा। रविवार को बीआरओ ने वादा पूरा कर जनता का विश्वास जीता। मुख्य अभियंता राजीव कुमार ने अनुराधा को बताया कि संगठन जल्द ही पांगी-मनाली और मनाली-लेह सड़क मार्ग बड़े वाहनों के लिए भी खोल देगा। इसके लिए सैकड़ों कामगार, अधिकारी और जवान दिन-रात मशीनों के साथ तैनात हैं।

इनर अखाड़ा बाजार में एक और शव बरामद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिले के इनर आखाड़ा बाजार में रविवार को रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा। सुबह से जारी रेस्क्यू ऑपरेशन में शाम के समय एक और शव बरामद हुआ है। शव की पहचान कश्मीर के मजदूर गुलजार अहमद लॉन (48) पुत्र गुलाम मोहम्मद लॉन निवासी कंचनबाल बुदर तहसील लांगल जिला गंधेरबट्टा जम्मू-कश्मीर के रूप में हुई है। उधर, डीसी तोरुल एस रवीश ने बताया कि 3 और 4 सितंबर को इनर अखाड़ा बाजार में दो अलग-अलग भूस्खलन की दोनों घटनाओं में कुल 9 लोग मलबे में दब गए थे। उन्होंने बताया कि दोनों जगह मलबे में दबे लोगों को निकाल दिया गया है। अंतिम व्यक्ति का शव रविवार को बरामद हुआ है। इन दोनों घटनाओ में 9 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं, जबकि तीन लोग इन घटनाओं में घायल हुए थे। उन्होंने कहा कि इन शवों को इनके परिजनों तक पहुंचाने की उचित व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमों ने युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्यों को अंजाम दिया है।

कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता कर रहे प्रभावितों की मदद

अनंत ज्ञान, मनाली। हिमाचल प्रदेश में आई भयंकर प्राकृतिक आपदा में कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी तथा हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के सहप्रभारी विदित चौधरी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीड़ितों के मदद के लिए आगे आने के लिए आह्वान किया है। इसी कड़ी में कांग्रेस के नेता गौतम ठाकुर ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बाढ़ पीड़ितों का हाल-चाल जाना तथा सौ गरीब मजदूर प्रवासी परिवारों को राशन तथा तिरपाल वितरित किए। भारी बारिश के चलते भूस्खलन से घरों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। कांग्रेस नेता गौतम तथा मनाली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष हरी चंद शर्मा ने क्षतिग्रस्त मकान मालिकों को दस-दस हजार रुपए की फौरी मदद पहुंचाई। उन्होंने कहा कि एन एचएआई अक्तू बर से पहले कुल्लू-मनाली राष्ट्रीय उच्च मार्ग को बहाल करें अन्यथा कुल्लू घाटी का पर्यटन व्यवसायी बैंकों के कर्ज तले दब जाएगा, भविष्य में इस से उबरना बहुत मुश्किल हो जाएगा। राशन वितरण में मनाली कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव जोगिंदर ठाकुर, रणबीर सिंह सागर, राकेश कुमार सोनी ने सहयोग किया।

वन विभाग से संबंधित कार्यों पर प्रभाव पड़ने की संभावना

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। हिमाचल प्रदेश फॉरेस्ट वेलफेयर एसोसिएशन ने सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश सिविल सर्विसेज (संशोधित वेतन) नियम, 2022 से नियम को हटाने के फैसले का कड़ा विरोध किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष चांद स्वरूप राणा ने इस फैसले को एकतरफा और मनमाना बताते हुए कहा कि यह हजारों कर्मचारियों के लिए गंभीर वित्तीय संकट पैदा करेगा। सरकार ने 6 सितंबर को एक अधिसूचना जारी कर नियम को 3 जनवरी, 2022 से पूर्वव्यापी प्रभाव से हटा दिया है। इस फैसले से वन रक्षकों और अन्य प्रभावित कर्मचारियों को प्रति माह 15,000 रुपए से 20,000 रुपए का भारी मौद्रिक नुकसान होगा। एसोसिएशन का कहना है कि यह संशोधन पूरी तरह से अन्यायपूर्ण और अनुचित है और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। एसोसिएशन ने सरकार से न्याय व निष्पक्षता के हित में इस अधिसूचना पर तुरंत पुनर्विचार करने और इसे वापस लेने का आग्रह किया है।

युवाओं ने की शिव मंदिर में साफ-सफाई

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। आपदा के इस समय में जहां पूरा हिमाचल जुझ रहा है। वहीं, जिला कुल्लू भी इससे अछुता नहीं है। कुल्लू-मनाली के बीच बसे कस्बे पतलीकूहल में भी बढ़ से बहुत नुकसान हुआ है। जहां सड़कें क्षतिग्रस्त हैं। वहीं, लोगों के घरों में पानी आ गया है। हर तरफ जल ही जल गाद लेकर आया है। ऐसे में भगवान शिव के मंदिर में भी पानी आने के कारण गाद से पूरा मंदिर परिसर भर गया था, तो जटेहड़ बिहाल के युवाओं ने पहल की और पूरे शिव मंदिर परिसर को साफ किया। इसमें युवाओं के साथ साथ कुछ बुजुर्ग भी आगे आए और कार सेवा करने से मंदिर परिसर को साफ किया। जटेहड़ बिहाल के वार्ड पंच डोला राम ने सभी युवाओं के द्वारा किए इस पुनित कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवाओं के द्वारा किया गया कार्य सराहनीय है। इससे औरों को भी प्रेरणा मिलेगी।

बाढ़ प्रभावितों को हिमालय पुत्रा ट्रस्ट ने दी सहायता

अनंत ज्ञान, मनाली। बाढ़ प्रभावितों की मदद को हिमालय पुत्रा ट्रस्ट मनाली आगे आया है। ट्रस्ट के सदस्यों ने बाढ़ प्रभावित जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री व तिरपाल वितरित किए। उन्होंने तिब्बती कलोनी, वशिष्ठ, पलचान, सोलंग नाला सहित अन्य क्षेत्रों में पहुंचकर प्रभावितों परिवारों का हाल जाना व जरूरत के हिसाब से उनकी मदद की। गत दिनों तिब्बती कलोनी व सोलंगनाला में भूस्खलन से कई घर खाली करने पड़े हैं तथा ग्रामीणों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। हिमालय पुत्रा ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी व नगर परिषद मनाली के पूर्व अध्यक्ष चमन कपूर ने बताया कि बाढ़ से बहुत से लोगों को भारी नुकसान हुआ है। ट्रस्ट की ओर से प्रभावित परिवारों की यथासंभव मदद करने का प्रयास किया जा रहा है। ट्रस्ट के सदस्यों ने कुल्लू जिला सहित मंडी में भी प्रभावित परिवारों तक पहुंचने व उनका दुख-दर्द बांटने का प्रयास किया है।

प्रभावितों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी प्रदेश सरकार : सुंदर

बागन गांव के प्रभावितों के रहने के लिए रैन बसेरे का होगा निर्माण

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

विधायक ने लगघाटी की शिलानाल पंचायत के भूस्खलन प्रभावित बागन गांव का दौरा किया।

कुल्लू। कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रभावितों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

विधायक ने रविवार को लगघाटी की शिलानाल पंचायत के भूस्खलन प्रभावित बागन गांव का दौरा किया और हालातों का जायजा लिया। हालांकि, रविवार को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का कुल्लू का दौरा था और उन्होंने बागन गांव भी जाना था, लेकिन मौसम खराब होने के कारण हेलिकॉप्टर हमीरपुर से कुल्लू के लिए उड़ान नहीं भर सका और उनका कार्यक्रम रद्द हो गया। इसके बाद विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ग्रामीणों से मिलने पहुंचे। हालांकि, सड़क मार्ग अवरुद्ध हैं और ऐसे में ग्रामीण गांव से नीचे ही विधायक से मिलने आए। विधायक ने इस मौके पर जहां प्रभावितों का दुख-दर्द बांटा। वहीं, उन्हें प्रदेश सरकार की ओर से इस दुख की घड़ी में हरसंभव सहायता करने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कुल्लू-पीज सड़क मार्ग बहाली का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने कहा कि सड़क अवरुद्ध होने के कारण ग्रामीणों को जहां राशन गांव तक पहुंचाने में दिक्कतें पेश आ रही हैं। वहीं, सेब सहित अन्य उत्पादों को सब्जी मंडियों तक पहुंचाने में और भी परेशानी हो रही है, ऐसे में ग्रामीणों की समस्या के समाधान के लिए फिलहाल ढालपुर से पीज तक तार स्पेन का निर्माण किया जाएगा, ताकि लोगों को राहत मिल सके। वहीं, उन्होंने कहा कि बागन गांव के प्रभावित लोगों के रहने की जब तक कोई सही व्यवस्था नहीं होती, उनके रहने के लिए अस्थायी रैन बसेरा का निर्माण किया जाएगा। वहीं, उन्होंने जलशक्ति व लोनिवि विभाग को जल्द से जल्द सड़क व पेयजल लाइनों की बहाली के भी निर्देश दिए। इस मौके पर उनके साथ एसडीएम कुल्लू निशांत कुमार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

आपदा प्रभावित 37 परिवारों को वितरित की राशन किट

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने मनाली विधानसभा क्षेत्र के 15 मील में आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनके दुख-दर्द को समझने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने 37 राशन किट वितरित कीं, ताकि प्रभावित परिवारों को कुछ राहत मिल सके। ठाकुर ने सामाजिक संगठनों से आग्रह किया कि वे आगे आकर प्रभावित परिवारों की मदद करें और उन्हें अकेला न महसूस कराएं। गोविंद ने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत व पुनर्वास कार्य तेजी से करने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रशासन से प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद पहुंचाने का आग्रह किया। सामाजिक संगठनों व स्थानीय लोगों का सहयोग इस मुश्किल समय में बहुत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर 37 राशन किट वितरित की गईं। इनमें आवश्यक सामग्री शामिल थी। यह राहत सामग्री प्रभावित परिवारों के लिए एक अस्थायी सहारा होगी, जब तक वे अपने पैरों पर खड़े नहीं हो जाते। गोविंद ने सामाजिक संगठनों व स्थानीय लोगों से आग्रह किया कि वे प्रभावित परिवारों की मदद के लिए आगे आएं।

एनडीआरएफ के जवान नरेंद्र ठाकुर पंचतत्व में हुए विलीन

एनडीआरएफ के जवान नरेंद्र ठाकुर का शव उनके पैतृक गांव पहुंचा।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

कुल्लू जिले के ब्यासर से संबंध रखने वाले एनडीआरएफ के जवान नरेंद्र ठाकुर रविवार को पंचतत्व में विलीन हो गए।

सनद रहे कि कुल्लू जिले में भारी बारिश के कारण बीते 2 सितंबर की रात को इनर अखाड़ा में भूस्खलन होने से आईटीबीपी के बहादुर जवान नरेंद्र ठाकुर जो फिलहाल डेपोटेशन पर एनडीआरएफ में सेवाएं दे रहे थे मलबे की चपेट में आने से दब गए थे। बीते दिन शनिवार को नरेंद्र का शव मलबे से बरामद हुआ। एनडीआरएफ के जवानों और जिला प्रशासन के अथक प्रयासों से अनेक मुश्किल चुनौतियों का सामना करते हुए जवान को मलबे से निकालने में सफलता हाथ लगी थी। रविवार को इनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव ब्यासर पहुंचा, वहां उनका अंतिम संस्कार सैन्य सम्मान के साथ किया गया। सम्मान गार्ड द्वारा तीन राउंड फायर किए गए। यह सम्मान जवान के साहस, प्रतिबद्धता और राष्ट्र के प्रति बलिदान का प्रतीक है। उधर, गांव में बेटे की मौत से पूरे गांव में सन्नाटा छा गया है और नरेंद्र की मौत से उसकी माता का भी रो रोकर बुरा हाल है। नरेंद्र अपने पीछे मां और एक भाई को छोड़ गया है।

सुक्खू सरकार के निशाने पर प्रदेश के कर्मचारी : अमित सूद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार ने साल 2022 में पूर्व बीजेपी सरकार के द्वारा कर्मचारियों को दी गई हायर ग्रेड-पे के फैसले को वापस ले लिया है।

सरकार के इस फैसले का कर्मचारी संगठनों के द्वारा भी विरोध किया जा रहा है। प्रदेश सरकार पर यह आरोप जिला कुल्लू के भाजपा जिला अध्यक्ष अमित सूद ने लगाए और कहा कि पूर्व में बीजेपी की सरकार के समय में 6 सितंबर 2022 को जारी हुई नोटिफिकेशन को कांग्रेस सरकार ने वापस ले लिया है, जो सीधा कर्मचारियों के वित्तीय अधिकारों पर हमला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा 3 जनवरी, 2022 से पहले नियुक्त हुए 89 श्रेणियों के कर्मचारियों को 2 वर्ष का नियमित कार्यकाल पूरा करने पर हायर स्केल दिया गया था। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश सरकार ने 6 सितंबर को पूर्व सरकार के फैसले को अधिसूचना जारी करके वापस ले लिया है। इस फैसले के बाद अब 89 श्रेणियों के इन कर्मचारियों का पुन: वेतन निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए गए है। इससे कर्मचारियों को 10000 से लेकर 20000 प्रतिमाह का नुकसान उठाना होगा। एक और सरकार कर्मचारी

हितेषी होने का दावा हर मंच पर करती है, तो वहीं दूसरी तरफ इस तरह के फैसले लेकर कर्मचारियों के हितों के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है। ऐसे में सुक्खू सरकार के इस फैसले से न केवल कर्मचारियों की सैलरी में कटौती होगी, बल्कि कर्मचारियों में असमंजस और असंतोष का माहौल भी पैदा हो गया है। इस तरह से अचानक लिए गए इस फैसले से सरकारी दफ्तरों में हलचल तेज हो गई है।

चिनूक से पहले पहुंच गई एनएचएआई की मशीनरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

पतलीकूहल से लेकर मनाली तक क्षतिग्रस्त हाईवे की मरम्मत के लिए हवाई मार्ग से मशीनरी ले जाने की योजना सिरे नहीं चढ़ पाई है, लेकिन राहत की बात यह है कि एनएचएआई ने सड़क मार्ग से ही अधिकतर स्थानों तक अपनी मशीनरी पहुंचा दी है और बचे हुए स्थानों पर भी एक दिन में मशीनें पहुंचने की पूरी संभावना है। बता दें कि एनएचएआई ने भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टर की मदद से पतलीकूहल से मनाली के बीच मशीनरी ले जाने की योजना बनाई थी।

इसके लिए सारी औपचारिकताएं भी पूरी कर ली गई थी, लेकिन मौसम खराबी के कारण यह कार्य नहीं हो पाया। वहीं, एनएचएआई ने सड़क मार्ग को बहाल करते हुए मशीनरी को आगे ले जाने के जो प्रयास जारी रखे हुए थे, वह भी सफल हो रहे हैं। इस वक्त एनएचएआई ने

दिन-रात मैदान में डटी है मशीनरी व टीमें

क्षतिग्रस्त हाइवे की बहाली के लिए एनएचएआई की मशीनरी और टीमें दिन-रात मैदान में डटी हुई हैं। विकट परिस्थितियों में भी हाईवे को बहाल करने का कार्य लगातार जारी है। हालांकि, बहुत से स्थान ऐसे हैं, जहां पर दिन के समय काम कर पाना भी संभव नहीं, लेकिन एनएचएआई ने सभी संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए इस कार्य को दिन-रात जारी रखा है। इसका जीता जागता उदाहरण हालही में तब देखने को मिला था, जब कुल्लू से रेफर किए गए घायल को एम्स बिलासपुर तक पहुंचाने के लिए एनएचएआई ने हर चुनौती को सामना करते हुए हाईवे को बहाल कर दिया था।

मौसम खराबी के चलते नहीं आ पाया चिनूक हेलिकॉप्टर

अपनी पूरी ताकत झोंक दी है, जैसे ही इन स्थानों पर मशीनरी पहुंचेगी, तो उसके तुरंत बाद यहां पर सड़क बहाली का कार्य शुरू हो जाएगा। उम्मीद यही जताई जा रही है कि जल्द ही यह कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा और मनाली को एक बार फिर से मुख्य मार्ग के माध्यम से जोड़ दिया जाएगा, जैसा कि सभी को मालूम है कि बीते दिनों हुई बारिश के कारण कुल्लू जिले में जो नुकसान हुआ

सड़क मार्ग से ही मशीनरी पहुंचाने में जुटी एनएचएआई

है उससे हाईवे को भी भारी क्षति पहुंची है। ब्यास नदी के अप्रत्याशित तेज प्रवाह के कारण बहुत से स्थानों पर हाईवे का नामों निशां ही मिट गया है। आपदा के तुरंत बाद से एनएचएआई ने जमीनी स्तर पर कार्य शुरू कर दिया था। जमीन से लेकर आसमान तक, हर माध्यम से राहत कार्यों में तेजी लाने की दिशा में एनएचएआई की तरफ से प्रयास जारी हैं।

अखाड़ा बाजार में 20 चिन्हित परिवारों को वितरित किया सामान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। केयर हिमालय टीम ने अखाड़ा बाजार कुल्लू में 20 चिन्हित बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत सामाग्री व नकद राशि वरिष्ठ नागरिक ओम प्रकाश कश्यप की अध्यक्षता में वितरित की गई।

यह पहल सीएससी सैंटर टीम केयर हिमालय ने संयुक्त रूप में की। इस वितरण में केनरा बैक आफिसर एसोसिएशन ने सहयोग दिया। केयर हिमालय टीम ने इस कठिन आपदा की घड़ी में सभी से सहयोग का आह्वान किया। इस मौके पर केनरा बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक शरब ज्ञाछो, निशांत गिरि, आशीष, सीएससी सैंटर टीम से सुरेंद्र सिंह, अजय कुमार, केयर हिमालय टीम से विवेक शर्मा, सचिन कश्यप, राखी कश्यप, विवन शर्मा, जय राम, असीम गोरसी आदि उपस्थित थे।

मलबे से निकाले 3 शव श्रीनगर पहुंचाए

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला कुल्लू के इनर अखाड़ा बाजार में हाल ही में हुए भूस्खलन हादसे में दबे तीन और शव बरामद कर, इन शवों को सड़क मार्ग से चंडीगढ़ रवाना किया गया, जहां से इन्हें हवाई मार्ग द्वारा श्रीनगर पहुंचा दिया गया। डीसी तोरुल एस रवीश ने जानकारी दी कि 3 और 4 सितंबर को हुए इस भूस्खलन हादसे में जम्मू-कश्मीर के सात लोग दब गए थे, अब तक छह शव श्रीनगर भेजे जा चुके हैं, जबकि सातवें लापता व्यक्ति की तलाश एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन युद्धस्तर पर कर रहा है। शनिवार को जिन शवों को बरामद कर कश्मीर भेजा गया, इनमें बकार अहमद मीर, पुत्र अब्दुल राशीद मीर, गांव वारसन, तहसील करालपोरा, जिला कुपवाड़ा, कश्मीर, हुसैन लोन, पुत्र सुल्तान लोन, गांव गुच्ची मोहल्ला, तहसील कमन, जिला गांदरबल, कश्मीर और ताहिर रीन अहमद शेख, पुत्र बशीर अहमद शेख, गांव सरदाव तलैल, तहसील बड़ूगांव तलैल, जिला बांदीपुरा, कश्मीर शामिल हैं।

केंद्र सरकार हिमाचल के साथ सौतेला व्यवहार कर रही : प्रेम शर्मा

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

कुल्लू फलोत्पादक मंडल के प्रधान प्रेम शर्मा ने हिमाचल में आई आपदा के बाद केंद्र सरकार के रवैये पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हिमाचल को अपना दूसरा घर मानने के बावजूद आपदा के समय केंद्र सरकार ने कोई विशेष राहत पैकेज नहीं दिया, जिससे हिमाचलवासी हैरान हैं।

प्रेम शर्मा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार हिमाचल के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि आपदा के बाद से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का काम बहुत धीमी गति से चल रहा है। इससे बागवान मौसम साफ होने के बाद भी सेब नहीं तोड़ पा रहे हैं, क्योंकि राजमार्ग ठीक न होने से सेब को मंडियों तक पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने राजमार्ग प्राधिकरण के काम की तुलना लोक निर्माण विभाग से करते हुए कहा कि जहां लोक निर्माण विभाग ने तेजी दिखाते हुए कुल्लू की करीब 80 फीसदी संपर्क सड़कों को ठीक कर दिया है। वहीं, एनएचएआई अभी तक कुल्लू से मनाली तक के राष्ट्रीय राजमार्ग को पूरी तरह से दुरुस्त नहीं कर पाया है। प्रेम शर्मा ने मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ की तारीफ करते हुए कहा कि उनके सही मार्गदर्शन में सभी विभागों ने सराहनीय काम किया है। उन्होंने संपर्क सड़कों को जल्द ठीक कराने के लिए विधायक का धन्यवाद भी किया। प्रेम शर्मा ने पीएम से आग्रह किया है कि अगर वे सच में हिमाचल को अपना घर मानते हैं, तो जल्द से जल्द आपदा से प्रभावित बागवानों को मुआवजा दिया जाए।

20 किलोमीटर पैदल सफर कर बंजार पहुंचे विधायक सुरेंद्र शौरी

आपदा प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर बांटा दुख-दर्द

अनंत ज्ञान, बंजार

बंजार विधानसभा क्षेत्र से विधायक सुरेंद्र शौरी ने रविवार को लगभग 20 किलोमीटर पैदल चलकर बंजार मुख्यालय पहुंचकर आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

विधायक सुरेंद्र शौरी बंजार में आपदा प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेते हुए।

इस दौरान उन्होंने जगह-जगह भारी बारिश व भूस्खलन से हुई तबाही का जायजा लिया तथा प्रभावित परिवारों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। बंजार क्षेत्र की मुख्य सड़क एनएच-305 पिछले एक माह से बड़े वाहनों के लिए बंद है और वर्तमान में सभी प्रकार के आवागमन के लिए अवरुद्ध है। क्षेत्र में न तो बिजली सेवा बहाल हो पाई है और न ही नेटवर्क सुविधा सुचारु हो सकी है। साथ ही, सभी ग्रामीण सड़कें भी बंद हैं, जिससे आमजन को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने कहा, बंजार घाटी इस समय विकट संकट से गुजर रही है। दूरस्थ क्षेत्रों में हेलिकॉप्टर के माध्यम से राशन सामग्री पहुंचाई जा रही है, लेकिन मालवाहक वाहनों का आवागमन बंद होने के कारण स्थिति बेहद कठिन हो गई है। वे पूरी घाटी का पैदल दौरा कर हर प्रभावित परिवार से मिलेंगे, उनका दुख-दर्द साझा कर राहत पहुंचाने के लिए प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने कहा कि हर आपदा प्रभावित को राहत सुनिश्चित की जाएगी। आपदा की इस गंभीर परिस्थिति में आपसी सहयोग से ही हम इस संकट से उबर सकते हैं।

विधायक ने प्रशासन को प्रभावितों की मदद के लिए आवश्यक कदम उठाने तथा दीर्घकालिक बहाली कार्य को तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी नागरिकों से धैर्य बनाए रखने और सहयोग करने की अपील की है।

बारिश, भूस्खलन से बागवान परेशान सेब विक्रय को लेकर उठी आवाज

मोहन कपूर, अनंत ज्ञान

पतलीकूहल। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव और वरिष्ठ नेता देवेंद्र नेगी ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू से आग्रह किया कि कुल्लू-मनाली और आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में हिमाचल प्रदेश बागवानी उत्पाद विपणन व प्रसंस्करण निगम के माध्यम से तत्काल सेब खरीद व विक्रय केंद्र खोले जाएं।

नेगी ने यह मांग वर्तमान आपदा की स्थिति को देखते हुए की है। इसमें भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और बागवानों को अपनी फसल बेचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

नेगी ने कहा कि क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण बागवान अपना सेब तुड़ान नहीं कर पा रहे हैं, जिससे फसल का एक बड़ा हिस्सा खराब हो रहा है और सेब ओवर-राइप (अधिक पक रहा) हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस स्थिति में सरकार को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए, ताकि सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मूल्य पर बागवान अपना सेब इन केंद्रों पर बेच सकें। ऐसा करने से उन्हें हो रहे आर्थिक नुकसान से कुछ हद तक राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि अभी तक सरकार द्वारा कोई भी खरीद केंद्र नहीं खोला गया है, जिससे बागवानों को आर्थिक क्षति हो रही है। नेगी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि एचपीएमसी व हिमफेड के काउंटर तुरंत खोले जाएं, विशेष रूप से बी-ग्रेड सेब की खरीद के लिए, जिसकी मात्रा इस साल अधिक है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को उन स्थानों पर उत्पादन क्षमता बढ़ानी चाहिए जहां सेब का उपयोग जैम और जूस बनाने जैसे उत्पादों के लिए किया जाता है, जैसे कि जड़ोल। उन्होंने मांग की कि बी-ग्रेड का वह सारा माल, जो गुणवत्ता मापदंडों पर खरा उतरता है, सरकार द्वारा खरीदा जाना चाहिए। इसके अलावा, नेगी ने सरकार से आग्रह किया कि सेब खरीद के लिए निर्धारित सख्त सांचे के मापदंडों में ढील दी जाए या उन्हें पूरी तरह से रोक दिया जाए, ताकि सभी बागवानों को उनकी मेहनत का सही दाम मिल सके।

समस्या 1995 से जारी है संकट, सरकार की अनदेखी से परेशान ग्रामीणों ने लगाई गुहार

खनेड़ में लगातार भूस्खलन, दर्जनों मकानों पर मंडराया खतरा

एम बोकटापा, अनंत ज्ञान

मनाली। मनाली की सरसेई पंचायत के अंतर्गत आने वाले रांगड़ी गांव के साथ लगते खनेड़ क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण भूस्खलन की समस्या विकराल रूप धारण कर चुकी है।

रांगड़ी गांव के पास खनेड़ में हो रहा भूस्खलन।

इस भूस्खलन से दर्जनों मकानों पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। स्थानीय ग्रामीणों की माने तो यह समस्या कोई आज की नहीं है, बल्कि वर्ष 1995 से इस क्षेत्र में लगातार समय-समय पर भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन आज तक सरकार ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है। स्थानीय ग्रामीण कृष्ण, केहर सिंह, होतम राम, योगराज, चनेराम बोधराज, गंगाराम, सुभाष कुमार, पुने राम, छबील कुमार, मेहर चंद, डोला राम, गांथू राम, दीपू और रमेश ने अपनी व्यथा साझा करते हुए बताया कि पिछले तीन वर्षों में बारिश के कारण समस्या और गंभीर हो गई है। हम हर रोज डर के साए में जी रहे हैं। खनेड़ में लगातार हो रहे भूस्खलन से मकानों को भारी खतरा बन गया है, गांव में कहीं भी बड़ी आपदा आ सकती है। हमें लगता है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो बड़े नुकसान की संभावना है। कृष्ण ने बताया कि 1995 में जब पहली बार भारी भूस्खलन हुआ था, तब से लेकर आज तक हम लगातार सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। हमने कई बार पंचायत के माध्यम से आवेदन दिए, प्रतिनिधिमंडल भेजा, लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं मिला।

केहर सिंह ने कहा कि हमारे गांव में सभी मध्यमवर्ग के परिवार रहते हैं। इनमें ज्यादातर लोग खेती-बाड़ी पर निर्भर हैं। जमीन लगातार खिसकने से खेती योग्य भूमि भी प्रभावित हो रही है। ऐसे में हमारा जीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। स्थानीय पंचायत प्रधान भी इस गंभीर समस्या से अनभिज्ञ नहीं हैं। समस्या का मुख्य कारण खनेड़ क्षेत्र की भौगोलिक संरचना और उस पर हो रही भारी वर्षा है। यह क्षेत्र भूस्खलन के लिए संवेदनशील माना जाता है। पिछले वर्षों में भी इसी तरह के कई घटनाएं हुई, लेकिन इस बार समस्या और भी विकराल रूप ले चुकी है। हमने कई बार जिला प्रशासन को लिखित में सूचित किया, लेकिन कार्रवाई की गति अत्यंत धीमा है। ग्रामवासी योगराज ने दुखभरे स्वर में कहा, हमारी हालत इतनी खराब हो गई है कि रात में चैन से सो भी नहीं पाते। हर पल यह डर बना रहता है कि अचानक से कोई बड़ा हिस्सा खिसक न जाए। हम अपने बच्चों को सुरक्षित रखने में असमर्थ महसूस कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि वे हमारी समस्या को गंभीरता से लें। ग्रामवासियों ने जिला प्रशासन से तत्काल राहत कार्य करने, स्थायी रोकथाम के उपाय अपनाने, विशेषज्ञों की टीम भेजकर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का अध्ययन कराने की मांग की है।

व्यवस्था परिवर्तन का दावा करने वाली सुक्खू सरकार कर रही कर्मचारी विरोधी निर्णय : गुलशन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी संघ के अध्ययन एलआर गुलशन ने कहा कि व्यवस्था परिवर्तन का दावा करने वाली वर्तमान सुक्खू सरकार पिछले करीब तीन सालों से नए कर्मचारी विरोधी निर्णय ले रही है।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी संघ ने प्रदेश सरकार द्वारा 6 सितंबर को जारी उस कर्मचारी विरोधी अधिसूचना को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें 3 जरवरी 2022 से पूर्व नियुक्त हुए करीब 89 श्रेणियों के कर्मचारियों के उच्च संशोधित वेतनमान और ग्रेड पे में भारी कटौती की गई है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला कांगड़ा पेंशनभोगी संघ के संयोजक नरेंद्र कुमार, महासचिव मिलाप चंद, प्रदेश उपाध्यक्ष खुशहाल चंद नेगी, सब्जा चंद, महिला विंग की प्रदेश उपाध्यक्ष लीला डोगरा, संगठन सचिव मनोरमा डोगरा, कोषाध्यक्ष तेज सिंह ठाकुर, जिला कुल्लू पेंशनभोगी संघ के अध्यक्ष दयाल सिंह ठाकुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं भुंतर खंड के अध्यक्ष ओंकार दत्त शर्मा, महासचिव किरण चंद शर्मा, उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार, लीला वर्मा, भागचंद ठाकुर, प्रदेश वरिष्ठ सलाहकार एमआर संगरोली, सलाहकार सीताराम ठाकुर, जयकृष्ण ठाकुर, जिला मंडी पेंशनभोगी संघ के संयोजक कन्हैया लाल, कुल्लू शहरी इकाई के अध्यक्ष तेजा सिंह ठाकुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष खेम सिंह हांडा तथा मनाली ब्लॉक के नवनियुक्त संयोजक नील चंद सहित अनेक पेंशनर नेताओं ने कहा कि वित्त विभाग के इस तुगलकी

फरमान से 3 जनवरी 2022 से पूर्व नियुक्त हुए कर्मचारी दो वर्ष के सेवाकाल के बाद नियमित होने पर संशोधित उच्च वेतनमान और ग्रेड पे से वंचित हो जाएंगे।

प्रदेश के लाखों पेंशनर्स और कर्मचारियों को एक जनवरी 2016 से संशोधित वेतनमान के एरियर और कुल 16 प्रतिशत महंगाई भत्ते की पांच किस्तों के एकमुश्त एरियर सहित भुगतान से वंचित किया गया है। इससे प्रदेश के लाखों पेंशनर और कर्मचारी पहले से ही हताश और निराश हैं। अब 3 जनवरी 2022 से संशोधित वेतनमान के नियम 7 (ए) को खत्म करके दो वर्ष के सेवाकाल के बाद नियमित होने वाले सैकड़ों कर्मचारी संशोधित उच्च वेतनमान और ग्रेड पे से वंचित हो जाएंगे।

बंद सड़कों को खोलने में जुटा विभाग, मुख्य मार्ग बहाल

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सोलन। जिला मुख्यालय सोलन सहित चायल, कंडाघाट और कसौली में पिछले दो दिनों से छुटपुट बारिश हुई। इससे पीडब्लूडी विभाग जिले को जोड़ने वाले मुख्य मार्गों को सुचारु कर पाया।

इससे एक बार फिर से जिंदगी पटरी पर उतरने लगी है। पीडब्लूडी अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में बंद पड़ी सड़कों को खोलने में जुटा है। रविवार को सुबह धूप खिलने के बाद दोपहर को आसमान में बादल छा गए। इससे कई स्थानों पर हल्की बारिश हुई। यह क्रम शाम तक जारी रहा। इस बारिश के चलते जहां मौसम में ठंडक आई है। सोलन शहर सहित जिले के अधिकांश भागों में हुई बारिश एक बार फिर जनजीवन पर व्यापक असर पड़ा है। उधर, पिछले दिनों हुई मूसलाधार बारिश से लोक निर्माण विभाग के जख्म भरने का नाम नहीं ले रहे हैं और विभाग को 24 घंटों में 1 करोड़ 45 लाख रुपए का नुकसान हो गया है। वहीं, जिले की 36 सड़कें अवरूद्ध हैं, जिन्हें खोलने के लिए विभाग के कर्मचारी फील्ड में डटे हुए हैं, लेकिन बारिश के चलते उन्हें भी कार्य करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश सहित जिले में एक बार फिर से बरसात का क्रम शुरू हो गया है। वीरवार व शुक्रवार को बारिश से मिली राहत के बाद लोगों को लगा था कि बारिश का क्रम अब रूक जाएगा, जिससे उन्होंने राहत की सांस ली थी, लेकिन उनकी उम्मीद शनिवार सुबह धूमिल हो गई। सुबह से आसमान में बादलों ने डेरा जमा लिया था और इस दौरान किन्हीं जगहों पर हल्की बारिश भी हुई। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और दोपहर बाद एक बार फिर से मेघ बरसने लगे। सोलन में दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुई बारिश शाम तक जारी रही। इस बारिश के चलते मौसम में एक बार फिर ठंडक आ गई है। वहीं, बारिश शुरू होने से लोग एक बार फिर सहम गए हैं। लोगों को अभी भी डर सता लगा है कि कहीं बारिश से फिर कोई नुकसान न हो जाए। बारिश से वैसे तो सभी विभागों को खासा नुकसान हुआ है, लेकिन सबसे अधिक नुकसान लोक निर्माण विभाग को झेलना पड़ा है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पिछले दिनों हुई बारिश के चलते लोनिवि के जख्म भर नहीं रहे हैं और बीते एक दिन में लोनिवि के 1 करोड़ 45 लाख 42 हजार रुपए डूब गए हैं। इनमें सबसे अधिक 60 लाख का नुकसान कसौली मंडल को हुआ है, जबकि सोलन मंडल को 41 लाख 50 हजार, अर्की मंडल को 7 लाख व नालागढ़ मंडल को 36 लाख 90 हजार का नुकसान पहुंचा है।

सड़कों को खोलने में जुटा पीडब्ल्यूडी। जिला मुख्यालय सोलन सहित चायल, कंडाघाट और कसौली में पिछले दो दिनों से छुटपुट बारिश हुई।

बारिश के चलते जिले में बंद हुए 36 मार्ग

इन दो दिनों की बारिश का प्रकोप कुछ ऐसा रहा कि रविवार तक भी जिला में कुल 36 मार्ग अवरूद्ध रहे। इनमें अर्की मंडल में सबसे अधिक 19 मार्ग अवरूद्ध हुए हैं, जबकि नालागढ़ में 8 मार्ग, कसौली में 5 मार्ग और सोलन मंडल में 4 मार्ग शामिल हैं। इन मार्गों के बंद होने की सूचना के बाद तुरंत ही लोनिवि के कर्मी फील्ड में डटे रहे। बारिश के बावजूद भी शनिवार दोपहर बाद तक उन्होंने कुल 9 मार्गों को बहाल कर दिया है। वहीं, 27 मार्ग ऐसे हैं जो कि अभी भी अवरुद्ध हैं और आने वाले एक-दो दिनों में ही इनके खुलने के आसार हैं।

लोनिवि को 110 करोड़ का नुकसान

बरसात के इस सीजन में विभाग के चारों मंडलों को खासा नुकसान पहुंचा है। अब तक विभाग को कुल 110 करोड़ 53 लाख 30 हजार रुपए का नुकसान हो चुका है। इसमें सबसे अधिक 34 करोड़ 22 लाख 70 हजार का नुकसान कसौली मंडल को हुआ है। नालागढ़ मंडल भी पीछे नहीं है और अब तक इस मंडल में 34 करोड़ 3 लाख 21 हजार रुपए की चपत लग चुकी है। वहीं, अर्की मंडल में 29 करोड़ 12 लाख 19 हजार व सोलन मंडल में 13 करोड़ 15 लाख 20 हजार का नुकसान हुआ है।

सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन के खिलाफ बद्दी पुलिस का एक्शन

ओम शर्मा, अनंत ज्ञान

बद्दी। बद्दी पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान ऑपरेशन गन डाउन चलाया गया, जिसके तहत सोशल मीडिया पर अवैध रूप से हथियारों का प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस का कहना है कि ऐसे कई मामलों में पाया गया कि कुछ व्यक्ति सोशल मीडिया अकाउंट्स पर पिस्टल, रिवाल्वर और राइफल के साथ अपनी फोटो और वीडियो अपलोड कर रहे थे।

इस प्रकार की पोस्टों से न केवल आम जनता में भय का वातावरण बनता है, बल्कि युवाओं को अपराध की ओर उकसाया जाता है और समाज में गन कल्चर को बढ़ावा मिलता है। ऑपरेशन गन डाउन के दौरान पुलिस ने मानपुरा व नालागढ़ में दो-दो तथा बद्दी में एक अभियोग, कुल 6 अभियोग आर्म्स एक्ट के अधीन दर्ज किए। इनमें 9 व्यक्तियों को नामजद किया गया है। बद्दी पुलिस द्वारा कई क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने विभिन्न स्थानों से हथियारों को भी जब्त किया है, जिनका प्रयोग आरोपियों द्वारा फोटो व वीडियो बनाने में किया गया था। इसके अतिरिक्त, कुछ मामलों में यह भी सामने आया कि कुछ व्यक्तियों ने अपने हथियारों को दूसरों को इस्तेमाल करने दिया, जो आर्म्स एक्ट के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। तलाशी में 3 राइफलें, 2 पिस्टल तथा प्रयुक्त कारतूस भी बरामद किए गए हैं। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने नमन कुमार नालागढ़, रविंद्र सिंह नालागढ़, भुपिंद्र सिंह नालागढ़, शिवदत्त बद्दी, गुरुदेव बद्दी, अरशद मोहम्मद बद्दी के खिलाफ मामला दर्ज करके इनके हथियार भी कब्जे में लिए गए हैं। एसपी बद्दी विनोद धीमान ने बताया कि साइबर सेल बद्दी ने इन सोशल मीडिया अकाउंट्स की प्रोफाइलिंग की। इससे आरोपियों की पहचान सुनिश्चित की गई और कानूनी कार्रवाई की गई। ऑपरेशन गन डाउन के तहत जांच अभी जारी है और 4-5 अन्य व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है और जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। एसपी विनोद धीमान ने बताया कि बद्दी पुलिस समाज में भयमुक्त वातावरण बनाए रखने और युवाओं को अपराध के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यूज ब्रीफ

ससुर पर छेड़खानी का आरोप, गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, सोलन। कसौली निवासी पीड़िता ने पुलिस थाना कसौली में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि इनका ससुर इनके साथ 5/6 वर्षों से जबरदस्ती कर रहा है और 2 अगस्त को दिन के समय जब यह घर पर मौजूद थी, तो इनके ससुर ने इनके साथ छेड़खानी की, जिस पर यह अपने मायके चली गई थी तथा यह सारी बातें अपनी माता को बताई, जिस पर उपरोक्त अभियोग पुलिस थाना कसौली में पंजीकृत किया गया। इस अभियोग के अन्वेषण के दौरान कसौली की पुलिस टीम द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पर्याप्त साक्ष्य जुटाए गए तथा पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर मामले में संलिप्त आरोपी सीता राम उम्र 58 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले में जांच जारी है।

सायर उत्सव के लिए कलाकारों के ऑडिशन 9 से

अनंत ज्ञान, अर्की। उपमंडल अर्की के चौगान मैदान में 16 से 18 सितंबर तक राज्य स्तरीय सायर उत्सव में सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान प्रस्तुति देने वाले कलाकारों के ऑडिशन उपमंडलाधिकारी (नागरिक) कार्यालय में 9 से 11 सितंबर तक प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक लिए जाएंगे। मेला अधिकारी सायर मेला कमेटी व उपमंडलाधिकारी अर्की ने बताया कि ऑडिशन के उपरांत चुने हुए प्रतिभागियों को दुरभाष के माध्यम से सूचित किया जाएगा।

नायापंजौड पंचायत के प्रधान को हटाने के आदेश

अनंत ज्ञान, सोलन। डीसी सिरमौर प्रियंका वर्मा ने विकास खंड शिलाई की ग्राम पंचायत नायापंजौड के प्रधान लायक राम को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अवचार का दोषी पाए जाने पर ग्राम पंचायत नायापंजौड के प्रधान पद से तत्काल हटाने के आदेश जारी किए हैं। छह वर्ष की कालावधि के लिए पंचायत के पदाधिकारी के रूप मे निर्वाचित होने के लिए निर्रहित (अयोग्य) करने के भी आदेश जारी किए हैं। डीसी ने आदेश जारी किए हैं कि वह दुरुपयोग की गई 6,43,969 की धनराशि को तुरंत पंचायत निधि खाते में जमा करवाना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त उनके पास ग्राम पंचायत नायापंजौड की नकद राशि या पंचायत अभिलेख या अन्य कोई स्टोर/स्टॉक का सामान हो तो उसे भी प्रधान पद की मोहर के साथ तुरंत सचिव, ग्राम पंचायत नायापंजौड को सौंपना सुनिश्चित करें।

सतौन में मिल्क चिलिंग प्लांट लगाने की मांग

अनंत ज्ञान, पांवटा साहिब। गिरिपार क्षेत्र के सबसे बड़े ग्रामीण कस्बे सतौन में अब स्थानीय लोग मिल्क चिलिंग प्लांट स्थापित करने की मांग कर रहे हैं। क्षेत्र के किसानों और दुग्ध उत्पादकों बीजा राम ढुंडू सतौन, धनबीर सिंह अंबोण, लिखी राम सडियार, माता राम भजोन, राजेंद्र सिंह चांदनी, सुखदेव कोटगा, नरेश चौहान पोका, गुमान सिंह बडवास आदि का कहना है कि सतौन और इसके आसपास के गांवों में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में दूध का उत्पादन होता है, लेकिन उचित भंडारण व प्रसंस्करण सुविधा न होने के कारण उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। वर्तमान में दुग्ध उत्पादकों को दूध बेचने के लिए दूर-दराज के प्लांटों या निजी ठेकेदारों पर निर्भर रहना पड़ता है। कई बार परिवहन में देरी से दूध खराब हो जाता है और किसानों की मेहनत व्यर्थ चली जाती है यदि सतौन में मिल्क चिलिंग प्लांट स्थापित होता है, तो इससे दूध को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा और स्थानीय किसानों को उचित मूल्य भी मिल पाएगा। उनका कहना है कि यह सुविधा मिलने से न केवल स्थानीय लोगों की आय बढ़ेगी, बल्कि सतौन क्षेत्र डेयरी उत्पादन का हब बनकर उभर सकता है।

100 शिक्षकों को किया सम्मानित : सुनील

अनंत ज्ञान, सोलन। अथर्व फाउंडेशन के सहयोग से अथर्व यूनिवर्सिटी ने शिक्षक दिवस पर विशेष 100 शिक्षकों को उनके शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य, समर्पण और विद्यार्थियों के जीवन पर डाले गए सकारात्मक प्रभाव के लिए शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में प्रत्येक शिक्षक को प्रशस्ति-पत्र और स्मृति-चिह्न भेंट किया गया। अथर्व यूनिवर्सिटी के संस्थापक एवं कुलपति सुनील राणे ने अपने संबोधन में कहा, शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि वे चरित्र निर्माण व समाज की दिशा तय करने का कार्य भी करते हैं। यह सम्मान उनके समर्पण का प्रतीक है। राणे ने कहा, शिक्षक केवल ज्ञान नहीं देते, वे जीवन, मूल्य और हमारे देश के भविष्य को आकार देते हैं। सम्मानित शिक्षकों ने इसे अपने लिए गर्व का क्षण बताया और कहा कि यह सम्मान उन्हें आगे भी शिक्षा क्षेत्र में बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देगा।

डाडल गांव के भीमचंद भारतीय सेना से सेवानिवृत्त

अनंत ज्ञान, अर्की। अर्की उपमंडल की ग्राम पंचायत भूमती के डाडल गांव निवासी भीम चंद ने 33 वर्षों की गौरवशाली सेवा के बाद भारतीय सेना से सेवानिवृत्ति प्राप्त की। वे पंजाब रेजीमेंट सेंटर, रामगढ़ (बिहार) में तैनात रहे और सूबेदार मेजर मानद कैप्टन के पद से सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के बाद जब भीम चंद अपने घर लौटे, तो परिवारजन और रिश्तेदारों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर घर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें उनके सेवाभाव व योगदान पर गर्व व्यक्त किया गया। भीम चंद का परिवार संयुक्त परिवार है। इसमें छह भाइयों की पूरी पीढ़ी साथ रहती है। बड़े भाई व्यवसाय से जुड़े हैं, दूसरे भाई बीएसएनएल से सेवानिवृत्त हैं, तीसरे भाई चंडीगढ़ हाईकोर्ट में सेवाएं दे रहे हैं, चौथे भाई सेना से हवलदार पद से रिटायर होकर वर्तमान में यूको बैंक में हेड कैशियर हैं, जबकि सबसे छोटे भाई खेतीबाड़ी कर रहे हैं। परिवार की नई पीढ़ी भी देश सेवा में योगदान दे रही है। भीम चंद के भतीजे सौरव पिछले छह वर्षों से भारतीय सेना में कार्यरत हैं।

आपदा प्रबंधन सूचना प्रणाली पोर्टल में नहीं हो रही एंट्री

अनंत ज्ञान, नाहन। नाहन नगर परिषद के अधिशाषी अधिकारी ने बताया कि आपदा प्रबंधन सूचना प्रणाली पोर्टल पर एंट्री करते समय पोर्टल पर लॉगइन करते समय बार-बार एरर 413 दिख रहा है। इसके कारण जरूरी एंट्रीज पूरी नहीं हो पा रही हैं और कामकाज प्रभावित हो रहा है। समस्या को दूर करने के लिए ईओ ने डीसी सिरमौर को एक आधिकारिक पत्र लिखा है। पत्र के साथ एरर 413 का स्क्रीनशॉट भी भेजा गया है, ताकि तकनीकी टीम इसे तुरंत ठीक कर सके। नगर परिषद ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि पोर्टल की तकनीकी समस्या को प्राथमिकता पर हल किया जाए। अधिकारी ने कहा कि समय पर प्रविष्टियां न हो पाने से रिपोर्टिंग व योजनाओं पर असर पड़ सकता है।

जीएसटी बिल में केंद्र सरकार के किए गए सुधार लाभदायक : विनय

अनंत ज्ञान, नाहन

हिमाचल प्रदेश भाजपा प्रवक्ता विनय गुप्ता ने केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी बिल में किए गए बड़े सुधारों की भूरी-भूरी प्रशंसा की है।

इसके तहत अब केवल मात्र दो टैक्स स्लैब 5 फीसदी और 18 फीसदी की दर से लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी बिल में संशोधन से रोजमर्रा की चीजे खाद्य पदार्थ, साबुन, शैंपू, टूथपेस्ट, बागवानी और कृषि उपकरण आदि सस्ते होंगे, जिससे देश के गरीब लोगों, विशेषकर किसाने और बागवानों को बहुत राहत मिलेगी। केंद्र सरकार ने जीएसटी बिल में संशोधन करके सही मायने में कल्याणकारी सरकार होने का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि इस नए बिल के लागू होने के कारण छोटे व्यापारियों के लिए जीएसटी रिटर्न भरना आसान होगा और डेढ़ करोड़ रुपए तक के कारोबार वाले व्यापारी तिमाही आधार पर आसानी से रिटर्न भर पाएंगे। इस जीएसटी बिल में बदलाव का उद्देश्य आम आदमी विशेष कर गरीब लोगों को राहत पहुंचाना है और छोटे व्यवसाइयों को राहत देकर उनकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। जीएसटी बिल में बदलाव लाकर केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा पॉलिसीयों पर जीएसटी हटाकर गरीब और साधनहीन लोगों को राहत पहुंचाने का कार्य किया है। केंद्र की मोदी सरकार समाज के हर वर्ग की चिंता करती है और यही कारण है की विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में मोदी सरकार ने विश्व भर में अपनी अलग पहचान बनाई है। विनय गुप्ता ने हिमाचल सरकार के मंत्रियों द्वारा जीएसटी बिल में लाए गए बदलाव की आलोचना को समाज विरोधी करार दिया है और की सुख सरकार की आलोचनात्मक टिप्पणियों से यह साबित हो गया है कि कांग्रेस सरकारें कभी भी समाज कल्याण के प्रति गंभीर नहीं रही है।

दाड़लाघाट-भराड़ीघाट सड़क खस्ताहाल

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। राष्ट्रीय उच्च मार्ग-205 पर दाड़लाघाट-भराड़ीघाट सड़क पर पिछले दिनों की गई टारिंग की असलियत अब सामने आ गई है। कुछ ही दिनों में सड़क पूर्वावस्था में लौट आई है और जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। हालत यह हैं कि एनएच-205 पर जहां भी नजर डालें, गड्ढों की भरमार दिखाई देती है।

इन गड्ढों के कारण कई लोग हादसों का शिकार हो चुके हैं। अंबुजा चौक के बीचो बीच बने छोटे-बड़े गड्ढे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। वहीं, एसबीआई बैंक दाड़लाघाट के पास स्थिति और भी भयावह है। यहां गाड़ियां आए दिन गड्ढों में फंस जाती हैं। इससे जाम लग जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंबुजा चौक में पड़े गड्ढों से वाहनों को लगातार नुकसान हो रहा है। लोगों ने विभाग व अंबुजा प्रबंधन से अंबुजा चौक व एसबीआई बैंक के पास सड़क की मरम्मत कराने की मांग उठाई है।

गुजरात से आए ट्रैवल एजेंट्स को बहाई चायल की वादियां

अनंत ज्ञान, सोलन

हिमाचल प्रदेश में बारिश की आपदा से पर्यटकों में बनी असमंजस की स्थिति के बीच होटल एसोसिएशन चायल ने एक सार्थक पहल की है।

इसके तहत एसोसिएशन ने गुजरात के अहमदाबाद से आए ट्रैवल एजेंट्स के ग्रुप को चायल क्षेत्र का भ्रमण करवाया। इस दौरान उन्हें चायल का प्राकृतिक सौंदर्य दर्शन के साथ काली माता का टिब्बा, विश्व का सबसे ऊंचा क्रिकेट मैदान और वाइल्डलाइफ सेंचुरी एरिया के ट्रैकिंग रूट का भ्रमण कराया। साथ ही इन्हें हिमाचली लोक संस्कृति से रूबरू करवाया गया। गुजरात से आए ट्रैवल एजेंट्स के प्रतिनिधि अनूप दुबे व रॉबिन पटेल ने कहा कि चायल सच में ही एक अद्भुत पर्यटन स्थल है। यहां का पर्यावरण शुद्ध होने के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का नजारा देखते ही बनता है। हिमाचल में आने वाले पर्यटक यदि शांत पहाड़ों का आनंद लेना चाहते हैं, तो चायल इसके लिए बेहतरीन जगह है। उन्होंने कहा कि उन्हें यहां आकर बेहद सुकून मिला। स्थानीय व्यंजन सच में ही स्वादिष्ट और स्वास्थ्य पूरक है। वहीं, होटल एसोसिएशन चाइल्ड के अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा ने कहा कि इस बार बेशक बरसात से कुल्लू मनाली और शिमला की पर्यटन क्षेत्रों में बारिश से होटल इंडस्ट्री को नुकसान हुआ है पर चायल पूरी तरह से सुरक्षित है।

यहां पर बारिश से किसी भी तरह का खतरा नहीं है। टूरिस्ट यहां पर आकर आराम से छुट्टियों का आनंद ले सकते हैं। साथ ही यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का भी अपने दिलो दिमाग और कैमरा में कैद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात से आए ट्रैवल एजेंट्स को यहां का शिव मंदिर काली डिब्बा, क्रिकेट मैदान और वाइल्डलाइफ सेंचुरी एरिया के ट्रैकिंग रूट का भ्रमण करवाया गया। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ से चायल तक के रूट में सड़क मार्ग पूरी तरह बहाल है, ऐसे में पर्यटक यहां पर कभी आकर छुट्टियां का आनंद ले सकते हैं। होटल एसोसिएशन लड़कों के वेलकम के लिए हमेशा तैयार है। इस कड़ी में एसोसिएशन क्लीन चायल ग्रीन चायल मुहीम के तहत पौधरोपण व प्लास्टिक फ्री के लिए समय-समय पर सफाई अभियान चलाता है। इस मौके पर गुजरात से आए ट्रैवल एजेंट ग्रुप के प्रतिनिधि अनूप दुबे सहित चायल होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा, महासचिव गोपाल गौतम, विशाल वर्मा सचिव, उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, रंजीत कपूर, सुधीर कुमार गुप्ता, सार्थक गुप्ता, गौरव आदि उपस्थित रहे।

मेले हमारी पहाड़ी संस्कृति को जीवंत रूप देते हैं : मुसाफिर

अनंत ज्ञान, सराहां

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गंगू राम मुसाफिर ने सिरमौर के सराहां में आयोजित हो रहे तीन दिवसीय राज्य स्तरीय वामन द्वादशी मेले के समापन समारोह के अवसर पर बतौर मुख्यातिथि उपास्थित हुए।

इस दौरान उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों को मेले की बधाई दी और कहा कि मेले व त्योहार हमारी पहाड़ी संस्कृति को जीवंत रूप देते हैं। उन्होंने कहा कि मेले के सफल आयोजन में जन सहयोग अहम भूमिका अदा करता है। यह राज्यस्तरीय वामन द्वादशी मेला न केवल आपसी मेलजोल, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अपनी एक विशेष पहचान रखता है। इस मेले में स्थानीय तथा अन्य राज्यों के व्यापारी तथा कारोबारी भी भाग लेते हैं। मेले में खेलकूद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों से लोगों का मनोरंजन होता है। उन्होंने कहा कि पूरा प्रदेश आपदा के दौर से गुजर रहा है। प्रदेश सरकार इस मुश्किल घड़ी में आपदाग्रस्त लोगों की हर संभव सहायता कर रही है। इस वर्ष की प्राकृतिक आपदा गत 2023 से भी बड़ी आपदा आई है। उन्होंने कहा कि आपदा से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि इसमें सरकार तथा प्रशासन का सहयोग करना है। प्रदेश सरकार ने लोगों के कल्याण के लिए अनक योजनाएं चलाई हैं। प्राकृतिक खेती के उत्पादों के लिए बेहतरीन समर्थन मूल्य दिया जा रहा है। किसानों-बागवानों तथा पशुपालकों को सरकार की योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। मुख्यातिथि ने वामन द्वादशी मेले के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया तथा खेलकूद प्रतियोगिता और दंगल विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए। उन्होंने प्रशासन को मेले के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिरमौर योगेश रोल्टा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार तथा पुलिस विभाग द्वारा नशा कारोबारियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है।

राज्य स्तरीय वामन द्वादशी मेले के समापन पर मुसाफिर व अन्य अधिकारी।

राज्य स्तरीय वामन द्वादशी मेले का राजनीतिकरण का आरोप

अनंत ज्ञान, सराहां

भाजपा मंडल सराहां ने एक बैठक आयोजित कर हाल ही में संपन्न राज्य स्तरीय वामन द्वादशी मेले सराहां का प्रशासन व कांग्रेस पार्टी पर राजनीतिकरण का आरोप लगाया है कि कांग्रेस के स्थानीय नेताओं ने राज्य स्तरीय वामन द्वादशी मेले के महत्व को अपनी ओछी राजनीति व वर्चव की लड़ाई में कम किया है। एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मंडल अध्यक्ष अनूप शर्मा, उपाध्यक्ष सुशील शर्मा, महामंत्री नरेंद्र सिंह व सुरेंद्र सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गोसाई का हिमाचल प्रदेश की राजनीति में पच्छाद विधानसभा क्षेत्र से अपना अहम स्थान रहा है।

प्रदेश को हिमाचल निर्माता डॉ. वाईएस परमार देने वाले पच्छाद विधानसभा क्षेत्र में आज कांग्रेस पार्टी की गुटबाजी अपनी चरम सीमा पर पहुंच चुकी है। आलम यह है कि पच्छाद कांग्रेस मंडल राज्य स्तरीय वामन द्वादशी सराहां मेले के समापन समारोह में मुख्यमंत्री, मंत्री, निगम व बोर्ड के अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, सांसद व विधायक को बुलाने में नाकामयाब रहा, जबकि सिरमौर से सरकार में मंत्री, विधानसभा उपाध्यक्ष व सांसद के अतिरिक्त पांच विधायक भी हैं। पच्छाद उपमंडल की 34 पंचायतों की जनता को प्रतिवर्ष सितंबर माह में लगने वाले वामन द्वादशी सराहां मेले के समापन समारोह में उम्मीद रहती है कि मंत्री या मुख्यमंत्री समापन समारोह में आएंगे, तो पच्छाद उपमंडल के लिए कुछ न कुछ घोषणा और कोई बड़ी योजनाएं देकर जाएंगे, मगर झूठ की बुनियाद पर बनी और टिकी हुई सरकार ने सीएम के आने का झूठा कार्यक्रम जारी कर दिया व अंतिम समय तक सस्पेन्स बनाकर रखा। दुखद ये भी की इस झूठ के लिए प्रशासन ने भी पुरा सहयोग दिया, अगर मुसाफिर को ही मुख्यातिथि के रूप मे बुलाना था, तो छुपाया क्यों गया। धूमधाम से उनका नाम का प्रचार किया जाना चाहिए था।

15 तक चलेगा भांग उखाड़ो अभियान

अनंत ज्ञान, सोलन। डीसी सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि नशे जैसे कुरीति की रोकथाम के लिए आमजन का सहयोग नितांत आवश्यक है, ताकि नशे को समूल जड़ से मिटाया जा सके। मनमोहन शर्मा ने कहा कि सोलन जिले में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 5 से 15 सितंबर तक भांग उखाड़ो विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अवैध भांग को उखाड़कर नष्ट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा इस दिशा में ठोस कदम उठाते हुए विभिन्न विभागों, संस्थाओं और नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। डीसी ने कहा कि इस अभियान के तहत पुलिस, वन विभाग, पंचायतीराज संस्थाओं व अन्य विभागों को पंचायत स्तर, नगर परिषद तथा नगर पंचायतों के अंतर्गत आने वाले कस्बों तथा दुर्गम क्षेत्रों में भांग की अवैध खेती को नष्ट करने के साथ-साथ लोगों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

सहायता भारी वर्षा से प्रभावितों को हरसंभव सहायता सुनिश्चित करेगा जिला प्रशासन

घनीरी गांव में 25 मकान क्षतिग्रस्त, 200 लोग प्रभावित

अनंत ज्ञान, सोलन/ बीबीएन

डीसी सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन सोलन भारी वर्षा के कारण प्रभावितों को यथासंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सभी उपाय सुनिश्चित बनाए जा रहे हैं।

डीसी ने नालागढ़ उपमंडल की ग्राम पंचायत बाह के घनीरी गांव का दौरा कर क्षति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावितों को विश्वास दिलाया कि आपदा के समय में प्रदेश सरकार एवं जिला प्रशासन उनके साथ है और उनकी सहायता के लिए यथासम्भव प्रयास किए जा रहे हैं। मनमोहन शर्मा ने अधिकारियों को क्षतिग्रस्त राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बाह व राजकीय प्राथमिक पाठशाला गुज्जरहट्टी को चिन्हित स्थान पर अस्थायी रूप से स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत बाह के गांव घनीरी में लगभग 25 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस कारण लगभग 200 लोग प्रभावित हुए हैं, जिन्हें ग्राम पंचायत बाह में ही सुरक्षित स्थान पर ठहराया गया है। मनमोहन शर्मा ने तदोपरांत नालागढ़ में बद्दी व नालागढ़ उपमंडल में भारी वर्षा से हुए नुकसान के संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता भी की। डीसी ने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू आपदा के नुकसान का स्वयं अनुश्रवण कर रहे हैं और यह सुनिश्चित बनाया जा रहा है कि प्रभावितों को समय पर सहायता मिले। मनमोहन शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को भारी वर्षा के कारण अवरूद्ध हुई सड़कों, पेयजल योजनाओं को जल्द बहाल करने के निर्देश दिए। उन्होंने बिजली बोर्ड को निर्देश दिए कि समूचे क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बहाल रखी जाए। उन्होंने अधिकारियों को क्षतिग्रस्त मकानों, पशुशालाओं व अन्य नुकसान का जल्द आकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को प्रभावितों के क्षतिग्रस्त मकानों के पुन: निर्माण के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करने के निर्देश भी दिए, ताकि उन्हें भूमि उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने खंड विकास अधिकारी नालागढ़ को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत किए जाने वाले कार्यों को करवाना सुनिश्चित बनाएं। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इच्छाधारी मंदिर के समीप क्षतिग्रस्त पुल की जल्द मरम्मत की जाए, ताकि लोगों को आवाजाही में सुविधा मिले। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार पशुओं के लिए अस्थायी शैड निर्माण के निर्देश भी दिए। उन्होंने हिमाचल पथ परिवहन निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त सड़कों पर आवाजाही सुचारू रखने के लिए दोनों तरफ बसों का प्रबंधन करना सुनिश्चित बनाएं, ताकि यात्रियों को असुविधा का सामना न करना पड़े।

वर्षा प्रभावित क्षेत्र का दौरा करते डीसी मनमोहन शर्मा। साथ हैं अन्य अधिकारी।

राज्य स्तरीय सायर मेले में 13 से शुरू होंगी खेल प्रतियोगिताएं

अनंत ज्ञान, अर्की

राज्य स्तरीय सायर मेला खेल समिति की बैठक तहसीलदार विपिन वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

इस अवसर पर खेलकूद समिति अध्यक्ष बीडीओ तनमय कंवर विशेष तौर पर मौजूद रहे। समिति अध्यक्ष ने तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सायर मेले के दौरान खेलों की जानकारी देते हुए बताया कि बैडमिंटन प्रतियोगिता में महिला-पुरुष अंडर 14 तथा ओपन वर्ग महिला पुरुष प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। इसी कड़ी में महिला पुरुष ओपन कबड्डी प्रतियोगिता, चैस में महिला व पुरुष वर्ग अंडर-14 तथा महिला पुरुष ओपन प्रतियोगिताएं की जाएंगी। इसके अलावा महिला व पुरुष अंडर 14 चैस प्रतियोगिता तथा ओपन महिला पुरुष आयोजित की जाएंगी। वॉलीबाल में पुरुष वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। महिला रस्साकशी में केवल पहली आठ टीमें को ही पंजीकृत किया जाएगा, जबकि अन्य सभी प्रतियोगिताओं की 16 टीमें बनाई जाएंगी। उन्होंने सभी टीमों से जल्द पंजीकृत करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि पहली 16 टीमों को ही पंजीकृत कर खेलने का मौका दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिताएं 13 सितंबर से शुरू हो जाएंगी।

राज्य स्तरीय सायर मेला खेल समिति की बैठक में उपस्थित खेल समिति के सदस्य।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा को पीएम ई-बस योजना में मिलेंगी 450 ई-बसें

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय 'पीएम-ई-बस सेवा योजना' के तहत हरियाणा को 450 ई-बसें देगा। इनमें से 100 बसें अकेले गुरुग्राम जिले को आवंटित होंगी। यह निर्णय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार लाने, सार्वजनिक परिवहन को सशक्त बनाने और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लिया गया है। केंद्रीय शहरी विकास, आवास एवं उर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इसकी पुष्टि की है। केंद्र सरकार ने अगस्त-2023 में इस योजना की शुरुआत की थी। इस योजना को लगभग 20 हजार करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता के साथ देशभर में लागू किया जा रहा है। अहम बात यह है कि पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत बसों का संचालन होगा। केंद्र द्वारा तय शर्तों के तहत 12 मीटर लंबी स्टैंडर्ड बस के लिए 24 रुपए प्रति किमी, 9 मीटर मिडी बस के लिए 22 रुपए तथा 7 मीटर मिनी बस के लिए 20 रुपये प्रति किलोमीटर की केंद्रीय सहायता तय की है। चार्जिंग स्टेशन, बस डिपो और अन्य नागरिक ढांचे के निर्माण पर भी केंद्र की ओर से 100 प्रतिशत तक की मदद दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि योजना के तहत हरियाणा को 450 बसों का कोटा मिला है। इनमें से गुरुग्राम को 100 इलेक्ट्रिक बसें दी जाएंगी। गुरुग्राम को इसलिए प्राथमिकता दी गई है, क्योंकि यहां दिल्ली से सटे क्षेत्रों में वाहनों की संख्या सबसे अधिक है और वायु प्रदूषण भी लगातार चिंता का विषय रहा है। उन्होंने बताया कि तकनीकी कारणों के चलते गुरुग्राम में 100 ई-बसों का संचालन अब तक शुरू नहीं हो पाया है। जिसे अब जल्द ही शुरू किया जाएगा।

रोहतकः बरसात से मकान की छत गिरी,महिला की मौत

अनंत ज्ञान, रोहतक। शहर की नेहरू कालोनी में बरसात के कारण एक मकान की छत गिर गई, जिसके नीचे दबने से एक महिला की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया। पुलिस के अनुसार नेहरू कालोनी निवासी मिथुन ने बताया कि वह दिहाड़ी-मजदूरी करता है और बरसात के कारण रविवार शाम को उसकी मकान की कडियों वाली छत गिर गई, जिसके चलते मलबे के नीचे उसकी पत्नी सुनेहरी दब गई। घटना के बाद काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। महिला को मलबे से बाहर निकाला और गंभीर हालत में उपचार के लिए पीजीआई में भर्ती कराया, जहां डाक्टरों ने सुनहरी को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि महिला के तीन छोटे छोटे बच्चे भी है। परिजनों ने सरकार व प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार भी लगाई है। बाद में सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और इस बारे में जांच पड़ताल की।

गुरुग्राम में साबी नदी उफान पर, सेक्टर-107 में भरा पानी

अनंत ज्ञान, गुरुग्राम। प्रदेश के कई जिलों में हुई जलभराव के साथ अब गुरुग्राम के कई इलाकों में भी जलभराव हो गया है। यहां साबी नदी उफान है। इससे सेक्टर-107 क्षेत्र की सोसायटी पानी में डूब गई। किराये पर रहने वाले लोग फ्लैट खाली कर रहे हैं। साबी नदी बरसाती पानी से ओवरफ्लो है। इस कारण से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। यहां से निकला पानी दौलताबाद के पावर हाउस में भी भर गया। क्षेत्र में बाढ़ जैसी हालत हो गई है। पावर हाउस में जल्द पानी नहीं निकाला गया तो वहां पर करंट से हादसा होने का भी डर है। साबी नदी के पास सेक्टर-107 की ग्लोबल सिग्नेचर सोलेरा और एमअएम वुडशायर सोसाइटी में पानी भर गया था। सोसायटी के प्रयासों से पानी को निकालने का काम शुरू किया गया। मिट्टी से गेट पास बंध बनाया गया, ताकि और ज्यादा पानी अंदर ना जा सके। फिर भी सोसायटी के प्रवेश गेट पर तो गहरा पानी भरा ही है। उसकी निकासी नहीं हो पा रही। यहां के लोगों की शिकायत पर शनिवार की शाम को धर्मपुर गांव में एसडीएम ने दौरा करके हालातों का जायजा लिया। बताया जा रहा है कि साबी नदी में गुरुग्राम के ड्रेनों के साथ-साथ दिल्ली का पानी भी आता है। नजफगढ़ ड्रेन में वर्षों से सफाई नहीं होने के कारण पानी ओवरफ्लो हो रहा है। नीचे की तरफ के गांव धर्मपुर, दौलताबाद, जहाजगढ़, बाबूपुर में यह पानी भर रहा है।

सीएम सैनी ने नग्गल में जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने मुआवजे और स्थायी समाधान का दिया आश्वासन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को अंबाला जिले के नग्गल गांव के निकट जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ से कैथल जाते हुए नग्गल/हसनपुर के पास जलभराव की स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित किसानों से बातचीत की।

मुख्यमंत्री के साथ इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल नन्यौला, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, उपायुक्त अजय सिंह तोमर तथा पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत भी मौजूद रहे। पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि टांगरी नदी और बरसाती पानी के नग्गल नाले में प्रवेश करने से जलस्तर काफी बढ़ गया है, जिसके कारण लगभग 40 गांव जलभराव की स्थिति से प्रभावित हैं। उपायुक्त ने भी उन्हें जानकारी दी कि अंबाला शहर तहसील के अंतर्गत लगभग 28 हजार एकड़ भूमि जलभराव से प्रभावित हुई है। पूर्व राज्यमंत्री ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि यदि यहां पर साईफन का निर्माण हो जाए तो इस क्षेत्र में जलभराव की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने उपायुक्त को निर्देश दिए कि इस कार्य हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए और यदि संभव हो तो ड्रेन निर्माण की रूपरेखा भी बनाई जाए, ताकि जल निकासी का स्थायी समाधान हो सके और भविष्य में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।

मुख्यमंत्री ने भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी जय सिंह जलबेड़ा सहित प्रभावित किसानों से मुलाकात की और उनकी फसलों एवं हुए अन्य नुकसान के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधोमाजरा बांध पर गंदे नाले के नजदीक मोटरों को चलाने के निर्देश दिए ताकि बरसाती पानी की निकासी तेजी से हो सके। इसके पश्चात मुख्यमंत्री जनसूई हैड के नजदीक सेगती गांव के पास जलभराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए रुके और प्रभावित किसानों व ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा नुकसान की भरपाई के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला गया है, जहां किसान अपने नुकसान का पंजीकरण करा सकते हैं। नियमानुसार उचित मुआवजा प्रदान किया जाएगा।

40वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े में छात्राएं बनीं दृष्टि दान की प्रेरणा

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

40 वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े (25 अगस्त से 8 सितंबर) के उपलक्ष्य में, मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय की स्वास्थ्य समिति और एनएसएस समिति ने नेत्रदान के महत्व पर एक ऑनलाइन जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं और व्यापक समुदाय को संवेदनशील बनाना तथा उन्हें नेत्रदान जैसे पुण्य कार्य के माध्यम से दृष्टि पुनर्स्थापित करने के लिए प्रेरित करना था।

इस सत्र में नेत्रचिकित्सा विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सेक्टर 32, चंडीगढ़ से डॉ. अलीशा किशोर बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुईं। अपने सारगर्भित संबोधन में डॉ. किशोर ने नेत्रदान की गंभीर आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए इसकी प्रक्रिया का विस्तारपूर्वक वर्णन किया तथा इससे जुड़े प्रचलित मिथकों को दूर किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी आयु का व्यक्ति अपनी आंखें दान कर सकता है। साथ ही उन्होंने इस जीवनदायिनी अभियान को बढ़ावा देने में समुदाय एवं धार्मिक नेताओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। प्रतिभागियों को नेत्र बैंक की सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई और प्रतिज्ञा एवं दान की प्रक्रिया हेतु संपर्क विवरण भी उपलब्ध कराए गए। इस कार्यक्रम में 102 छात्राओं और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यवाहक प्राचार्या नीना शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि मानवीय मूल्यों पर आधारित ऐसे जागरूकता कार्यक्रम न केवल छात्राओं को ज्ञानवर्धित करते हैं, बल्कि उन्हें समाज में परिवर्तन के वाहक बनने के लिए भी सशक्त बनाते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को नेत्रदान का संदेश फैलाने और इस प्रकार एक उज्ज्वल एवं करुणामय विश्व के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

सुखना लेक से हेल्थ रन को मिला फ्लैग-ऑफ

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

मेजर जनरल जेएस चीमा, अतिरिक्त महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय (पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़) ने रविवार को सुखना लेक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, चंडीगढ़ से हेल्थ रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह आयोजन फिटनेस को जीवनशैली का हिस्सा बनाने और नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने हेतु आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन एनसीसी ग्रुप चंडीगढ़ द्वारा ब्रिगेडियर विक्रम सिंह चौहान (वाईएसएम), ग्रुप कमांडर के नेतृत्व में और यूटी चंडीगढ़ शिक्षा विभाग के सहयोग से हुआ। इसमें 2500 से अधिक प्रतिभागियों एनसीसी कैडेट्स, विद्यार्थी, खिलाड़ी और आम नागरिकों ने भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए चीमा ने कहा कि युवा हमारी शान हैं। अनुशासन, फिटनेस और जागरूकता से ही हम उन्हें नशे से दूर रख सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

अतिरिक्त निदेशक (उच्च शिक्षा) राधिका सिंह ने सभी प्रतिभागियों का आभार जताते हुए इसे समाज हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह पहल चंडीगढ़ प्रशासन की स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त समाज की दिशा में प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जींद :17 राज्यों के 1250 युवाओं ने तलाशें मनपसंद जीवनसाथी

अनंत ज्ञान, जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा द्वारा रविवार को श्री श्याम गार्डन में उत्तर भारत स्तरीय विवाह योग्य परिचय सम्मेलन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में 17 राज्यों के 1250 से ज्यादा युवा अपने जीवनसाथी की तलाश में पहुंचे। विदेशों से भी विवाह योग्य युवाओं ने समारोह में शिरकत की। इस सम्मेलन में तीन राज्यों के मंत्री व विधायक अतिथिगण के तौर पर उपस्थित रहे। समारोह में हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल व पंजाब के कैबिनेट मंत्री बरिंदर गोयल ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। उत्तर प्रदेश की बदायूं विधानसभा से विधायक महेश चंद्र गुप्ता अति विशिष्ट अतिथि रहे। इसके साथ-साथ देश प्रदेश से अग्रवाल समाज के कई राष्ट्रीय नेता भी समारोह में पहुंचे।

इस समारोह का आयोजन अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार गोयल की देख-रेख में किया गया। अध्यक्ष राजकुमार गोयल ने मंच से प्रस्ताव रखा कि विवाह योग्य प्रत्याशियों का आंकड़ा जानने और उनको रिश्ते के उचित अवसर प्रदान करने के लिए देश में रिश्ता आयोग गठित किया जाए। आज हर समाज में कुंवारे लड़के व लड़कियों की उम्र 30-30, 35-35 साल तक पहुंच गई है, लेकिन विवाह योग्य प्रत्यशियों के रिश्ते नहीं हो पा रहे हैं।

फिल्म '120 बहादुर' पर यदुवंशी समाज ने महापंचायत कर जताया विरोध

अनंत ज्ञान, गुरुग्राम

फिल्म 120 बहादुर को लेकर यदुवंशी समाज लगातार विरोध कर रहा है। इसी कड़ी में रविवार को यहां खेड़कीदौला टोल प्लाजा के पास चल रहे अहीर रेजीमेंट धरना स्थल पर महापंचायत आहुत की गई। महापंचायत में एक स्वर में लोगों ने कहा कि फिल्म का नाम 120 बहादुर की बजाय 120 वीर अहीर होना चाहिए।

महापंचायत में आम और खास लोगों ने शिरकत की। सामाजिक संस्थाओं से लेकर राजनीतिक दलों के लोग यहां पहुंचे। सभी ने एक स्वर में फिल्म निर्माणकर्ताओं से यह अपील की है कि यदुवंशी समाज की भावनाओं का वे ख्याल रखें। फिल्म को न्यायपूर्ण तरीके से पेश करें। महापंचायत में डॉ. टीसी राव, कर्नल चंदू लाल, कर्नल महाबीर यादव, मेजर एसएन यादव, कमांडर वीपी यादव, वेद यादव, साध्वी पुष्पा शास्त्री, अरुण यादव, सोचन सरपंच, सतीश पार्षद, रविंद्र फौजी, धर्मपाल यादव, राजबीर यादव, धर्म सिंह नंबरदार व सचिन यादव ने कहा कि वर्ष 1962 में भारत व चीन के बीच हुए युद्ध में रेजांगला की ऐतिहासिक लड़ाई में शौर्यता से लडने् वााले 12 कुमाऊं बटालियन को सरकार की ओर से वीर अहीर की उपाधि दी गई थी। इस इतिहास को फिल्म निर्माता पढ़े। इसी आधार पर यदुवंशी समाज फिल्म का नाम 120 वीर अहीर रखने की मांग कर रहा है। 120 बहादुर वीर नाम 114 वीर शहीदों का भी अपमान है और युद्ध के इतिहास को भी गलत तरीके से पेश करता है। महापंचायत में कहा गया कि 21 नवंबर को फिल्म रिलीज का दिन रखा गया है। इससे पहले फिल्म का नाम बदला जाना चाहिए।

देश-विदेश

कोलकाता में दुकानों के साइनबोर्ड पर बंगाली भाषा का इस्तेमाल जरूरी

एजेंसी, कोलकाता

भाषा विवाद के बीच कोलकाता नगर निगम का निर्देश

कोलकाता नगर निगम ने आदेश दिया है कि शहर के सभी व्यावसायिक और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को अपने साइनबोर्ड और होर्डिंग्स पर बंगाली भाषा का इस्तेमाल करना अनिवार्य कर दिया है। नगर निगम ने अपने निर्देश में कहा है कि भाषाई अधिकार को बढ़ावा देने और समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए ऐसा निर्देश दिया गया है।

नगर आयुक्त धवल जैन ने 30 अगस्त को जारी एक परिपत्र में कहा है कि सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को 30 सितंबर तक इस आदेश का पालन करना होगा। निर्देश में कहा गया है कि साइनबोर्ड, होर्डिंग्स पर बंगाली भाषा का इस्तेमाल करना होगा। कोलकाता नगर निगम का निर्देश दुकानों, कंपनियों, शॉपिंग मॉल, कार्यालय, रेस्तरां, होटल्स, अस्पतालों और डायग्नोस्टिक केंद्रों पर लागू होगा। देश में इन दिनों एसआईआर और मतदाता सूची का मुद्दा गरमाया हुआ है। साथ ही महाराष्ट्र में भाषा के मुद्दे पर काफी हंगामा हो रहा है। ऐसे में पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार ने भी भाषा के आधार पर बंगाली अस्मिता के नाम पर लोगों को एकजुट करने की कोशिश शुरू कर दी है। दरअसल, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बीते दिनों भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के कथित उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसे लेकर राज्य में कई कार्यक्रम और विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए। ममता बनर्जी ने एनआरसी के तहत भी बंगाली भाषी लोगों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि देश के बाकी हिस्सों में बंगालियों को भाषा की वजह से प्रताड़ित किया जाता है। (अनंत ज्ञान)

82 मिनट तक नजर आया पूर्ण चंद्र ग्रहण

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत में रविवार को साल का दूसरा और आखिरी चंद्र ग्रहण लगा। यह पूर्ण ग्रहण यानी ब्लड मून रहा और इसे पूरे देश में कहीं से भी देखा जा सका। साल 2022 के बाद भारत में दिखने वाला यह सबसे लंबा पूर्ण चंद्र ग्रहण रहा। चंद्र ग्रहण का नजारा रात करीब 10 बजे से 3 घंटे 28 मिनट तक चला। इसमें से 82 मिनट पूर्ण चंद्र ग्रहण रहा। इस दौरान पृथ्वी सूर्य और चांद के बीच आ गई, जिससे चांद पर उसकी छाया पड़ी और चांद लाल-नारंगी रंग का दिखाई दिया। इसे ही ब्लड मून कहा जाता है। यह 27 जुलाई, 2018 के बाद पहली बार है जब ग्रहण को देश के सभी हिस्सों से देखा जा सका। इसे सीधे आंखों से भी देखा जा सका। इसके लिए किसी चश्मे या फिल्टर की जरूरत नहीं पड़ी। हालांकि, दूरबीन या टेलिस्कोप से देखने पर इसे साफ-साफ देखा जा सका। (अनंत ज्ञान)

सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार नागेश्वरन बोले-

जीडीपी के 6.3% से 6.8% के बीच बने रहने की उम्मीद

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में महंगाई कम रहने की उम्मीद के चलते बजट में अनुमानित 10.1% नॉमिनल जीडीपी वृद्धि से थोड़ी गिरावट हो सकती है।

हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि वास्तविक जीडीपी का लक्ष्य 6.3% से 6.8% के बीच जरूर पूरा होगा। इस दौरान नॉमिनल जीडीपी और वास्तविक जीडीपी में अंतर पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि नॉमिनल जीडीपी में महंगाई का प्रभाव शामिल होता है, जिससे कीमतें बढ़ने पर जीडीपी अधिक दिखाई देती है। वहीं, वास्तविक जीडीपी महंगाई को समायोजित करके तैयार की जाती है, जिससे अर्थव्यवस्था की असल स्थिति सामने आती है। (अनंत ज्ञान)

महंगाई कम होने के आसार

नागेश्वरन ने आगे जीडीपी के नए दरों से देश में महंगाई कम होने की संभावनाओं पर जोर दिया। इसका कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे महंगाई दर कम होगी क्योंकि खरीफ फसल अच्छी रहने की उम्मीद है और जीएसटी परिषद ने हाल ही में 400 से अधिक वस्तुओं पर टैक्स घटाया है, जिससे कीमतें नीचे आएंगी। साथ ही, फरवरी के बजट में दिए गए इनकम टैक्स राहत से आम लोगों की जेब में ज्यादा पैसा बचेगा, जिससे घरेलू खपत में इजाफा होगा।

अनुतिन चर्नवीराकुल थाईलैंड के नए प्रधानमंत्री

एजेंसी, बैंकॉक। थाईलैंड के अनुभवी राजनीतिज्ञ अनुतिन चर्नवीराकुल को रविवार को देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शाही मंजूरी मिल गई। यह नियुक्ति दो दिन बाद हुई जब संसद ने उन्हें प्रधानमंत्री चुना था। अनुतिन ने अपने पूर्ववर्ती को हटाने वाले अदालत के आदेश के बाद यह पद संभाला है। वे थाईलैंड के तीसरे प्रधानमंत्री बने हैं पिछले दो वर्षों में, जो 2023 के आम चुनावों के बाद हुए हैं। पैटोंगटर्न को पड़ोसी देश कंबोडिया के सीनेट अध्यक्ष हुन सेन से एक विवादित फोन कॉल के चलते दोषी पाया गया था। पैटोंगटर्न को पिछले सप्ताह नैतिकता के उल्लंघन के कारण हटाया गया था। (अनंत ज्ञान)

ट्रंप अगले महीने जा सकते हैं साउथ कोरिया

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने साउथ कोरिया में होने वाले एशिया पेसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन में जा सकते हैं। यहां उनके चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन से मुलाकात करने की अटकलें लगाई जा रही है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप और उनके सलाहकार पीटर नवारो इस सम्मेलन के लिए साउथ कोरिया जाने की तैयारी कर रहे हैं। यह खबर ऐसे समय में आई जब ट्रंप ने हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में शी जिनपिंग के भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मेजबानी पर नाराजगी जताई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप और शी के बीच दौरान द्विपक्षीय बैठक भी हो सकती है, लेकिन अभी कोई पक्का प्लान नहीं बना है। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका में 300 द. कोरियाई नागरिक हिरासत में

एजेंसी, वॉशिंगटन। सियोल में विदेश मंत्री ने शनिवार को बताया कि दक्षिणी अमेरिकी राज्य जॉर्जिया में बन रहे हुंडई-एलजी बैटरी प्लांट पर अमेरिकी आव्रजन अधिकारियों द्वारा की गई छापेमारी में 300 से ज्यादा दक्षिण कोरियाई नागरिकों सहित 475 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि एलाबेल शहर में गुरुवार को की गई कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रव्यापी प्रवासी-विरोधी अभियान के तहत अब तक की सबसे बड़ी छापेमारी थी। छापेमारी की फुटेज में हिरासत में लिए गए मजदूरों को हथकड़ी और पैरों में जंजीरों के साथ एक कैदी परिवहन बस में चढ़ाते हुए दिखाया गया है। (अनंत ज्ञान)

पीड़ितों को 6 साल बाद मिले मुआवजे के 27 लाख

एजेंसी, ठाणे । वर्ष 2019 में बेंगलुरु-पुणे राजमार्ग पर हुए एक सड़क हादसे के मामले में ठाणे स्थित मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 27 लाख रुपये का सामूहिक मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह राशि दुर्घटना के छह पीड़ितों को दी जाएगी। आरवी मोहिते की अध्यक्षता वाले न्यायाधिकरण ने चार सितंबर को हादसे से जुड़े पांच अपीलों पर निर्णय दिया था। हालांकि इस आदेश की प्रति शनिवार को सामने आई। इन पांच दावों में दो दावे मृत्यु के थे तथा तीन दावे कार चालक की पत्नी और दो बच्चों को लगी चोटों से संबंधित थे। (अनंत ज्ञान)

भारत विरोधी दावों के फैक्ट चेक से भड़के नवारो

एजेंसी, वॉशिंगटन

एक्स के मालिक एलन मस्क पर साधा निशाना

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने एक बार फिर भारत पर रूस से तेल आयात को लेकर हमला बोला, लेकिन इस बार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने उनके दावों को फैक्ट चेक किया और इसे 'भ्रामक' करार दे दिया। इसके बाद भड़के नवारो ने एक्स के मालिक एलन मस्क पर ही निशाना साधा है। पीटर नवारो ने अपने पोस्ट में दावा किया कि भारत रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है और यह पैसा रूस की युद्ध मशीन को चला रहा है। उन्होंने लिखा, भारत के ऊंचे टैरिफ से अमेरिकी नौकरियां खत्म हो रही हैं। भारत सिर्फ मुनाफे के लिए रूसी तेल खरीदता है। इस राजस्व से रूस को युद्ध में ताकत मिलती है। यूक्रेनियन और रूसी मर रहे हैं और अमेरिकी टैक्सपेयर ज्यादा पैसा खर्च कर रहे हैं। भारत सच्चाई बर्दाश्त नहीं कर सकता और झूठ फैलाता है। भारत के ऊंचे आयात शुल्क के कारण अमेरिकी उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है। (अनंत ज्ञान)

टीएमसी नेता अब्दुर के बिगड़े बोल, कहा- बीजेपी विधायक के मुंह में डाल दूंगा तेजाब

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता ने विवादास्पद बयान दिया है। शनिवार की शाम बंगलाभाषर प्रवासियों पर अन्य राज्यों में कथित तौर पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आयोजित एक राजनीतिक सभा में मालदा जिले के तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) जिलाध्यक्ष अब्दुर रहीम बक्शी ने बीजेपी विधायक की आवाज बंद करने के लिए उनके गले पर तेजाब डालने की धमकी दे डाली। सभा को संबोधित करते हुए अब्दुर रहीम बक्शी ने विवाद खड़ा कर दिया। बीजेपी विधायक शंकर घोष का नाम लिए बिना बक्शी ने कहा, 'बीजेपी विधायक ने विधानसभा में प्रवासी मजदूरों को रोहिंग्या या बांग्लादेशी कहा था। मैं उसके गले पर तेजाब डालकर उसका मुंह बंद कर दूंगा।' (अनंत ज्ञान)

जेलेंस्की ने पुतिन का मॉस्को में बैठक का प्रस्ताव किया खारिज

एजेंसी, कीव

अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई बैठक के बाद उम्मीद बंधी थी कि रूस-यूक्रेन के बीच जल्द युद्धविराम हो सकता है, लेकिन अब यह उम्मीद धूमिल होती नजर आ रही है। दरअसल, अलास्का बैठक के बाद पुतिन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को मॉस्को में बैठक करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे अब यूक्रेनी राष्ट्रपति ने खारिज कर दिया है। जेलेंस्की ने मॉस्को के बजाय कीव में बैठक की मांग की है। (अनंत ज्ञान)

बोले-मैं आतंकी की राजधानी नहीं जा सकता

एक अमेरिकी मीडिया चैनल से बातचीत में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि मैं एक आतंकी की राजधानी नहीं जा सकताए क्योंकि यूक्रेन पर हर दिन हमले हो रहे हैं। पुतिन कीव आ सकते हैं। अलास्का बैठक के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंपए पुतिन और जेलेंस्की के बीच आमने-सामने बैठक कराने की कोशिश कर रहे हैं।

रूस ने कीव पर दागे 805 ड्रोन

एजेंसी, कीव। रूस ने रविवार को यूक्रेन पर 805 ड्रोन और हथियारों से हमला किया। यूक्रेनी वायुसेना के प्रवक्ता यूरी इहनाट ने इसकी पुष्टि की कि रविवार का हमला रूस का सबसे बड़ा ड्रोन हमला था। रूस ने अलग-अलग तरह की खतरनाक 13 मिसाइलें भी दागीं। वायुसेना के एक बयान के मुताबिक, यूक्रेन ने 747 ड्रोन और चार मिसाइलों को मार गिराया। यूक्रेन में 37 स्थानों पर हमले हुए। इससे पहले बताया गया कि रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। लोगों ने कीव के कैबिनेट भवन की छत से धुएं का गुबार उठता देखा, लेकिन यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या यह धुआं सीधे हमले का नतीजा था। (अनंत ज्ञान)

मानसून लुधियाना के ससराली बांध के टूटने का खतरा बरकरार, बांध में लगातार हो रहा कटाव

पंजाब के सभी 23 जिले अभी भी बाढ़ की चपेट में

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब के सभी 23 जिले अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में अगले 3 दिन बारिश का अलर्ट नहीं है, लेकिन लुधियाना के ससराली बांध टूटने का खतरा बना हुआ है। बांध में लगातार कटाव हो रहा है। इस बांध को बचाने के लिए आर्मी और एनडीआरएफ की टीमें लगी हुईं हैं, लेकिन अभी तक बांध पूरी तरह से सेफ नहीं हो पाया है। हालांकि प्रशासन के मुताबिक हालात कंट्रोल में हैं और लोगों को साइट पर न जाने की हिदायत दी गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना नदी शहर से 1 किमी दूर तक पहुंच गई है। घाट किनारे के आश्रमों में 5 फीट तक पानी भरा है। वृंदावन परिक्रमा मार्ग पानी में डूबा है। राजस्थान के राजसमंद में शनिवार को तेज बारिश से नेशनल हाईवे-162 (राजसमंद-जोधपुर) का आधा हिस्सा बह गया। राजस्थान के राजसमंद में शनिवार को तेज बारिश से नेशनल हाईवे-162 (राजसमंद-जोधपुर) का आधा हिस्सा बह गया। (अनंत ज्ञान)

प्रधानमंत्री मोदी कल करेंगे पंजाब का दौरा

पीएम मोदी बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए 9 सितंबर को पंजाब का दौरा करेंगे। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने रविवार को यह जानकारी दी। इससे पहले, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब का दौरा किया था। पंजाब में बाढ़ के कारण अब तक 46 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर की फसलें बर्बाद हो गई हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

इवान इवानोव और जेलिन वेंड्रोमे ने जूनियर खिताब जीते

एजेंसी, न्यूयॉर्क। जेलिन वेंड्रोमे और इवान इवानोव ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लड़कियों और लड़कों के वर्ग के खिताब जीते। वेंड्रोमे ने लड़कियों के वर्ग में स्वीडिश क्वालीफायर ली निल्सन को 7-6 (2), 6-2 से हराया। उन्होंने शुरू में पिछड़ने के बाद पहला सेट टाई ब्रेक में जीता लेकिन दूसरा सेट जीतने में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। लड़कों के वर्ग में मौजूदा विंबलडन चैंपियन इवानोव ने बुल्गारिया के अपने हमवतन अलेक्जेंडर वासिलेव को 7-5, 6-3 से हराया। जूनियर युगल वर्ग में एलेना कोवाकोवा और जना कोवाकोवा बहनों ने वेंड्रोमे और उनकी जोड़ीदार लाइमा व्लादसन को हराया। कीटन हेंस और जैक कैनेडी ने नोआह जॉनस्टन और बेंजामिन विलवर्थ को हराकर लड़कों का खिताब जीता। (अनंत ज्ञान)

ग्रैनोलर्स और जेबालोस ने पुरुष युगल का खिताब जीता

एजेंसी, न्यूयॉर्क। मार्सेल ग्रैनोलर्स और होरासियो जेबालोस अमेरिकी ओपन पुरुष युगल चैंपियनशिप के फाइनल में हारने से बस एक अंक दूर थे, लेकिन उन्होंने अपना धैर्य बनाए रखा और कुछ ही पल बाद वे चैंपियन बन गए। ग्रैनोलर्स और जेबालोस ने शनिवार को जो सैलिसबरी और नील स्कूप्स्की को 3-6, 7-6 (4), 7-5 से हराकर सत्र का अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। ग्रैनोलर्स ने बाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "टेनिस कभी-कभी पागलपन भरा होता है, क्योंकि हम यहां तक बात कर रहे थे कि आप मैच हारने के कितने करीब थे और फिर 20 मिनट में आप ट्रॉफी जीत लेते हैं।" इस पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने इस साल फ्रेंच ओपन का खिताब भी जीता था। (अनंत ज्ञान)

एएफसी अंडर-23 एशियाई कप क्वालीफायर में भारत कतर से हारा

एजेंसी, दोहा। भारतीय फुटबॉल टीम को एएफसी अंडर 23 एशियाई कप क्वालीफायर के ग्रुप-एच के अपने दूसरे मुकाबले में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बाद मेजबान कतर से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। अल हाशमी मोहियालदीन (18वें मिनट) ने कतर को शुरुआत में ही बढ़त दिला दी थी, लेकिन मोहम्मद सुहैल (52वें मिनट) ने बराबरी का गोल दाग दिया। जसीम अल शरशानी (67वें मिनट) के पेनल्टी पर किए गए गोल ने मैच में कतर के लिए तीन अंक सुनिश्चित कर दिए। पिछले मैच में बहरीन के खिलाफ 2-0 की जीत से उत्साहित भारत ने अच्छी शुरुआत की। सुहैल को शुरुआत में ही मौका मिल गया, जहां दूसरे मिनट में ही उन्होंने बॉक्स के बाहर से शॉट मारा लेकिन गेंद क्रॉसबार के ऊपर से बाहर चली गई। मेजबान टीम ने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण हासिल कर लिया और 18वें मिनट में बढ़त बना ली। भारत ने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की। उनकी मेहनत तब रंग लाई, जब सुहैल ने बराबरी का गोल दागा। कुछ ही मिनटों बाद खेल का रुख पूरी तरह बदल गया, जब भारतीय डिफेंडर परमवीर ने बॉक्स के अंदर नूर इब्राहिम को गिरा दिया। परमवीर को मैच का दूसरा पीला कार्ड मिला और भारत को मैच के बाकी बचे 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। कतर के कप्तान अल शरशानी ने पेनल्टी को गोल में बदल दिया और मेजबान टीम को फिर से बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने इसके बाद वापसी की अच्छी कोशिश की, लेकिन वह बराबरी का गोल नहीं कर पाई। (अनंत ज्ञान)

अगाटा इसाबेला खूबसूरत अंदाज में

इटली। अगाटा इसाबेला सेंटासो का जन्म 19 जनवरी, 1990 को हुआ था। वह वर्तमान में सीरी बी क्लब वेनेज़िया की महिला टीम का प्रतिनिधित्व करती हैं, सोशल मीडिया पर उनके बहुत सारे फॉलोअर्स हैं, उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर 78,000 से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

भारत ने जीते सबसे ज्यादा खिताब, कब से हुई इस बदलाव की शुरुआत?

क्यों बदलता रहता है एशिया कप का फॉर्मेट?

एजेंसी, नई दिल्ली

एशिया कप क्रिकेट की दुनिया के बड़े टूर्नामेंट्स में से एक है। जैसा इस टूर्नामेंट के नाम से पता चलता है, इस टूर्नामेंट में सिर्फ एशिया की टीमें खेलती हैं। भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, यूएई, हॉन्ग-कॉन्ग इसमें हिस्सा लेती हैं। टूर्नामेंट जब से शुरू हुआ है तब से काफी कुछ बदल चुका है। क्रिकेट भी और इसका खेलने का तरीका भी। इन बदलावों का असर एशिया कप पर भी पड़ा है। 1984 में पहली बार एशिया कप खेला गया था। इस टूर्नामेंट का कर्ता-धर्ता एशियन क्रिकेट काउंसिल है। इसी पर जिम्मेदारी होती है कि एशिया कप का आयोजन हर दो साल में किया जाए। टूर्नामेंट की शुरुआत जब हुई थी तब टेस्ट क्रिकेट और वनडे क्रिकेट ही थे। ऐसे में वनडे फॉर्मेट में ये टूर्नामेंट खेला जाता था। (अनंत ज्ञान)

तीसरी बार होगा टी20 एशिया कप

2016 में पहली बार एशिया कप क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में खेला गया था। इसके बाद 2018 में वनडे में खेला गया था, क्योंकि 2019 में वनडे वर्ल्ड कप था। 2022 में भी एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला गया। 2025 में यह तीसरी बार है, जब इस टूर्नामेंट का आयोजन इस फॉर्मेट में हो रहा है।

2016 में बदल गया सब कुछ

फिर आया साल 2016 जब इस टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार टी20 फॉर्मेट में किया गया है। तब से ये टूर्नामेंट अल्टरनेट तौर पर एक बार वनडे और एक बार टी20 फॉर्मेट में खेला जाता है। दरअसल, 2015 में आईसीसी में कई बदलाव हुए और ये बदलाव इसके कार्य करने की शैली में हुए। इस दौरान एसीसी की ताकत को कम किया गया, हालांकि एशिया कप की मेजबानी का जिम्मा अभी भी एसीसी के पास ही रखा गया था। आईसीसी में जब बदलाव हुए तब तय किया गया कि एशिया कप का फॉर्मेट अब रोटेशनल होगा। जो गाइडलाइंस जारी की गईं तब ये तय गया है कि एक बार ये फॉर्मेट वनडे फॉर्मेट में होगा तो अगली बार टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और इस बात का फैसला एशिया कप के बाद होने वाले आईसीसी इवेंट के आधार पर किया जाएगा। यानी अगर एशिया कप के कुछ महीनों बाद या अगले साल वनडे वर्ल्ड कप है तो यह टूर्नामेंट 50 ओवरों का होगा। वहीं, अगर टी20 वर्ल्ड कप है तो एशिया कप भी इसी फॉर्मेट में खेला जाएगा। यह फैसला इसलिए किया गया था, ताकि एशिया की टीमों को वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए एक बड़ा मंच मिल जाए। इसी कारण 2016 में एशिया कप पहली बार टी20 फॉर्मेट में हुआ था, क्योंकि कुछ ही महीने बाद भारत की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप होना था।

सबालेंका लगातार दूसरी बार बनीं यूएस ओपन चैंपियन

एजेंसी, न्यूयॉर्क

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी और डिफेंडिंग चैंपियन बेलारूस की आर्यना सबालेंका (27) ने लगातार दूसरा यूएस ओपन खिताब जीत लिया है। शनिवार रात को आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए फाइनल में उन्होंने अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 7-6 (7/3) से हराया। यह उनका चौथा ग्रैंड स्लैम है। सबालेंका का इस साल का यह तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। इससे पहले वह दो मौको पर अमेरिका की खिलाड़ियों से हार गई थी। उनको जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मैडिसन कीज से और जून में फ्रेंच ओपन में कोको गॉफ से हार मिली थी। रविवार को कार्लोस अल्काराज और जैनिक सिनर के बीच मेंस कैटेगरी का फाइनल मैच खेला जाएगा।

अनिसिमोवा को सीधे सेटों में हराया, सपना टूटा

पिछले साल यूएस ओपन में सबालेंका ने अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को हराकर अपना पहला यूएस ओपन का खिताब जीता था। यही नहीं, वह 2012–14 में सेरेना विलियम्स के बाद अमेरिकी ओपन में लगातार ट्रॉफी जीतने वाली पहली महिला भी बनीं। सबालेंका जुलाई में विंबलडन के सेमीफाइनल में अनिसिमोवा से हार गई थीं। फाइनल से पहले तक इन दोनों खिलाड़ियों के बीच नौ मैच खेले गए थे। उनमें अनिसिमोवा ने 6 में जीत हासिल की है। ऑल इंग्लैंड क्लब में सबालेंका को हराने के बाद अनिसिमोवा अपना पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल इगा स्वियातेक से 6-0, 6-0 से हार गई थीं। (अनंत ज्ञान)

अनिसिमोवा बोली-सबालेंका करती है कड़ी मेहनत, इसलिए आज इस मुकाम पर है

अमेरिका की इस 24 वर्षीय खिलाड़ी (अनिसिमोवा) ने सबालेंका की तारीफ करते हुए कहा, 'मैं वास्तव में उनकी बहुत प्रशंसा करती हूं। वह कड़ी मेहनत करती है और इसी लिए आज इस मुकाम पर है। मुझे भी मौके मिले थे लेकिन मैं उन्हें नहीं भुना सकी।' बेलारूस की 27 वर्षीय सबालेंका ने अपनी चौथी ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी जीती। उन्होंने अपने सभी खिताब हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। इस जीत से वह 2006 में जस्टिन हेनिन के बाद एक सत्र में तीन प्रमुख फाइनल हारने वाली पहली महिला बनने से बच गई।

एशियाई जूनियर पेनकेक सिलाट चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा श्रीनगर

एजेंसी, नई दिल्ली। एशियाई जूनियर पेनकेक सिलाट चैंपियनशिप के तीसरे सत्र का आयोजन 25 से 30 सितंबर तक श्रीनगर में होगा। भारतीय पेनकेक सिलाट महासंघ इसका आयोजन एशियाई पेनकेक सिलाट महासंघ (पीएफए), अंतरराष्ट्रीय पेनकेक सिलाट महासंघ (पीईबीआरएसआईएलएटी), खेल मंत्रालय और जम्मू-कश्मीर खेल परिषद के सहयोग से करेगा।

भारतीय पेनकेक सिलाट महासंघ ने एक विज्ञप्ति में कहा, इस आयोजन में 12 प्रतिभागी देशों के 300 खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों के भाग लेने की उम्मीद है। पेनकेक सिलाट मार्शल आर्ट का प्रारूप है जिसमें हाथ, पैर और कुश्ती की तकनीकों का उपयोग किया जाता है। यह दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में काफी लोकप्रिय है। चैंपियनशिप में लड़के और लड़कियों दोनों वर्गों में टैंडिंग (मैच/फाइटिंग), तुंगगल, सोलो (एकल खिलाड़ी कलात्मक), गांडा (दो खिलाड़ियों की कलात्मक टीम) और रेगु (तीन खिलाड़ियों की कलात्मक टीम) सहित विभिन्न श्रेणियों के मुकाबले होंगे। (अनंत ज्ञान)

हॉकी एशिया कप फाइनल

भारत ने द. कोरिया के खिलाफ दम दिखाकर जीता दिल

एजेंसी, राजगीर

पुरुष हॉकी एशिया कप का फाइनल मैच बेहद रोमांच हुआ। रविवार को भारतीय हॉकी ने दक्षिण कोरिया को शुरू से ही दबाव में रखा। बिहार के राजगीर में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम पूरी तरह हावी रही। हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व वाली टीम मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया को रौंदने में पूरी तरह जुटी हुई थी। इस टूर्नामेंट में जीतने वाली टीम को अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड द्वारा संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने का मौका मिलेगा।

खिताबी मुकाबले में भारत ने अच्छी शुरुआत की। पहले मिनट में सुखजीत सिंह ने गोल दागा और भारत को बढ़त 1-0 कर दी। आठवें मिनट में भारत के पास पेनाल्टी स्ट्रोक का मौका था, लेकिन जुगराज सिंह गोल से चूक गए। पहले क्वार्टर का खेल समाप्त होने के बाद भारत 1-0 से आगे था। दूसरे क्वार्टर का खेल जारी है। 17वें मिनट में जुगराज को ग्रीन कार्ड मिला है। 27वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने गोल दागा। तीसरा गोल भी दिलप्रीत के नाम रहा और चौथा गोल अमित रोहिदास ने किया। भारत ने कोरिया पर 4-0 से बढ़त बनाई। समाचार लिखे जाने तक तीसरे क्वार्टर का खेल जारी था। (अनंत ज्ञान)

भारतीय बॉक्सर लवलीना ने कोच के सिर फोड़ा हार का ठीकरा

एजेंसी, लीवरपूल

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पहले दौर से बाहर होने के बाद उन्हें के कम अवसरों पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें शायद वह ट्रेनिंग नहीं मिलती जो उन्हें वास्तव में चाहिए। एक साल से अधिक समय बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी करने वाली टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना 75 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में तुर्की की बुसरा इस्लिदार के खिलाफ 0-5 की हार के दौरान लय में नहीं दिखीं।

बोली-मुझे हमेशा वह ट्रेनिंग नहीं मिली जो मुझे वास्तव में चाहिए

लवलीना ने 'एक्स' पर लिखा, "एक साल बाद मैंने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मैं अपने पहले ही मुकाबले में हार गई, इससे पीड़ा पहुंचती है। मुझे खेद है कि मैं इस बार ऐसा नहीं कर पाई, लेकिन सभी जानते हैं, मैं कभी भी किसी और चीज के लिए नहीं लड़ती, सिर्फ अपनी ट्रेनिंग के लिए। मैं कभी विलासिता की चीजें नहीं मांगती। मैं सिर्फ अच्छी ट्रेनिंग मांगती हूं।" इस 27 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने पेरिस ओलंपिक और उसके बाद के मुकाबलों के लिए तैयारी के दौरान कम अनुभव मिलने पर अफसोस जताया और टोक्यो खेलों से पहले मिली सहयोग प्रणाली से तुलना की। (अनंत ज्ञान)

नए व्यावसायिक साझेदार की तलाश में एआईएफएफ

एजेंसी, नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसार अपने नए व्यावसायिक साझेदार के चयन के लिए पूरी निविदा प्रक्रिया की निगरानी करने के लिए पूर्व न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। उच्चतम न्यायालय ने दो सितंबर को दिए आदेश में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आयोजन की अनुमति भी दी थी जिसे आयोजक एफएसडीएल ने 11 जुलाई से रोक दिया था। एफएसडीएल राष्ट्रीय महासंघ का मौजूदा व्यावसायिक साझेदार भी है।

एआईएफएफ ने रविवार को बयान में कहा कि चयन प्रक्रिया की निगरानी के लिए कार्यकारी समिति ने तीन सदस्यीय बोली मूल्यांकन समिति (बीईसी) बनाने का फैसला किया। बीईसी के अध्यक्ष भारत के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव होंगे। समिति के अन्य दो सदस्य एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) की ऑडिट और कंप्लायंस समिति के सदस्य केसवरन मुरुगु और एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे हैं। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि न्यायमूर्ति राव एआईएफएफ के व्यावसायिक साझेदार को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में मदद के लिए एक या दो पेशेवर को नियुक्त कर सकते हैं। तीन सदस्यीय समिति बनाने का निर्णय एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने शनिवार को वर्चुअल बैठक के बाद लिया। एआईएफएफ ने सुपर कप टूर्नामेंट को 25 अक्टूबर से 22 नवंबर तक चरणबद्ध तरीके से आयोजित करने का भी फैसला किया। (अनंत ज्ञान)

भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने रचा इतिहास

विश्व चैंपियनशिप में पहली बार जीता गोल्ड

ग्वांगजू (साउथ कोरिया)

भारत ने साउथ कोरिया के ग्वांगजू शहर में चल रही वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की भारतीय टीम ने रविवार को पुरुषों की कंपाउंड कैटेगरी के फाइनल में फ्रांस की टीम को 235-233 से हराया।

ऋषभ, अमन और प्रथमेश की तिकड़ी ने फ्रांस की टीम को हराया

यह पहला मौका है, भारत ने इस टूर्नामेंट में पुरुष कंपाउंड टीम इवेंट का गोल्ड जीता है। यह टूर्नामेंट के इस सीजन में भारत का पहला गोल्ड भी है। मैच की शुरुआती तीन सेटों में दोनों टीमें 176-176 की बराबरी पर थीं, लेकिन चौथे सेट में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 59 अंक हासिल किए, जिसने फ्रांस पर दबाव बनाया। फ्रांस इस सेट में केवल 57 अंक ही बना सका और इस तरह भारत ने दो अंकों के अंतर से गोल्ड मेडल अपने नाम किया। भारतीय पुरुष टीम ने सेमीफाइनल में तुर्की के खिलाफ शानदार वापसी की। पहले सेट में 7 अंक के खराब शॉट के बावजूद, टीम ने हार नहीं मानी और अगले तीन सेटों में केवल एक अंक गंवाया। अंतिम दो सेटों में परफेक्ट 120 अंक हासिल कर भारत ने तुर्की को 234-232 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में भी भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शूट-ऑफ में और आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन अमेरिका को एक अंक के अंतर से हराकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की थी। (अनंत ज्ञान)

मिक्स्ड टीम में सिल्वर मेडल

मिक्स्ड कंपाउंड टीम ने सिल्वर मेडल जीता, जिसमें ऋषभ यादव और ज्योति सुरेखा वेन्नम की जोड़ी नीदरलैंड से भिड़ी। भारतीय जोड़ी ने पहले सेट में बढ़त बनाई, लेकिन दूसरे सेट में केवल 37 अंक हासिल करने के कारण नीदरलैंड ने बढ़त ले ली। अगले तीन सेटों में नीदरलैंड ने अपनी पकड़ बनाए रखी और भारत को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

महिला टीम ने किया निराश

दूसरी ओर, मौजूदा चैंपियन भारतीय महिला कंपाउंड टीम (ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और प्रीतिका प्रदीप) को राउंड ऑफ 16 में इटली के खिलाफ 229-233 से हार का सामना करना पड़ा। पहले दो सेटों में 56-56 अंकों के कम स्कोर ने भारत को मुश्किल में डाल दिया और इटली ने आसानी से जीत हासिल कर ली। यह एक दशक में पहली बार है जब भारतीय महिला कंपाउंड टीम बिना किसी मेडल के टूर्नामेंट से बाहर हुई। पिछले चार संस्करणों में इस टीम ने एक गोल्ड, दो सिल्वर और ब्रॉन्ज सहित चार मेडल जीते थे।

रोनाल्डो ने दिलाई पुर्तगाल को बड़ी जीत

एजेंसी, मैनचेस्टर

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फुटबॉल इतिहास में एक और मील का पत्थर स्थापित किया, जब उन्होंने फीफा विश्व कप क्वालिफायर में सबसे अधिक गोल करने का रिकॉर्ड लियोनेल मेस्सी से छीन लिया। पुर्तगाली दिग्गज, जो अब 40 साल के हैं और अभी भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। रिकॉर्ड छठी बार फुटबॉल विश्व कप में खेलने की कवायद में लगे रोनाल्डो के दो गोल की मदद से पुर्तगाल ने आर्मेनिया को 5-0 से हराकर यूरोपीय क्वालीफाइंग में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। रोनाल्डो ने इस तरह से अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने के अपने रिकार्ड को 140 पर पहुंचा दिया है।

रोनाल्डो मेस्सी का तोड़ा रिकॉर्ड, रचा इतिहास

अब तक कई खिलाड़ी पांच विश्व कप में खेल चुके हैं, लेकिन छह बार इसमें भाग लेना नया रिकॉर्ड होगा। इस बीच इंग्लैंड ने विला पार्क में अंडोरा के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ क्वालीफाइंग में अपना विजय अभियान जारी रखा। अगला मैच मंगलवार को हंगरी के खिलाफ होगा, जिसने डबलिन में रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड के खिलाफ कड़ी टक्कर में 2-2 से ड्रॉ खेला था।

विश्व कप अगले साल अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में आयोजित किया जाएगा और अगर रोनाल्डो इसमें भाग लेते हैं तो यह नया रिकॉर्ड होगा। (अनंत ज्ञान)

एशिया कप — आइसबॉक्स पर बैठे रहे संजू सैमसन, बल्लेबाजों ने नेट्स में बहाया पसीना

नेट प्रैक्टिस में जितेश ने संभाली विकेटकीपिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से यूएई में होने वाली है। इससे पहले भारतीय टीम ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बीच, विकेटकीपर-बल्लेबाज के रोल के लिए संजू सैमसन और जितेश शर्मा के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई के आईसीसी अकादमी में भारतीय टीम के दूसरे ट्रेनिंग सेशन में जितेश शर्मा को विकेटकीपिंग ड्रिल में ज्यादा समय बिताते देखा गया, जबकि संजू सैमसन ने कुछ समय थ्रो-डाउन प्रैक्टिस की और ज्यादातर समय आइसबॉक्स पर बैठे दिखे। ट्रेनिंग सेशन में जितेश को कोच गौतम गंभीर से ज्यादा बातचीत करते देखा गया। इससे यह माना जा रहा है कि टीम मैनेजमेंट जितेश को पहले कुछ मैचों में विकेटकीपर के रूप में प्राथमिकता दे सकता है।

वहीं, गिल, अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा और रिंकू सिंह ने काफी समय तक नेट में पसीना बहाया। केसीएल में सैमसन का शानदार प्रदर्शन संजू सैमसन ने हाल ही में केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने 42 गेंदों में शतक लगाया, और पूरे लीग में 368 रन बनाए। उनकी फॉर्म और टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी की स्ट्रेंथ उन्हें मजबूत दावेदार बनाती है। हालांकि, शुभमन गिल की वापसी और उप-कप्तानी ने सैमसन की ओपनिंग स्लॉट को खतरे में डाल दिया है। दूसरी ओर, जितेश शर्मा ने आईपीएल-2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए शानदार फिनिशिंग स्किल दिखाई, जिसमें 176.35 के स्ट्राइक रेट से 261 रन शामिल हैं। उनकी मिडिल-ऑर्डर में की क्षमता उन्हें इस रेस में आगे रखती है।

भारत अपने टी-20 एशिया कप अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा। इसके बाद 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मुकाबला दुबई में होगा। ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच भारत 19 सितंबर को अबू धाबी में ओमान के खिलाफ खेलेगा। (अनंत ज्ञान)

गावस्कर बोले-सैमसन को नंबर-3 पर आजमाएं

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने जितेश को मिडिल-ऑर्डर में बेहतर ऑप्शन बताया है, जबकि सैमसन का टॉप-ऑर्डर में रिकॉर्ड शानदार है। दूसरी ओर, सुनील गावस्कर ने सुझाव दिया कि सैमसन को नंबर 3 या फिनिशर के रूप में आजमाया जा सकता है।

बुमराह की टी-20 फॉर्मेट में वापसी

बुमराह की टी-20 फॉर्मेट में वापसी हो रही है। उन्होंने आखिरी बार 2024 टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में ब्रिजटाउन में खेला था, जहां उनके 2/18 के शानदार प्रदर्शन ने भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात रन से जीत दिलाई थी। बुमराह को उस टूर्नामेंट में 15 विकेट के साथ प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में दो टेस्ट मिस करने के बाद आलोचनाओं का सामना करने वाले बुमराह 40 दिन के ब्रेक के बाद टीम में लौटे हैं। अभ्यास के दौरान उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ हल्की-फुल्की बातचीत करते देखा गया।